27 अगस्त 2025
बुधवार

डिजिटल संस्करण
केशव टाइम्स

पर्वों के दौरान शांति-व्यवस्था और सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा : जिला प्रशासन
3

ईडी का आप नेता सौरभ भारद्वाज के घर समेत 13 ठिकानों पर छापा

एजेंसी। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली के पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज के घर मंगलवार सुबह प्रवर्तन निदेशालय ने छापा मारा है। अस्पताल निर्माण घोटाला मामले में ईडी ने कार्रवाई की है। वहीं ईडी की कार्रवाई के बीच आम आदमी पार्टी का बयान सामने आया है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी के नेता और पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज के घर समेत 13 ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय ने छापा मारा है। यह कार्रवाई अस्पताल निर्माण में हुए घोटाले को लेकर की गई है। ईडी अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रवर्तन निदेशालय की एक टीम ने अस्पताल निर्माण में अनियमितताओं से जुड़े धन शोधन मामले में आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज के आवास पर छापेमारी की है। जानकारी के लिए बता दें कि ईडी की दिल्ली और आस पास के 13 ठिकानों पर छापेमारी चल रही है। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सौरभ भारद्वाज के घर हुई छापेमारी पर कहा कि मोदी सरकार जांच एजेंसियों का गलत इस्तेमाल कर रही है। आप को निशाना बनाया जा रहा है। आप को निशाना इसलिए बनाया जा रहा है क्योंकि पार्टी ने मोदी सरकार की गलत नीतियों के खिलाफ सबसे ज्यादा आवाज उठाई है।

पूर्व सीएम आतिशी का तीखा हमला

सौरभ भारद्वाज पर ईडी की कार्रवाई पर पूर्व सीएम आतिशी ने कहा कि आज सौरभ जी के यहां रेड क्यों हुई? क्योंकि पूरे देश में मोदी जी की डिग्री पर सवाल उठ रहा है। क्या मोदी जी की डिग्री फर्जी है?, इस चर्चा से ध्यान हटाने के लिए ही रेड डाली गई है। जिस समय का केस बताया जा रहा है। उस समय सौरभ मंत्री भी नहीं थे। यानी पूरा केस ही झूठा है। बीती 24 जून को आप सरकार में स्वास्थ्य मंत्री रहे सत्येंद्र जैन और सौरभ भारद्वाज के खिलाफ हजारों करोड़ से अधिक के कथित अस्पताल घोटाले की जांच को उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने मंजूरी दे दी थी। जांच के लिए भाजपा नेता विजेंद्र गुप्ता ने 22 अगस्त 2024 को शिकायत की थी। इसमें तत्कालीन मंत्री सौरभ भारद्वाज और सत्येंद्र जैन पर मिलीभगत कर स्वास्थ्य विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था। आम आदमी पार्टी ने इन आरोपों से इनकार किया था। आरोप है कि साल 2018-19 में 5590 करोड़ रुपये की लागत की 24 अस्पताल परियोजनाएं (11 ग्रीनफील्ड और 13 ब्राउनफील्ड) स्वीकृत की गई थी। इसमें बड़े पैमाने पर हेराफेरी का आरोप है। 6800 के कुल बिस्तर क्षमता वाले 7 आईसीयू अस्पतालों को सितंबर 2021 से 6 महीने के भीतर पूर्व-इंजीनियर संरचनाओं का उपयोग कर निर्माण के लिए 1125 करोड़ रुपये की लागत से मंजूरी दी गई थी। तीन साल से अधिक समय बीत जाने के बाद भी 800 करोड़ रुपये की लागत के साथ केवल 50 फीसदी काम पूरा हुआ। लोकनायक अस्पताल न्यू ब्लॉक परियोजना के लिए 465.52 करोड़ रुपये की लागत से मंजूरी दी गई थी। चार साल में 1125 करोड़ रुपये की राशि खर्च हुई जो लागत से करीब तीन गुनी है।

सौरभ भारद्वाज पर हुई कार्रवाई पर आप का जवाब

सौरभ भारद्वाज के खिलाफ ईडी की कार्रवाई पर आम आदमी पार्टी की ओर से बयान सामने आया है। आप ने इस कार्रवाई को ध्यान भटकाने की रणनीति बताया है। साथ ही दावा किया है कि उनके खिलाफ मामला झूठा है। आप के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने ईडी की कार्रवाई पर कहा कि छापेमारी ध्यान भटकाने की रणनीति है। यह मामला उस समय का है जब भारद्वाज किसी मंत्री पद पर नहीं थे। यह मामला झूठा है। आप सांसद संजय सिंह ने ईडी की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि उनके के खिलाफ दर्ज मामला झूठा और निराधार है। क्योंकि जिस समय ईडी ने मामला दर्ज किया था, उस समय वह मंत्री भी नहीं थे। आप नेताओं के खिलाफ झूठे मामले दर्ज करना और उन्हें जेल में डालना मोदी सरकार की नीति है। भाजपा सरकार सभी आप नेताओं को एक-एक करके परेशान कर रही है और उन्हें जेल में डाल रही है। पीएम मोदी की फर्जी डिग्री से ध्यान हटाने के लिए छापेमारी की जा रही है। पीएम मोदी की फर्जी डिग्री पर चर्चा न हो, इसके लिए ईडी ने कार्रवाई की है।

भारी बारिश के कारण सभी सेवा प्रदाताओं की कॉल और मोबाइल इंटरनेट सेवा बाधित

माता वैष्णो देवी मार्ग पर भूस्खलन 6 श्रद्धालुओं की मौत, रोकी गई यात्रा

- कटरा, उधमपुर और जम्मू रेलवे स्टेशनों से आने-जाने वाली 18 ट्रेनें रद्द

एजेंसी। नई दिल्ली

मंगलवार दोपहर त्रिकुटा पहाड़ी पर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर के मार्ग पर भूस्खलन हो गया। जिसमें छह लोगों की मौत हो गई है। करीब 14 लोग घायल हो गए। सरकार ने अगले आदेश तक के लिए यात्रा स्थगित कर दी गई है। कटड़ा में भारी बारिश के चलते माता श्री वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर अर्धकुंवारी स्थित इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास मंगलवार को भूस्खलन हुआ है, जिसमें छह लोगों की मौत हो गई है और 14 अन्य घायल हो गए हैं। करीब छह लोग घायल हो गए और कुछ के दबे होने की आशंका है। श्रीमाता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने भूस्खलन होने की जानकारी साझा की है। भूस्खलन के बाद बड़े स्तर पर राहत-बचाव कार्य किया जा रहा है। रियासी पुलिस-प्रशासन और एनडीआरएफ अलर्ट मोड पर हैं। लगातार भारी बारिश के कारण मंगलवार दोपहर त्रिकुटा पहाड़ी पर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर के मार्ग पर भूस्खलन हो गया, जिससे करीब 14 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि भूस्खलन के कारण माता वैष्णो देवी की यात्रा अस्थायी रूप से स्थगित कर दी गई। दोपहर करीब 3 बजे हुआ भूस्खलन अधिकारियों ने बताया कि अर्धकुंवारी के पास हुए भूस्खलन के बाद बचाव अभियान जारी है, दोपहर करीब 3 बजे भूस्खलन हुआ था। यह आपदा पहाड़ी पर स्थित मंदिर तक जाने वाले 12 किलोमीटर के घुमावदार रास्ते के लगभग आधे रास्ते पर आई।

हिमकोटी ट्रेक मार्ग पर यात्रा सुबह से ही स्थगित

हिमकोटी ट्रेक मार्ग पर यात्रा सुबह से ही स्थगित कर दी गई थी, लेकिन दोपहर 1.30 बजे तक पुराने मार्ग पर यात्रा जारी थी, जिसके बाद अधिकारियों ने मूसलाधार बारिश के मद्देनजर अगले आदेश तक इसे भी स्थगित करने का निर्णय लिया। जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही बारिश कहर बरपा रही है। उत्तर रेलवे ने मंगलवार को कटरा, उधमपुर और जम्मू रेलवे स्टेशनों से आने-जाने वाली 18 ट्रेनें रद्द कर दी हैं। श्री वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर अर्धकुंवारी स्थित इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास भूस्खलन हुआ है, जिसमें छह लोगों की मौत हो गई है। डोडा में बादल फटा है, जिसमें 10 से ज्यादा घर तबाह हो गए हैं और तीन लोगों की मौत हो गई।

सीएम ने केंद्रीय गृह मंत्री को दी जानकारी

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अपना बयान जारी करते हुए कहा है कि अभी-अभी केंद्रीय गृह मंत्री से फोन पर बात करके उन्हें जम्मू-कश्मीर, खासकर जम्मू प्रांत के हालात की जानकारी दी। जहां लगातार और भारी बारिश से काफी नुकसान हुआ है और जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। फोनध्डेटा कनेक्टिविटी जल्द से जल्द बहाल करने के प्रयास किए जा रहे हैं। जम्मू हवाई अड्डा बंद होने के कारण मैं और मेरे साथी आज शाम जम्मू नहीं पहुंच पाए। कल पहली उड़ान से वहां पहुंचने की कोशिश करूंगा। स्थिति पर बारीकी से नजर रखी जा रही है।

सांसद शांभवी चैधरी को मिली वाई कैटेगरी की सुरक्षा, लिस्ट में 2 और नेता भी शामिल

एजेंसी। पटना

बिहार में इस साल (2025) विधानसभा का चुनाव होना है। चुनाव से पहले कई नेताओं की सुरक्षा इन दिनों बढ़ाई जा रही है। अब गृह विभाग की ओर से तीन और नेताओं की सुरक्षा बढ़ाई गई है। तीन नेताओं में दरभंगा से बीजेपी के सांसद गोपालजी ठाकुर, समस्तीपुर से लोजपा (रामविलास) की सांसद शांभवी और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष सह कुटुंबा से विधायक राजेश कुमार शामिल हैं। इन्हें वाई श्रेणी की सुरक्षा दी जाएगी। बताया जाता है कि पिछले दिनों राज्य के विशिष्ट व्यक्तियों के सुरक्षा वर्गीकरण को लेकर हुई राज्य सुरक्षा समिति की बैठक में इसका निर्णय लिया गया था। इसके बाद गृह विभाग ने डीजीपी और विशेष शाखा को पत्र लिखकर संबंधित सांसदों और विधायक को वाई श्रेणी की सुरक्षा सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। बता दें कि वाई श्रेणी में आठ लोग सुरक्षा में तैनात किए जाते हैं। एक-दो कमांडो और बाकी पुलिस के जवान होते हैं। गौरतलब हो कि अभी इसी महीने छह और नेताओं की सुरक्षा भी बढ़ाई गई थी। इनमें उपमुख्यमंत्री सम्राट चैधरी को एएसएल के साथ जेड प्लस श्रेणी, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को जेड श्रेणी, पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव, अररिया के सांसद प्रदीप कुमार सिंह और बाढ़ के विधायक ज्ञानेंद्र सिंह ज्ञानू को वाई प्लस श्रेणी की सुरक्षा दी गई थी। वहीं जेडीयू के विधान पार्षद नीरज कुमार को वाई श्रेणी की सुरक्षा दी गई थी। इन छह नेताओं में से सांसद पप्पू यादव काफी पहले से सुरक्षा बढ़ाने की मांग कर रहे थे। बता दें कि दरभंगा के

शाह ने 40-50 साल तक भाजपा सरकार की बात वोट चोरी के कारण की थी : राहुल

एजेंसी। मधुबनी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को दावा किया कि गृह मंत्री अमित शाह ने देश में 40-50 साल तक भाजपा की सरकार बने रहने संबंधी बयान इसलिए दिया था क्योंकि ये लोग वोट चोरी करते हैं। उन्होंने वोटर अधिकार यात्रा के दौरान मधुबनी में एक सभा को संबोधित करते हुए यह दावा भी किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी निर्वाचन आयुक्तों का चयन करते हैं और चुनावों की तारीखें, निर्वाचन आयोग नहीं, बल्कि भाजपा तय करती है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि कुछ साल पहले अमित शाह ने कई बार यह बयान दिया कि भाजपा की सरकार 40-50 साल तक रहेगी। पहले ये बयान अजीब लगा। अमित शाह को कैसे पता कि 40-50 साल तक सरकार चलेगी। अब सच्चाई सामने आ गई है। उन्होंने दावा किया कि अमित शाह ऐसा इसलिए कह पा रहे थे, क्योंकि ये लोग वोट चोरी करते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि वोट की चोरी पहले गुजरात में शुरू हुई और फिर 2014 में देश में दूसरे हिस्सों में शुरू हो गईं। ये लोग चुन-चुनकर राज्य जितवाते और हरवाते हैं।श्श उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी तय करते हैं कि निर्वाचन आयुक्त कौन बनेगा और इसमें विपक्ष के नेता की एक नहीं सुनी जाती। राहुल गांधी का कहना था कि 2023 में भाजपा ने नया कानून बनाया कि निर्वाचन आयुक्त पर कोई मामला दर्ज नहीं किया जा सकता।

समाजवादी विचारधारा का समर्थन करने वाले बुद्धिजीवियों ने रेड्डी का किया समर्थन

उपराष्ट्रपति चुनाव

एजेंसी। नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए सत्तारूढ़ एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन और इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी के बीच 9 सितंबर को सीधा मुकाबला होगा। भारत के उपराष्ट्रपति पद के लिए दौड़ में इस बार दोनों उम्मीदवार दक्षिण भारत से हैं। भारत के उपराष्ट्रपति पद के लिए अगले महीने 9 सितंबर 2025 को चुनाव होने वाले हैं। इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार के तौर पर सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश बी. सुदर्शन रेड्डी मैदान में है। अपने नामांकन के बाद से ही विपक्षी इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी सभी राजनीतिक पार्टियों से अपने लिए समर्थन जुटाने में लगे हुए हैं। इस बीच देश के कई राज्यों से आने वाले समाजवादी विचारक, पूर्व सांसद, पूर्व विधायकों समेत कई संगठन और बुद्धिजीवियों ने लोकसभा और राज्यसभा के सांसदों से बी. सुदर्शन रेड्डी के पक्ष में मतदान करने की अपील की है। समाजवादी विचारकों की तरफ से जारी की गई अपील में कहा गया है, इस समय हमारा लोकतंत्र बहुत ही कठिन दौर से गुजर रहा हैं। सत्ता की चाह में राजनीतिक नेतृत्व का एक वर्ग सांप्रदायिक घृणा और जातीय हिंसा को बढ़ावा दे रहा है। यह राष्ट्र के स्वप्न के विरुद्ध है जिसने लोगों को भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान देने के लिए प्रेरित किया था। यदि आज हमने हमारे संविधान के मूल मूल्यों जैसे स्वतंत्रता, न्याय, धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद को नए सिरे मजबूत नहीं किया तो देश की एकता और सद्भाव खतरे में पड़ जाएंगी। आज हमें राष्ट्र का नेतृत्व करने के लिए सक्षम लोगों की जरूरत है।

सांसदों से बी. सुदर्शन रेड्डी को समर्थन देने की गुजारिश

सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति साम्राज्यवाद, औपनिवेशिक दमन और जनता के शोषण के विरुद्ध भारत के स्वतंत्रता संग्राम की सर्वोत्तम परंपराओं का प्रतीक हैं। बी. सुदर्शन रेड्डी न केवल पूर्णतः न्यायपूर्ण, निष्पक्ष, धर्मनिरपेक्ष, संवेदनशील रूप से मानवीय और लोकतांत्रिक स्वभाव के हैं। बल्कि वे सभी के अधिकारों के प्रति गहरा सम्मान भी रखते हैं। रेड्डी समाजवादी विचारधारा में विश्वास रखते हैं। उन्होंने जीवन भर समाजवाद, समानता और न्याय के लिए काम किया। उनका यह योगदान वकीलों, कार्यकताओं, शोधकताओं और आम नागरिकों की युवा पीढ़ी को प्रेरित करता है।

01 से 03 सितंबर तक सभी थानों में होगा भौतिक सत्यापन, इस बार सत्यापन नहीं कराने पर होगी कार्रवाई

विधानसभा चुनाव को लेकर शस्त्र सत्यापन का अंतिम मौका

केटी न्यूज/बक्सर

आगामी बिहार विधान सभा आम निर्वाचन 2025 को शांतिपूर्ण, भयमुक्त और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने की तैयारी तेज कर दी गई है। इसी क्रम में जिला प्रशासन ने बक्सर जिले के सभी शस्त्र अनुज्ञप्तिधारियों के शस्त्रों एवं कारतूसों का भौतिक सत्यापन अनिवार्य कर दिया है। प्रशासन ने साफ कर दिया है कि यह अंतिम मौका है, इसके बाद भी अनुपस्थित रहने वालों के विरुद्ध आयुध अधिनियम, 1959 के तहत अनुज्ञप्ति निलंबन अथवा रद्द करने की कार्रवाई की जाएगी।बता दें कि शस्त्र नियमावली 2016 के नियम 30 एवं 112 के अंतर्गत जिला प्रशासन द्वारा इससे पूर्व भी जून और जुलाई माह में दो बार सत्यापन का आयोजन किया गया था। बावजूद इसके, बड़ी संख्या में अनुज्ञप्तिधारी अपने शस्त्र एवं कारतूसों का सत्यापन कराने नहीं पहुंचे। प्रशासन के अनुसार, अब 01 सितंबर से 03 सितंबर तक जिलेभर के सभी थानों पर सुबह 11 बजे से अपराह्न 4 बजे तक भौतिक सत्यापन किया जाएगा।

निर्धारित अधिकारी करेंगे सत्यापन

जिला प्रशासन ने इस कार्य के लिए दंडाधिकारी और पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की है। विभिन्न थानों में अंचलाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी तथा कार्यपालक दंडाधिकारी सत्यापन करेंगे। सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारी एवं थानाध्यक्ष संयुक्त हस्ताक्षर कर अनुज्ञप्ति पुस्तिका में प्रविष्टि दर्ज करेंगे और यह भी अंकित करेंगे कि अनुज्ञप्तिधारी ने पिछले एक वर्ष में कितने कारतूस खरीदे हैं।

70 वर्ष से अधिक उम्र वालों की होगी फिटनेस जांच

सत्यापन के दौरान यदि कोई अनुज्ञप्तिधारी 70 वर्ष से अधिक आयु का है तो उसकी शारीरिक स्थिति का अवलोकन कर यह दर्ज करना भी अनिवार्य होगा कि वह शस्त्र संचालन के योग्य है या नहीं। इसके अलावा अनुज्ञप्ति पर चस्पाए गए फोटो से पहचान की पुष्टि भी की जाएगी।

स्वयं उपस्थित होना अनिवार्य

आयुध नियमावली, 2016 के प्रावधानों के अनुसार अब किसी भी अनुज्ञप्तिधारी को प्रतिधारक (त्मजंपदमत) रखने की अनुमति नहीं है। इस कारण सत्यापन के लिए अनुज्ञप्तिधारी का स्वयं उपस्थित होना अनिवार्य है। यदि कोई अन्य व्यक्ति शस्त्र लेकर आता है तो उसका शस्त्र एवं कारतूस जब्त कर लिया जाएगा।

लंबित नवीकरण वालों को भी मिलेगी छूट

जिन अनुज्ञप्तिधारियों ने अपने शस्त्र अनुज्ञप्ति का नवीकरण कराने हेतु आवेदन जमा किया है या चालान के माध्यम से शुल्क भुगतान कर चुके हैं, वे भी निर्धारित तिथि पर शस्त्र और कारतूस लेकर सत्यापन करा सकेंगे।

मृत अनुज्ञप्तिधारियों की सूची भी तैयार होगी

इस प्रक्रिया के दौरान नेशनल डाटाबेस ऑफ आर्म्स लाइसेंस में दर्ज प्रविष्टियों से मिलान किया जाएगा। यदि कोई अनुज्ञप्तिधारी सूची में दर्ज नहीं है या उसका निधन हो चुका है तो उसकी जानकारी भी सत्यापन रिपोर्ट में दर्ज की जाएगी।

एक नजर

दुष्कर्मी ट्यूशन टीचर को कोर्ट ने माना दोषी, फैसला सुरक्षित

बक्सर। एक कलियुगी ट्यूशन टीचर को अपनी 14 वर्षीय छात्रा से दुष्कर्म का आरोपी मानते हुए पॉक्सो अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। पॉक्सो अदालत के विशेष न्यायाधीश अमित कुमार शर्मा ने पुलिस की गवाही तथा साक्ष्यों के आधार पर उसे दोषी मानते हुए फैसला सुरक्षित रखा है, जिसे बाद में सुनाया जाएगा। विशेष लोक अभियोजक सुरेश कुमार सिंह ने इस संबंध में बताया कि राजपुर थाना क्षेत्र के कोचाढ़ी गांव निवासी शशिकांत राजभर का पुत्र सतीश राजभर ट्यूशन पढ़ाता था। वह इसी के आड़ में अपनी 14 वर्षीय छात्रा से कई बार दुष्कर्म किया था तथा मुंह बंद रखने की धमकी दी थी। बाद में जब किशोरी के परिजनों को इसकी जानकारी मिली तो मामला राजपुर थाने तक पहुंचा। पॉक्सो ऐक्ट में एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस ने 13 जुलाई 2023 को ही उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। अभियुक्त पहले से शादी-शुदा है। कोर्ट ने उसे भारतीय दंड विधान की धारा 376 एवं पोक्सो की धारा 4 तथा 6 के तहत दोषी करार दिया है।

ठोरी पांडेयपुर में टेंट हाउस से 2.5 लाख रूपए मूल्य के साउंड सिस्टम की चोरी

चौगाई। मुरार थाना क्षेत्र के ठोरी पांडेयपुर गांव के समीप मुख्य पथ के किनारे से एक टेंट तथा लाइट एंड साउंड की दुकान से चोरों ने करीब 2.5 लाख रूपए मूल्य के साउंड सिस्टम की चोरी कर ली है। इसकी जानकारी मिलते ही पुलिस एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच में जुट गई है। मिली जानकारी के अनुसार मुकेश कुमार पिता नत्थू लाल ठोरी पांडेयपुर गांव के बाहर मुख्य पथ के किनारे एक मकान में टेंट तथा लाइट एंड साउंड की दुकान चलाता है। अज्ञात चोरों ने ताला तोड़ उसमें रखे एम्प्लीफायर, मिक्चर मशीन समेत करीब 2.5 लाख रूपए मूल्य के साउंड सिस्टम चुरा लिया। सुबह में इसकी जानकारी मिलते ही दुकानदार ने इसकी सूचना मुरार पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मुरार पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। वहीं, इस घटना को ले ग्रामीण क्षेत्रों में भय व्याप्त है। बता दें कि इसके पूर्व भी चोरों ने कई मंदिरों से साउंड सिस्टम के अलावे घरों से आभूषण तक की चोरी की है। लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में चोर उचक्कों का भय बना हुआ है।

तीन मामलों में जब्त 591 लीटर शराब किया गया विनष्ट

नावानगर। स्थानीय थाना परिसर में मंगलवार को तीन मामलों में जब्त किए गए कुल 591 लीटर अंग्रेजी एवं देशी शराब को विधिवत तरीके से नष्ट किया गया। इसमें 15 लीटर देशी तथा 576 लीटर अंग्रेजी शराब शामिल थी। शराब विनष्टि की प्रक्रिया मजिस्ट्रेट सह अंचल अधिकारी रानी कुमारी की देखरेख में संपन्न हुई। इस दौरान पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराई गई ताकि पारदर्शिता बनी रहे। थानाध्यक्ष नीतीश कुमार ने बताया कि यह शराब विभिन्न छापेमारी और विशेष अभियान के दौरान जब्त की गई थी। उन्होंने कहा कि शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करने के लिए पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। मौके पर थाना पुलिस बल के साथ अन्य पदाधिकारी भी मौजूद थे।

पर्वों को लेकर प्रशासन चौकस, जिले में तैनात हुई चाक-चौबंद व्यवस्था

पर्वों के दौरान शांति-व्यवस्था और सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा : जिला प्रशासन

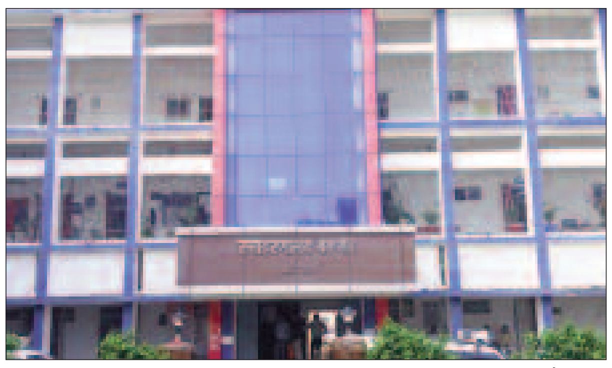

केटी न्यूज/बक्सर

गणेश चतुर्थी, मिलाद-उन-नबी और अनंत चतुर्दशी जैसे प्रमुख पर्वों पर शांति व सौहार्दपूर्ण माहौल कायम रखने के लिए जिला प्रशासन ने सुरक्षा व व्यवस्था की कड़ी तैयारियां शुरू कर दी हैं। जिला गोपनीय शाखा से प्राप्त निर्देशों के आलोक में जिला प्रशासन ने साफ-सफाई से लेकर सुरक्षा इंतजाम, विद्युत आपूर्ति से लेकर स्वास्थ्य सुविधाओं तक, हर स्तर पर पुख्ता कदम उठाए हैं।

पर्वों के दौरान नगर क्षेत्र में गंदगी या अव्यवस्था न फैले, इसके लिए जिले के सभी नगर परिषद और नगर पंचायतों के कार्यपालक पदाधिकारियों को विशेष साफ-सफाई अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है। जिलाधिकारी ने उन्हें निर्देश दिया है कि वे खुद भ्रमणशील रहकर व्यवस्था का जायजा लेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि घाटों और सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता बनी रहे।

मूर्ति विसर्जन हेतु घाटों पर गोताखोर व बचाव दल

गणेश प्रतिमाओं और अनंत चतुर्दशी के अवसर पर होने वाले मूर्ति विसर्जन कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए सभी अंचल अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे चिन्हित घाटों और तालाबों पर गोताखोर व बचाव दल की तैनाती सुनिश्चित करें। अनुमंडल पदाधिकारी बक्सर और डुमरांव स्वयं इन व्यवस्थाओं की निगरानी करेंगे।

विद्युत विभाग को मिले सख्त निर्देश

भीड़-भाड़ वाले इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित न हो और लटके तारों से दुर्घटना न घटे, इसके लिए कार्यपालक अभियंता विद्युत आपूर्ति प्रमंडल को सभी तारों की जांच कर आवश्यक मरम्मत कार्य करने का आदेश मिला है।

24 घंटे सक्रिय रहेगा वायरलेस नेटवर्क

वितंतु पर्यवेक्षक व क्षेत्रीय निरीक्षक, बिहार पुलिस रेडियो को निर्देश दिया गया है कि पर्वों की अवधि में वायरलेस सेट लगातार सक्रिय रहें। 26 और 27 अगस्त, 4 और 5 सितंबर तथा 6 सितंबर को चौबीसों घंटे यह व्यवस्था बनी रहेगी ताकि किसी भी स्थिति में त्वरित सूचना का आदान-प्रदान किया जा सके।

दंगा पार्टी और वज्र वाहन की तैनाती

संभावित अप्रिय घटनाओं से निपटने के लिए पुलिस उपाधीक्षक (रक्षित) को वज्र वाहन और आधी-आधी दंगा पार्टी बक्सर नगर व डुमरांव थाना क्षेत्रों में तैनात करने का निर्देश दिया गया है। ये दल अनुमंडल अधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों के अधीन रहेंगे और स्थिति के अनुसार तुरंत कार्रवाई करेंगे।

संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त सुरक्षा

जिले के सभी थानाध्यक्षों को आदेश दिया गया है कि वे अपने-अपने थाना क्षेत्रों के संवेदनशील स्थलों पर चौकीदारों, पुलिस पदाधिकारियों और पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति करें। गश्ती वाहन भी इन इलाकों में लगातार निगरानी रखेंगे।

दमकल व स्वास्थ्य सेवाएं रहेंगी अलर्ट

अग्निशमन विभाग को भी अलर्ट किया गया है। बक्सर और डुमरांव शहर में सभी अग्निशमन वाहनों को तैयार हालत में रखने का निर्देश दिया गया है। वहीं, एक-एक वाहन मॉडल थाना बक्सर और डुमरांव में भी तैनात रहेगा। मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी को जिला अस्पताल, अनुमंडलीय अस्पताल और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सकों व दवाइयों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। एंबुलेंस भी तैयार स्थिति में रहेंगे।

वीडियोग्राफी से होगी हर गतिविधि की निगरानी

अनुमंडल पदाधिकारी बक्सर और डुमरांव को संवेदनशील स्थलों पर वीडियोग्राफर तैनात करने का निर्देश मिला है। किसी भी घटना की वीडियो रिकॉर्डिंग कर साक्ष्य सुरक्षित रखा जाएगा ताकि आवश्यकता पड़ने पर विधि-सम्मत कार्रवाई की जा सके।

सोशल मीडिया पर भी पैनी नजर

साइबर थाना और सभी अनुमंडलीय पुलिस पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी रखें। साइबर सेनानी व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से अफवाहों या भड़काऊ संदेशों की पहचान कर तुरंत कार्रवाई की जाएगी और वरिष्ठ अधिकारियों को इसकी जानकारी दी जाएगी।

वरीय अधिकारियों पर रहेगा संपूर्ण प्रभार

पर्वों की अवधि में बक्सर अनुमंडल क्षेत्र की जिम्मेदारी अनुमंडल पदाधिकारी और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बक्सर के पास होगी, जबकि डुमरांव क्षेत्र में अनुमंडल पदाधिकारी और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी डुमरांव तैनात रहेंगे। इन पर निगरानी रखने के लिए अपर समाहर्ता बक्सर और पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) वरीय प्रभारी होंगे।

26 अगस्त से 6 सितंबर तक रहेगी तैनाती

सुरक्षा बलों और दंडाधिकारियों की तैनाती 26-27 अगस्त, 4-5 सितंबर और 6 सितंबर की सुबह से पर्व समाप्ति या स्थिति सामान्य होने तक लागू रहेगी। इस अवधि में सभी अधिकारी भ्रमणशील रहकर विधि-व्यवस्था बनाए रखने का काम करेंगे। जिला प्रशासन ने यह स्पष्ट कर दिया है कि पर्वों के दौरान शांति-व्यवस्था और सौहार्द बिगाड़ने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। साफ-सफाई से लेकर बिजली, दमकल, अस्पताल, वीडियोग्राफी और सोशल मीडिया तक हर स्तर पर जिले की निगरानी रहेगी, ताकि लोग पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ पर्व मना सकें।

सोनवर्षा में शनिचरा पूजा पर भव्य दूगोला गायन कार्यक्रम आयोजित

नावानगर । धार्मिक आस्था और लोकसंस्कृति का संगम सोमवार की रात सोनवर्षा में देखने को मिला, जब शनिचरा पूजा के उपलक्ष्य में पूजा समिति द्वारा भव्य दूगोला गायन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं और ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ी, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।कार्यक्रम में प्रसिद्ध गायक ब्यास बुलेट तिवारी, मनीषा राज एवं ददन सिंह ने अपनी सुमधुर आवाज से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके एक से बढ़कर एक भक्ति एवं लोकगीतों पर श्रोता देर रात तक तालियां बजाते और झूमते रहे। वहीं मंच पर नृत्यांगना की प्रस्तुतियों ने ऐसा समां बांधा कि उपस्थित लोग खुद को झूमने से नहीं रोक पाए। इस धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजन का उद्घाटन डुमरांव विधायक अजीत कुमार, पूर्व प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि दिलीप यादव एवं द एमिटी स्कूल के डायरेक्टर अमरेन्द्र राजेश ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष अनील कुमार तुरहा ने की, जबकि संचालन शिक्षक सुनील कुमार सिंह ने किया। मौके पर मंटू पटेल, अजमेर खां, मनीष कुमार, बीडीसी अजय गुप्ता, देवमुनी तुरहा, संजय तुरहा समेत समिति के सभी सदस्य मौजूद थे। सैकड़ों की संख्या में जुटे श्रद्धालु-श्रोता रातभर इस आयोजन का आनंद उठाते रहे। शनिचरा पूजा पर आयोजित यह दूगोला गायन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक रहा, बल्कि इसने लोक संस्कृति को भी नई ऊर्जा प्रदान की। लोगों ने इसे यादगार सांस्कृतिक महोत्सव बताया।

बक्सर विधानसभा सीट से भारतीय सार्थक पार्टी ने घोषित किया उम्मीदवार, विनोद कुशवाहा बने प्रत्याशी

केटी न्यूज/बक्सर

आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय सार्थक पार्टी ने अपने उम्मीदवार का नाम घोषित कर दिया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामेश्वर कुमार महतो उर्फ. पप्पू चौहान ने मंगलवार को बक्सर विधानसभा सीट से विनोद कुशवाहा को प्रत्याशी घोषित किया। यह घोषणा बक्सर के ऐतिहासिक किला मैदान में आयोजित भव्य कार्यकर्ता सम्मेलन सह मिलन समारोह में हजारों समर्थकों की मौजूदगी में की गई। इससे पहले जिलेभर में निकाले गए रोड शो के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत जेसीबी से फूल बरसाकर किया गया। मीडिया से बातचीत में महतो ने कहा कि पार्टी इस बार बिहार की सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने पार्टी का नारा दोहरायाकृ अति पिछड़ों को जगाना है, नया बिहार बनाना है।ह्व महतो ने कहा कि अब समय आ गया है कि अति पिछड़े वर्ग के अधिकारों की रक्षा हो। साथ ही उन्होंने राज्य सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि एनडीए सरकार अपराध नियंत्रण और विकास कार्यों में पूरी तरह विफल रही है। प्रत्याशी घोषित होने के बाद विनोद कुशवाहा ने पार्टी नेतृत्व और कार्यकताओं का आभार जताते हुए कहा कि वे बक्सर की जनता के सम्मान और विकास के लिए पूरी ताकत से काम करेंगे।

प्रखंड कार्यालय के बाहर जलजमाव से आवागमन बाधित, लोगों को हो रही भारी परेशानी

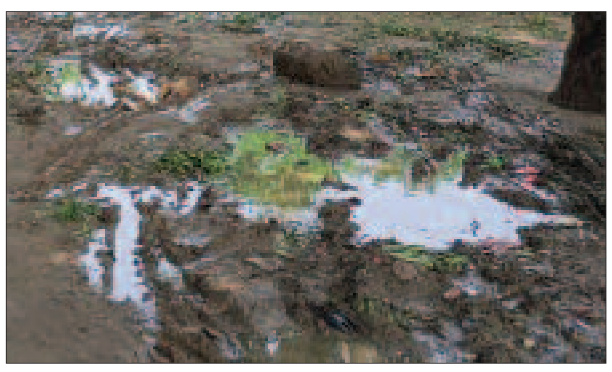

केटी न्यूज/केसठ

स्थानीय प्रखंड कार्यालय एवं अंचल कार्यालय, पीएचसी केसठ के मुख्य द्वार पर हल्की बारिश के बाद भी पानी जमाव हो जा रहा है, जिससे आने-जाने में लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। यह समस्या खासकर उन ग्रामीणों व जनप्रतिनिधियों को ज्यादा झेलनी पड़ रही है, जो दूर-दराज के गांवों से किसी कार्यवश प्रखंड या अंचल कार्यालय पहुंचते हैं।

बारिश के कारण कार्यालय के सामने की सड़क तालाब जैसी स्थिति में तब्दील हो जाती है, जिससे लोगों को पानी में घुसकर कार्यालय तक जाना पड़ता है। यही नहीं, कार्यालय में कार्यरत कर्मियों को भी इसी रास्ते से आना-जाना होता है, जिससे वे भी मजबूरी में गंदे पानी से होकर कार्यालय पहुंचते हैं।स्थानीय लोगों ने बताया कि कार्यालय के बाहर पीसीसी सड़क तो बनी है, लेकिन समुचित जल निकासी की व्यवस्था नहीं होने के कारण जलजमाव होता है। बरसात के दिनों में यह समस्या और अधिक गंभीर होती जा रही है। कुछ लोगों का कहना है कि वर्षों से यह स्थिति बनी हुई है लेकिन अब तक किसी तरह का स्थायी समाधान नहीं किया गया है।ग्रामीणों ने प्रशासन से इस जलजमाव की समस्या का शीघ्र समाधान करने की मांग की है ताकि आने वाले दिनों में लोगों को राहत मिल सके।

छह महीने पहले बने प्लेटफॉर्म पर दरारें, जलजमाव और गंदगी ने बढ़ाई दुर्घटना की आशंका

रघुनाथपुर स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा खतरे में, बेफिक्र बना है रेल प्रशासन

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

रेल मंत्रालय की महत्वाकांक्षी अमृत भारत परियोजना के तहत रघुनाथपुर स्टेशन का कायाकल्प करने का दावा किया गया था। करोड़ों रुपये की लागत से बने प्लेटफॉर्म और यात्री सुविधाओं को लेकर स्थानीय लोगों में उम्मीदें बंधी थीं, लेकिन छह महीने भी नहीं गुजरे कि निर्माण की पोल खुलने लगी। हल्की बारिश में ही प्लेटफॉर्म पर जलजमाव और दरारें सामने आ गई हैं, जिससे यात्रियों की सुरक्षा खतरे में है। वहीं, इस मामले में रेल प्रशासन बेफिक्र बना है, जिससे किसी दिन बड़ी दुर्घटना से इंकार नहीं किया जा सकता है।

दरारों में उग आए दो फीट लंबे घास

प्लेटफॉर्म नंबर दो और तीन की ढलाई हाल ही में पूरी हुई थी। लेकिन थोड़े समय बाद ही जगह-जगह दरारें पड़ गईं। इन दरारों में अब दो-दो फीट लंबे घास-फूस उग आए हैं। यात्रियों का कहना है कि यह साफ संकेत है कि निर्माण कार्य में घटिया सामग्री का इस्तेमाल हुआ है। यही नहीं, प्लेटफॉर्म पर बने शौचालय की दीवारें भी झरने लगी हैं और अंदर गंदगी का अंबार है। यात्रियों के मुताबिक, वहां जाना मुश्किल है और यह स्वास्थ्य के लिए भी खतरा बन चुका है।

महिला यात्री फिसलकर गिरी, टला हादसा

स्थानीय समाजसेवी एवं रेल यात्री कल्याण समिति से जुड़े शैलेश कुमार ओझा ने बताया कि मंगलवार की सुबह प्लेटफॉर्म नंबर दो पर जलजमाव के कारण एक महिला यात्री फिसल कर गिर गई। सौभाग्य से उस समय कोई ट्रेन प्लेटफॉर्म पर नहीं थी, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। उन्होंने तुरंत दानापुर डिवीजन के वरिष्ठ अधिकारियों को फोन कर स्थिति से अवगत कराया।

स्टेशन प्रबंधक बोले, मेरी जिम्मेदारी नहीं

जब यात्रियों ने स्टेशन प्रबंधन से शिकायत की तो वहां तैनात अधिकारी डीके सिंह ने साफ कहा कि साफ-सफाई और जलजमाव उनकी जिम्मेदारी नहीं है। उन्होंने यात्रियों को दानापुर कार्यालय से संपर्क करने की सलाह दे दी। इस रवैये से यात्रियों का गुस्सा और बढ़ गया। स्टेशन पर फिलहाल सिर्फ दो सफाईकर्मी तैनात हैं, जो इतने बड़े स्टेशन पर साफ-सफाई और रखरखाव के लिए नाकाफी हैं।

20.5 करोड़ की योजना पर उठ रहे सवाल

अमृत भारत परियोजना के अंतर्गत रघुनाथपुर स्टेशन के विकास पर 20.5 करोड़ रुपये खर्च किए जाने हैं। कुछ काम शुरू भी हो चुके हैं, लेकिन घटिया निर्माण सामग्री के इस्तेमाल की शिकायत के बाद फिलहाल कार्य रोक दिया गया है। स्थानीय संगठनों और सामाजिक कार्यकताओं का कहना है कि जब शुरूआत ही ऐसे काम से हो रही है तो परियोजना का भविष्य कैसा होगा, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है।

जन आंदोलन की चेतावनी

सामाजिक और राजनीतिक संगठनों से जुड़े शैलेश ओझा, शंभू चंद्रवंशी, अजय उपाध्याय, विशाल सिंह, आनंद शर्मा, मनोज चौधरी, उमेश कुमार, मु. जावेद, मंटू सहित अन्य लोगों ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोपरि है। अगर जल्द ही रेल प्रशासन ने ठोस कदम नहीं उठाए तो इसके खिलाफ बड़ा जन आंदोलन किया जाएगा।

दांव पर लगती है यात्रियों की जान

रघुनाथपुर स्टेशन पर प्लेटफॉर्म की दरारें, जलजमाव और गंदगी यात्री सुरक्षा को गंभीर खतरा पहुंचा रही हैं। करोड़ों की योजनाओं के बावजूद यदि यात्रियों की मूलभूत सुविधाएं और सुरक्षा सुनिश्चित नहीं हो पा रही, तो यह न केवल रेलवे प्रशासन की जवाबदेही पर सवाल उठाता है, बल्कि यात्रियों की जान को भी दांव पर लगाता है।

फर्स्ट आइडिया द्वारा सहयोगी अरविंद समेत चार के खातों में किया गया है ट्रांजेक्शन, फिर भी सांसद मौन

शिक्षा विभाग में चल रहे मॉफियाओं के वर्चस्व व हाउस कीपिंग एजेंसी भुगतान पर बोले विधायक

- आज होने वाली दिशा की बैठक में गूंजेगा जांच के दौरान फर्स्ट आइडिया को भुगतान का मामला
- तीन प्रखंड में पूर्व की हाउस कीपिंग एजेंसी को हटाने के पूर्व ही विभाग ने ले लिया था फर्स्ट आइडिया से सहमति, शो-कॉज का जबाव मिले बिना किया गया था चयन रद्द

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर के शिक्षा विभाग में चल रहे तथाकथित मॉफियाओं के खेल, हाउस कीपिंग एजेंसियों के चयन, अवैध भुगतान, शिक्षा विभाग के अधिकारियों से मारपीट, ब्लैक मेलिंग आदि मामलों पर केशव टाइम्स द्वारा लगातार प्रमुखता से खबर प्रकाशित किए जाने के बाद अब जिले के सभी चार विधान सभा क्षेत्र के विधायकों ने अपनी प्रतिक्रियाएं दी है।

विधायकों ने न सिर्फ अपनी प्रतिक्रियाएं दी है बल्कि यह भी कहा है कि जांच अवधि में हाउस कीपिंग एजेंसी का भुगतान कैसे किया गया, इस मुद्दे को बुधवार को होने वाली जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में उठाया जाएगा। विधायकों ने कहा कि शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार तथा मॉफियागिरी को बढ़ावा नहीं दिया जाएगा तथा हाउस कीपिंग एजेंसियों को के चयन व भुगतान में नियमों को ताक पर रखने वाले दोषी अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की जाएगी।

जांच अवधि में कैसे किया गया फर्स्ट आइडिया को भुगतान : डुमरांव विधायक

डुमरांव विधायक डॉ. अजित कुमार सिंह ने केशव टाइम्स द्वारा शिक्षा विभाग में तथाकथित मॉफियागिरी तथा अवैध लेन देन आदि की खबर प्रमुखता से प्रकाशित किए जाने पर अपने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हाउस कीपिंग एजेंसियों के चयन तथा कार्यशैली पर मेरे द्वारा दिशा की पिछली बैठक में सवाल उठाया गया था। मेरे सवाल के बाद ही हाउस कीपिंग एजेंसियों के कार्यशैली तथा चयन की जांच शुरू हुई। बावजूद शिक्षा विभाग द्वारा जांच पूरा होने से पहले ही फर्स्ट आइडिया को लाखों रूपए का भुगतान कर दिया गया। इतना ही नहीं फर्स्ट आइडिया द्वारा अरविंद सिंह, उसकी पत्नी समेत चार खातों में लाखों रूपए का ट्रांजेक्शन क्यों किया गया है, यह गंभीर मामला है। बुधवार को होने वाली दिशा की बैठक में इन सब बातों को मैं प्रमुखता से रखूंगा तथा शिक्षा विभाग के दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग करूंगा।

शिक्षा विभाग में माफिया व भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं होगा : मुन्ना तिवारी

बक्सर सदर विधायक सह दिशा के सदस्य संजय कुमार उर्फ मुन्ना तिवारी ने कहा कि चाहे कोई भी किसी भी विभाग में मफियाराज व भ्रष्टाचार करें उसे बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। विधायक ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में शिक्षा विभाग में कई मामले सामने आये है। कई मामलों की जांच चल रही है। दिशा की पिछली बैठक में फर्स्ट आइडिया के द्वारा कार्य में लापरवाही व भ्रष्टाचार का मुद्दा उठा था। परन्तु जांच के दौरान ही विभाग के द्वारा ऐजेंसी को पेमेंट किया गया है। पुन: जांच के लिए सांसद सुधाकर सिंह के द्वारा डीएम को पत्र को लिखा गया था। इस बीच अगर भुगतान हुआ है तो मामले की जांच होनी चाहिए किसके दबाव व मिली भगत से हुआ है। कार्रवाई होनी चाहिए। इसको लेकर आज होने वाले दिशा की बैठक में मुद्दा उठाया जायेगा।

दोषी के अधिकारी के खिलाफ हो कार्रवाई : शंभूनाथ सिंह

ब्रह्मपुर विधायक सह दिशा के सदस्य शम्भु नाथ सिंह यादव ने कहा कि अगर जांच प्रकिया के दौरान भुगतान हुआ है तो इस मामले की उच्च स्तरीय जांच कार्रवाई जानी चाहिए। सासंद महोदय के द्वारा डीएम को एजेंसी के खिलाफ पारदर्शी तरीके से जांच के लिए पत्र लिखा गया था। जिसकी जांच अधिकारी कर रहे है। अगर उसके बाद भी भुगतान हुआ है तो इस मामले की गहराई से जांच कर दोषी पदाधिकारी के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। यह मुद्दा आज दिशा की बैठक में उठाया जायेगा। उन्होंने कहा कि हाउस कीपिंग एजेंसियों का चयन भी पारदर्शी तरीके से नहीं होने की शिकायत मिली है। दिशा की बैठक में सभी विषयों को मजबूती से उठाया जाएगा।

कैसे हुआ भुगतान जांच कर हो कार्रवाई : विश्वनाथ राम

राजपुर विधायक सह दिशा के सदस्य विश्वनाथ राम ने कहा कि दिशा की बैठक में हाउस कीपिंग एजेंसी फर्स्ट आइडिया व शिक्षा विभाग में धांधली को लेकर बैठक में मुद्दा उठाया गया था। जिसमें जांच कराने की बात कही गई थी। उसमें जांच रिर्पोट भी सौंपी गई थी। उसके बाद सांसद महोदय के द्वारा पुन: जांच के लिए डीएम को पत्र लिखा गया था। उस जांच प्रकिया के दौरान अगर भुगतान हुआ है तो सांसद से जांच कर भुगतान ममाले में विभागीय अधिकारियों पर कार्रवाई की जायेगी। यह मुद्दा आज होने वाली दिशा की बैठक में भुगतान के मुद्दा को उठाया जायेगा। राजपुर विधायक ने कहा कि शिक्षा विभाग के अधिकारी यदि अवैध भुगतान के दोषी पाए जाते है तो उनपर भी सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

भालचंद्र से शुरू हुई थी अजय व अरविन्द सिंह की शिक्षा विभाग में माफियाराज

बक्सर के शिक्षा विभाग में तथाकथित मॉफियाराज चलाने वाले अजय व अरविंद की पारी की शुरूआत भालचंद्र शर्मा के समय से हुई थी। सूत्रों का कहना है कि भालचंद्र शर्मा डीईओ कार्यालय में लिपिक के पद पर कार्यरत थे। वे ही पहली बार शिक्षा विभाग के नियम कानून तथा कार्यशैली की जानकारी इनलोगों को देने लगे। इसी बीच उनका तबादला रोहतास जिला में हो गया। तभी ओंकारनाथ सिंह जिला शिक्षा पदाधिकारी के रूप में आए। सूत्रों का कहना है कि ओंकारनाथ सिंह के डीईओ बनकर आने के बाद से ही दोनों का बोलबाला विभाग में होने लगा था। अब कार्यालय से निकलकर जिला स्तर पर शिक्षा विभाग के माफिया के रूप में पहचान बनाने लगे थे। तत्कालीन डीईओ ओंकारनाथ के समय शिक्षा विभाग के जिला स्तर के अधिकारी सहित प्रखंड स्तर के अधिकारी व कर्मी भय खाने लगे। लोक शिकायत व आरटीआई ने इन माफिया बनने के कार्य में जैसे पंख लगा दिए हो। इसी बीच इनलोगों का संपर्क लिपिक हिमाद्री से हुआ। उसके हिमाद्री के कारण यह लोग जिला शिक्षा कार्यालय का समान्तर कार्यालय चलाने लगे। बीच में कुछ समय के लिए हिमाद्री का तबादला दूसरे जिला में हुआ था। पुनः वापस आ गए है।कार्यालय सूत्रों का कहना है कि हिमाद्री की तत्काल में प्राधिकारी रखा गया है। परंतु उसे जिला शिक्षा कार्यालय में लाने के लिए माफिया लगातार अधिकारियों पर दबाव बना रहे है। ताकि उनका दबदबा बना रहे। यदि जिला शिक्षा स्तर के लिपिकों का मोबाइल कॉल डिटेल पुलिस खंगालती है। तब कई यह स्पष्ट हो जाएगा कि कौन-कौन से लिपिक, डाटा ऑपरेटर इनके संपर्क में है। कार्यालय के गोपनीय पत्र माफियाओं के पास कैसे जा रहे है। इन सभी लिपिकों की अगर मोबाइल नम्बर खंगाली जाये तो सभी की कलई खुल जायेगी।

एक नजर

बाल श्रम पर गिरी गाज, नावानगर से नाबालिग मुक्त, जिला प्रशासन ने दी नई जिंदगी

नावानगर। बक्सर जिला प्रशासन ने बाल श्रम उन्मूलन की दिशा में बड़ी कार्रवाई करते हुए नावानगर प्रखंड क्षेत्र से एक बाल श्रमिक को बुधवार को मुक्त कराया। श्रम संसाधन विभाग के निर्देश पर गठित धावाल दल ने यह अभियान चलाया।इस संयुक्त कार्रवाई में श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी बक्सर सदर, चौसा, चक्की, राजपुर, ब्रह्मपुर और नावानगर के अधिकारी शामिल रहे। इसके साथ ही नावानगर थाना पुलिस बल और एक स्वयंसेवी संस्था के प्रतिनिधि भी अभियान का हिस्सा बने। अधिकारियों की मौजूदगी में धावाल दल ने नाबालिग को बाल श्रम की बेड़ियों से आजाद कराया। मुक्त कराए गए बच्चे को जिला बाल कल्याण समिति की देखरेख में सौंप दिया गया है। समिति द्वारा उसकी प्राथमिक जरूरतों जैसे स्वास्थ्य जांच, भोजन और सुरक्षित ठहराव की व्यवस्था की गई है। इसके बाद पुनर्वास प्रक्रिया शुरू की जाएगी ताकि वह शिक्षा और बेहतर भविष्य से जुड़ सके। अधिकारियों का कहना है कि बाल श्रम न केवल बच्चों के अधिकारों का हनन करता है बल्कि उनके भविष्य को भी अंधकारमय बनाता है। जिला प्रशासन का स्पष्ट संदेश है कि बाल श्रम करने वाले किसी भी नियोक्ता के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। श्रम संसाधन विभाग की ओर से बताया गया कि बक्सर जिले में बाल श्रम को जड़ से समाप्त करने का अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। प्रशासन का मानना है कि समाज के सहयोग से ही इस कुप्रथा को खत्म किया जा सकता है।

व्हाट्सएप एप से 5.48 लाख की ठगी, एसआईटी ने देवघर से दो साइबर अपराधी दबोचे

बक्सर । व्हाट्सएप पर भेजे गए फर्जी पीएम किसान योजना एप पर क्लिक करने से एक व्यक्ति के खाते से 5.48 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। इस संबंध में वादी युसूफ अंसारी की लिखित शिकायत पर बक्सर साइबर थाना कांड संख्या-40/25 दर्ज किया गया था। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित एसआईटी टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर झारखंड के देवघर से दो साइबर अपराधियों द्द मनोज दास व सुभाष दास (निवासी- सिरसिया, थाना देवीपुर, देवघर) को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों के पास से 4.90 लाख रुपये नकद और चार मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। पूछताछ में दोनों ने अपराध स्वीकार करते हुए अन्य साथियों की संलिप्तता का भी खुलासा किया है। शेष आरोपियों की तलाश में छापेमारी जारी है। टीम का नेतृत्व पुलिस उपाधीक्षक सह साइबर थानाध्यक्ष अविनाश कुमार कश्यप ने किया। इसमें पु.नि. रामरतन पंडित, पु.अ.नि. शुभम राज, श्रीकांत, चंदन कुमार (डीआईयू बक्सर) समेत सशस्त्र बल शामिल रहे।

नाथपुर पंचायत के महादलित टोला में जिला हब कार्यालय ने चलाया जागरूकता अभियान

केटी न्यूज/बक्सर

महिला एवं बाल विकास निगम के मिशन शक्ति योजना के तहत महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में जिला हब फॉर इंपावरमेंट ऑफ वूमेन, बक्सर द्वारा सोमवार को इटाढ़ी प्रखंड के नाथपुर पंचायत स्थित वार्ड संख्या एक के अनुसूचित जाति टोला में विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं से अवगत कराना तथा उन्हें लाभान्वित करना था।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं और स्थानीय लोग शामिल हुए। जिला हब कार्यालय की टीम ने महिलाओं को उनकी पात्रता के अनुसार योजनाओं से जोड़ने की कोशिश की। इस दौरान बताया गया कि सरकार की ओर से महिलाओं और बच्चों के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं, लेकिन जानकारी के अभाव में ग्रामीण इनसे वंचित रह जाते हैं।जागरूकता अभियान के दौरान आधार पंजीकरण एवं मोबाइल लिंकिंग का विशेष कैंप भी लगाया गया। करीब 20 महिलाओं और बच्चों का विवरण लेकर आधार पंजीकरण केंद्र को उपलब्ध कराया गया ताकि उन्हें भविष्य में योजनाओं का लाभ आसानी से मिल सके। वहीं, चार किसानों का पंजीकरण भी मौके पर कराया गया।कार्यक्रम में महिलाओं को आयुष्मान भारत कार्ड, जननी सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना और लेबर कार्ड जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इसके साथ ही सुरक्षा और आपातकालीन सेवाओं जैसे पुलिस टोल फ्री नंबर 112, विमेन हेल्पलाइन 181, चाइल्ड लाइन 1098 और वन स्टॉप सेंटर के उपयोग और महत्व पर भी चर्चा की गई। टीम ने स्पष्ट किया कि जिला हब कार्यालय का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं तक सरकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। विशेष रूप से महादलित और अनुसूचित जाति समुदाय की महिलाओं को इस तरह की योजनाओं से जोड़कर सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। इस मौके पर लैंगिक विशेषज्ञ, डाटा इंट्री ऑपरेटर और आधार पंजीकरण केंद्र के कर्मी मौजूद रहे। ग्रामीणों ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि ऐसी जागरूकता गतिविधियों से उन्हें पहली बार योजनाओं की सटीक जानकारी मिली है और वे अब इनका लाभ उठाने में सक्षम होंगे।

अखंड सौभाग्य की कामना संग बक्सर में धूमधाम से सम्पन्न हुआ हरतालिका तीज व्रत

केटी न्यूज/बक्सर

भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि पर मंगलवार को बक्सर जिले के विभिन्न मंदिरों में हरतालिका तीज व्रत पारंपरिक आस्था और श्रद्धा के साथ सम्पन्न हुआ। रघुनाथपुर स्थित तुलसी आश्रम परिसर में महाकालेश्वर मंदिर में सुबह से ही महिलाओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। विवाहित महिलाओं ने पति की दीघार्यु और अखंड सौभाग्य की कामना करते हुए भगवान शिव और माता पार्वती की विधिवत पूजा-अर्चना की। सुबह से मंदिर परिसर भक्ति और उमंग से सराबोर रहा। सुहागिन महिलाओं ने परंपरा के अनुसार श्रृंगार कर नई साड़ी, चूड़ी, आभूषण, मेहंदी और महावर धारण किया था। निर्जला उपवास रखकर महिलाओं ने पूरे दिन भजन-कीर्तन में भाग लिया और देर शाम महाकालेश्वर मंदिर में एकत्र होकर व्रत कथा का श्रवण किया। मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित राजू मिश्रा ने वैदिक रीति से पूजा-अर्चना सम्पन्न कराई और तीज व्रत कथा सुनाई। उन्होंने बताया कि यह व्रत भाद्रपद मास की तृतीया तिथि को हस्त नक्षत्र में किया जाता है। इस वर्ष तृतीया तिथि मंगलवार दोपहर 1 बजकर 56 मिनट तक ही रही, जबकि हस्त नक्षत्र पूरे दिन विद्यमान था। इसी कारण शुभ मुहूर्त में व्रत कथा का वाचन एवं पूजन सम्पन्न कराया गया। व्रत खोलने का समय बुधवार प्रातः 5 बजकर 56 मिनट से 7 बजकर 48 मिनट तक निर्धारित किया गया है। पंडित मिश्रा ने व्रत के महत्व की व्याख्या करते हुए बताया कि देवी पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए कठोर तप और निर्जला उपवास किया था। उनकी दृढ़ निष्ठा और तपस्या से प्रसन्न होकर शिव ने उन्हें अपनी अर्धांगिनी स्वीकार किया। इसी कारण से यह व्रत अखंड सौभाग्य और पति की लंबी आयु का प्रतीक माना जाता है। तीज व्रत के अवसर पर पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल रहा। मंदिर प्रांगण में महिलाओं ने सामूहिक रूप से गीत-संगीत प्रस्तुत किए और पारंपरिक रीति से एक-दूसरे को तीज की शुभकामनाएं दीं। कई महिलाओं ने इसे ह्यसौभाग्य पर्वह्न बताते हुए कहा कि तीज न सिर्फ पति के स्वास्थ्य और समृद्धि की कामना का पर्व है, बल्कि यह दांपत्य जीवन में प्रेम और विश्वास को भी मजबूत करता है। पूरे आयोजन के दौरान महिलाओं का उत्साह देखने लायक रहा। चाहे व्रत की कठोरता हो या श्रृंगार का आकर्षण।

रोहतास व कैमूर के तटीय क्षेत्र में ग्रामीणों को किया गया अलर्ट

बारिश के लगातार होने से दुर्गावती डैम का बढ़ा जलस्तर, लोग परेशान

केटी न्युज/रोहतास

रोहतास व कैमूर जिले के पहाड़ी क्षेत्रों में पिछले कई दिनों से हो रही बारिश के कारण दुर्गावती जलाशय के जलस्तर में लगातार वृद्धि होती जा रही है। जिसे लेकर बांध तटीय क्षेत्रों में हाई अलर्ट जारी किया गया है। लगातार जलस्तर में हो रही वृद्धि के कारण बांध पर वाहनों से जाने पर मना किया जा रहा है। बांध तटीय क्षेत्र में रहने वाले लोगों को सतर्क किया गया है। वहीं दुर्गावती बांध के कार्यपालक अभियंता ने रोहतास व कैमूर डीएम को पत्र भेजकर बांध तटीय क्षेत्र में रहने वाले लोगों को सावधानी बरतने को कहा गया है। ताकि किसी भी हताहत होने से बचाया जा सके। विभागीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, 3 अगस्त से दुर्गावती जलाशय में जलस्तर 123.56 मीटर से बढ़कर 125.04 मीटर हो गई है। गत वर्ष 2024 में अधिकतम जलस्तर 124.35 मीटर रिकॉर्ड की गई थी। दुर्गावती डैम में पानी स्टोरेज की क्षमता करीब 128.77 मीटर के आस-पास है। जबकि इस बार तेजी से जलस्तर बढ़ रहा है। कहा कि ऐसी परिस्थिति को देखते हुए दुर्गावती परियोजना की मिट्टी बांध की डाउन स्ट्रीम के प्रभाग में स्लीपवे के माध्यम से अधिक जलस्त्राव प्रवाहित किया जा सकता है। दुर्गावती डैम के स्पलीवे की डाउन स्ट्रीम में दुर्गावती नदी के किनारे बसे लोगों को प्रशासनिक व्यवस्था के माध्यम से सावधानी बरतने व नदी के भाग से दूर रहने के लिए आग्रह किया गया है। वर्तमान में दुर्गावती जलाशय पर निर्मित डैम पर अभियंताओं द्वारा सतत निगरानी व चौकसी बरती जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि हालांकि बहुत खतरा नहीं है। लेकिन परस्थिति को देखते हुए सतत निगरानी व चौकसी बरती जा रही है। ताकि किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं हो। बढ़ते जल स्तर को देखते हुए फीडर चैनल से 1500 क्यूसेक पानी डिस्चार्ज किया जा रहा है। जबकि मुख्य नहरों में भी दोनों ओर पानी छोड़ा जा रहा है। दुर्गावती बांध से दायीं मुख्य नहर में 250 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। जबकि बायीं मुख्य नहर में 225 क्यूसेक पानी छोड़ा गया गया है। ताकि जल स्तर को संरक्षित रखा जा सके।

वीर कुंवर सिंह स्टेडियम में 30 अगस्त को राहुल और तेजस्वी संग होगी वोटर अधिकार यात्रा

केटी न्युज/आरा

वीर कुंवर सिंह स्टेडियम में 30 अगस्त को होने वाले वोटर अधिकार यात्रा के कार्यक्रम को लेकर तैयारी जोर-शोर से चल रही है। मंच से लेकर सुरक्षा व्यवस्था तक सभी इंतजामों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ने की संभावना जताई जा रही है। वीर कुंवर सिंह स्टेडियम में होने वाले वोटर अधिकार यात्रा कार्यक्रम की तैयारियों का जिला प्रशासन ने मंगलवार को जायजा लिया है। एसडीएम, डीएसपी, नगर, नवादा इंस्पेक्टर समेत प्रशासनिक अधिकारियों ने स्टेडियम परिसर का निरीक्षण कर सुरक्षा, पार्किंग, भीड़ प्रबंधन, मंच और पंडाल की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। संभावना जताई जा रही है कि इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ेगी। इसे देखते हुए पुलिस बल की अतिरिक्त तैनाती और ट्रैफिक डायवर्जन की भी योजना बनाई जा रही है। वहीं कार्यक्रम स्थल पर जर्मन हैंगर पंडाल बनाने की तैयारी बुधवार से शुरू कर दी जाएगी। पंडाल के अंदर 15 हजार से ज्यादा कुर्सियों की व्यवस्था की गई है। वहीं कार्यक्रम की तैयारी को लेकर कांग्रेस के सक्रिय कार्यकर्ता अभिषेक द्विवेदी ने बताया कि 30 अगस्त को राहुल गांधी और तेजस्वी यादव वोटर अधिकार यात्रा को लेकर आरा आ रहे है। उनके साथ कई नेतागण मौजूद रहेंगे। मुकेश सहनी और दीपांकर भट्टाचार्य भी मौजूद रहेंगे। हमारी कोशिश रहेगी जो भी विधि व्यवस्था व्यवस्थित ढंग से हो। यहां तीन से चार टेंट लगेगा। अभिषेक द्विवेदी ने बताया कि इसके साथ ही हम लोग और भी व्यवस्था करने जा रहे हैं। मैदान के अंदर भी मैदान के बाहर भी जो लोग दूर रहेंगे, उनके लिए एलईडी की व्यवस्था की जाएगी। ताकि वह अपने नेता को सुन सके। वहीं कार्यक्रम स्थल बदल देने पर अभिषेक द्विवेदी ने बताया कि महाराजा कॉलेज में एक ही गेट है, जिसकी वजह से जिला प्रशासन ने ही वीर कुंवर सिंह स्टेडियम में कार्यक्रम कराने के लिए विकल्प दिया। एक गेट होने की वजह से हमारे नेता भी उसी गेट से जाएंगे और हमारे लोग भी उसी गेट से जाएंगे तो सुरक्षा को देखते हुए यह निर्णय लिया गया। वहीं भोजपुर जिला कांग्रेस प्रवक्ता अमित द्विवेदी ने कहा कि देश के जननायक नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पहली बार आरा पहुंच रहे है। यह कांग्रेस के सभी कार्यकताओं के लिए खुशी का पल रहेगा वहीं राहुल गांधी का यह वाटर अधिकार यात्रा बबुरा से होते हुए वीर कुंवर सिंह स्टेडियम आएगा। चुनाव से पहले इंडिया गठबंधन के जितने भी नेता हैं, उनको चुन चुन कर कैसे नाम काटने की साजिश की जा रही है। इसी सिलसिले को लेकर जनता के बीच जननायक जन आंदोलन लेकर पहुंच रहे हैं। अमित कुमार द्विवेदी ने बताया कि यह कार्यक्रम केवल राहुल गांधी और बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव का नहीं है। यह कार्यक्रम विपक्षी दलों के नेताओं के गठबंधन का कार्यक्रम है। कांग्रेस पार्टी इस कार्यक्रम को लीड कर रही है। यह कार्यक्रम सिर्फ अब राजनीतिक नहीं रह गया है। ऐसा कार्यक्रम है जो अब जन आंदोलन का रूप ले चुका है। विपक्ष क्या पक्ष की भी पार्टियां दवे जुबान से इस कार्यक्रम की प्रशंसा कर रही हैं। प्रियंका गांधी का भी कार्यक्रम शुरू हो गया है। अखिलेश यादव का भी इस कार्यक्रम में आने की संभावना है। इसके साथ ही ममता बनर्जी का भी प्रोग्राम बन रहा है, हो सकता है वह भी इस कार्यक्रम में शामिल हो।

सासाराम नगर दुर्गा पूजा समिति सदस्यों ने दशहरा पर्व को लेकर डीएम से की मुलाकात

केटी न्युज/रोहतास

मंगलवार को नगर पूजा समिति रोहतास सासाराम का शिष्टमंडल आगामी दशहरा पर्व पर विधि व्यवस्था के तैयारी को लेकर रोहतास जिलाधिकारी उदिता सिंह से मिला। विदित हो कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी विजयादशमी का त्यौहार नगर एवं आसपास के क्षेत्रों में 22 सितंबर 2025 से 03 अक्टूबर तक हर्षोल्लास के वातावरण मनाया जाएगा। इस बार दशहरा पर्व में 2 अक्टूबर को संध्या 6 बजे से रावण वध का कार्यक्रम आयोजित होगी। जबकि 3 अक्टूबर को नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन जुलूस बाजा-गाजा एवं अखाड़ा प्रदर्शन करते हुए नगर भ्रमण करके दुगार्कुंड मूर्ति विसर्जन स्थल,फजलगंज पर जाकर प्रतिमा को

विसर्जित करेंग भक्त। इस संदर्भ में नगर दुर्गा पूजा समिति रोहतास सासाराम द्वारा जिलाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, नगर आयुक्त इत्यादि से मिलकर नगर की समस्याओं तहत सफाई, सड़क मरम्मत, विद्युत, प्रकाश, पेयजल, चिकित्सा, अग्नि शामक सेवा, विधि व्यवस्था से अवगत कराते हुए मांग पत्र दिया गया। साथ ही सभी पदाधिकारियों द्वारा आश्वस्त किया गया कि समय रहते सारे समस्याओं का निष्पादन कर दिया जाएगा। अवसर पर अध्यक्ष डॉ. शिवनाथ चौधरी,कमलेश कुमार, संतोष कुमार, राम ईकबाल सिंह, अशोक कुमार, उपाध्यक्ष सोनू सिन्हा, बलजीत कुमार, संदीप सोनी, रजनीश कुमार वर्मा सहित अन्य लोग शामिल थे।

भाजपा नगर अध्यक्ष के नेतृत्व में युवा मोर्चा अध्यक्ष का हुआ गठन, कार्यकताओं में खुशी

केटी न्युज/रोहतास

रोहतास भाजपा जिलाध्यक्ष संतोष पटेल के सहमति के आलोक में भाजपा नगर अध्यक्ष नागेश्वर कुशवाहा के नेतृत्व में बिक्रमगंज में युवा मोर्चा टीम का हुआ गठन। जिसके अंतर्गत युवा मोर्चा अध्यक्ष उत्तम कुमार सिंह,ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष विनोद कुमार, एससी मोर्चा अध्यक्ष रोहित कुमार,अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष जलालुद्दीन खां सहित महिला मोर्चा की नामों की नगर अध्यक्ष कुशवाहा द्वारा घोषणा की गई। अवसर पर नवनियुक्त भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष को बधाई देते हुए काराकाट विधानसभा के भावी प्रत्याशी सह भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य डॉ. मनीष रंजन ने बताया कि बिहार में होने वाली आगामी विधानसभा चुनाव से पूर्व

भाजपा जिलाध्यक्ष संतोष पटेल और भाजपा नगर अध्यक्ष नागेश्वर कुशवाहा का यह सराहनीय कदम है। जिससे विधानसभा चुनाव में बीजेपी पार्टी सहित एनडीए गठबंधन के कार्यकताओं को एक मजबूती प्रदान होगी। वही नगर अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष टीम के गठन से विभिन्न पदों पर मनोनीत सभी अध्यक्षों को विधानसभा चुनाव तैयारी को लेकर एक अहम टॉक्स भरी जिम्मेदारी सौंपी गई हैं। जिनके दायित्व भरी कार्य से पुनः एक बार बिहार में एनडीए की सरकार बननी तय होगी। मौके पर भाजपा नेता-बलिराम मिश्रा, मदन प्रसाद वैश्य, रवि पांडे, अमर सिंह, पंकज कुमार, देवमुनि पांडे, राजबल्भ सिंह सहित सैकड़ों कार्यकताओं ने युवा मोर्चा के सभी अध्यक्ष को सम्मानित करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी।

हरितालिका तीज को लेकर सुहागिनों ने की पूजा अर्चना

केटी न्युज/आरा

हरितालिका तीज को लेकर जिले में सुहागिनों ने घरों व मंदिरों में श्रद्धा व भक्ति के साथ पूजा-पाठ की. इसे लेकर पूरे जिले में उत्साह का माहौल बना रहा. वहीं, मंदिरों में श्रद्धालु महिलाओं की भीड़ लगी रही. भगवान शंकर व माता पार्वती की आराधना कर पति की लंबी उम्र मांगने के पर्व तीज को लेकर सुहागिन महिलाओं में उत्साह नजर आ रहा था. कई श्रद्धालु महिलाओं ने अपने घर व मंदिर में सुहाग की कामना को लेकर भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा मंत्र के साथ की. इससे पूरा वातावरण भक्तिमय

लग रहा था. देवी पार्वती ने शिवजी को पति रूप में पाने के लिए यह व्रत किया था. मान्यता है कि इस व्रत को करने से सौभाग्य की प्राप्ति होती है और पति का सौभाग्य बढ़ता है. अविवाहित कन्याएं मनचाहा जीवनसाथी मिलने के लक्ष्य को लेकर यह व्रत करतीं हैं.

सुबह से ही शुरू हो गयी थी पूजा-पाठ की तैयारीहरितालिका तीज को लेकर सुहागिनों ने सुबह से ही पूजा-पाठ की तैयारी शुरू कर दी थी .इस दौरान पूरे घर की सफाई की गयी. लगभग चार बजे से सुहागिनों ने अपने घर में पूजा-पाठ की व भगवान से सुहाग की लंबी आयु का वरदान मांगा. इसके बाद पूजा की थाली को सजाकर सुहागिन मंदिरों के लिए निकल पड़ी. झुंड के झुंड सुहागिन सड़कों पर दिखाई दे रही थी. मंदिरों में देर शाम तक लगी रही भीड़ पूजा को लेकर देर शाम तक मंदिरों में काफी भीड़ लगी रही. सुहागिन महिलाएं नये-नये आकर्षक परिधानों में सज धजकर पूजा सामानों से भरी पूजा की थाल को लेकर मंदिरों में पहुंची. इस दौरान महिलाओं में श्रद्धा व विश्वास की अविरल धारा बह रही थी. उनकी भक्ति को देखकर लग रहा था, मानो साक्षात धर्म का अवतरण हो रहा हो. मांग में गहरे सिंदूर लगाए महिलाएं भारतीय परंपरा में पूरी तरह रंगी हुई दिखाई दे रही थी. सुहागिनों ने मंदिरों में पूजा-पाठ के दौरान देवी मां को लाल चूड़ियां, लाल चुनरी, कुमकुम चढ़ाया. वही कई सुहागिनों ने दूसरी महिला को सुहाग का सामान दान किया.वहीं शिवलिंग के सामने दीपक जलाकर ऊँ सांब सदा शिवाय नमः मंत्र का जाप 108 बार किया गया ताकि वैवाहिक जीवन की परेशानियां दूर हो सके. वही आचार्य एवं पुजारी के द्वारा भी वैदिक मंत्रों के साथ महिलाओं को पूजा अर्चना कराया गया. नगर के इन मंदिरों में लगी रही सुहागिनों की भीड़ नगर के पकड़ी चौक शिव मंदिर, बुढ़वा महादेव मंदिर, सिद्धनाथ मंदिर ,पातालेश्वर मंदिर ,अवधपुरी - उमानगर शिव मंदिर ,रामगढ़िया शिव मंदिर, भलुहीपुर शिव मंदिर, अनाइठ शिव मंदिर ,शिवगंज शिव मंदिर सहित सभी शिव मंदिरों में सुहागिन श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही।

एक नजर

एसडीएम ने बच्चों के साथ ग्राउंड में क्रिकेट खेल उन्हें सिखाया गुर, उज्ज्वल भविष्य का कामना की

काराकाट । बिक्रमगंज अनुमंडल पदाधिकारी प्रभात कुमार ने काराकाट प्रखंड मुख्यालय गोडारी स्थित स्टेडियम में बच्चों के साथ क्रिकेट खेला। उन्होंने बॉलिंग और बैटिंग का प्रदर्शन कर बच्चों को अपना हुनर दिखाया, जिस पर बच्चों ने खूब तालियां बजाईं। जब एसडीएम प्रभात कुमार अपने सरकारी कार्य से काराकाट प्रखंड पहुंचे, तो बच्चों को खेलते देख उन्होंने खुद को रोक नहीं पाया और उनके साथ खेलने लगे। उन्होंने कहा, आज जब हम अपने सरकारी कार्य से गुजर रहे थे, तो बच्चों को खेलते देख मेरा पुराना दिन याद आ गया। इस कारण बच्चों के साथ चलने में मुझे खुशी महसूस हुई। पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए, उन्होंने गोडारी स्टेडियम में हो रहे वॉटर लॉगिंग की समस्या का समाधान जल्द करने का आश्वासन दिया। उन्होंने नगर पंचायत के साथ इस पर बातचीत कर तुरंत कार्रवाई करने का वादा किया। साई क्रिकेट अकादमी के मुख्य कोच कुलबुल सरौफ ने कहा, मंगलवार को अनुमंडल पदाधिकारी ने बच्चों के साथ अपने खेल का प्रदर्शन किया और उनके उत्साह को बढ़ाया। वॉटर लॉगिंग के मुद्दे को हल करने के आश्वासन से बच्चों को खेल प्रशिक्षण में हो रही परेशानी दूर होने की उम्मीद बढ़ गई है। मौके पर काराकाट प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल कुमार सिंह, रितेश कुमार और अन्य ग्रामीण मौजूद थे, साथ ही सैकड़ों खिलाड़ी भी उपस्थित रहे।

रेलवे पटरी पार करने के क्रम में एक लड़की की ट्रेन से टकराकर हुई मौत

सासाराम। मंगलवार को करीब 11:15 बजे सूचना प्राप्त हुआ की सासाराम स्टेशन डाउन मेन लाइन नं० 573/16- 14 के मध्य तकिया ब्रिज के पास वाराणसी-बड़कखाना यात्री गाड़ी से टकराकर एक लड़की मृत हो गयी है। जिससे डाउन लाइन बाधित हैं। सूचना पर निरीक्षक प्रभारी सासाराम के निदेर्शानुसार उप निरीक्षक डीएस राणावत साथ सहायक उप निरीक्षक विजय शंकर मौर्य त्वरित कार्यवाही करते हुए घटनास्थल पर पहुंचे तो पाया कि सासाराम स्टेशन लिमिट डाउन मेन लाइन नंबर 573/18-20 के मध्य एक लड़की उम्र करीब 18 वर्ष का शव लाइन के बीचों बीच पड़ा हुआ है। जिसका सर उतर की और तथा पैर दक्षिण में जिसके सर में चोट लगी हुई तथा बायां पैर का पंजा कटा हुआ मृत अवस्था में पड़ी हुई थी। उसी दौरान राजकीय रेल थाना सासाराम के पुलिस अवर निरीक्षक विश्वनाथ सिंह साथ स्टाफ घटनास्थल पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर मौके की कागजी कार्रवाई कर मृतिका के शव की तलाशी करने पर मृतिका के पास से कोई भी पहचान पत्र तथा यात्रा संबंधित अधिकार पत्र नहीं पाया गया। बाद में शव की पहचान के लिए आसपास के लोगों से पूछताछ व पहचान करवाई गई। जिसमे मृतिका की पहचान चांदनी कुमारी पिता सुनील कुमार तथा बस्ती मोड शिव मंदिर के पास रहती थी।

प्रस्तावित भूमि अधिग्रहण के लिए रोहतास जिले को मिली करोड़ों रुपए की व्यय स्वीकृति

सासाराम। जिले में अब औद्योगिक विकास की नई लहर देखने को मिलेगी। जो ना केवल जिले की आर्थिक स्थिति को मजबूत करेगी, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के कई नए अवसर भी पैदा करेगी। बिहार सरकार की कैबिनेट में आज उद्योग विभाग को रोहतास जिले के शिवसागर में प्रस्तावित भूमि के अधिग्रहण के लिए एक अरब चौबन करोड़ सात लाख बारह हजार तीन सौ सत्तर रुपए व्यय करने की स्वीकृति दी है। जिला प्रशासन द्वारा उद्योग लगाने के लिए भूमि का अंचल- शिवसागर के मौजा तारडीह में 492.85 एकड़ भूमि का चयन कर सरकार को भेजा गया था, जिसे आज आधारभूत संरचना विकास प्राधिकार, पटना के माध्यम से अधिग्रहण करते हुए अधिग्रहण की राशि एक अरब चौबन करोड़ सात लाख बारह हजार तीन सौ सत्तर रुपए के व्यय की स्वीकृति बिहार सरकार की कैबिनेट ने दे दी है। अब यहां जल्द ही एक बड़ा औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जायेगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना से जिले में समृद्धि के नए रास्ते खुलेंगे और स्थानीय निवासियों को सीधा फायदा होगा। इस औद्योगिक क्षेत्र के निर्माण से रोहतास जिले में रोजगार के कई नए अवसर उत्पन्न होंगे। साथ ही, यह इलाके में व्यापारिक गतिविधियों में भी वृद्धि करेगा, जिससे आर्थिक गतिविधियां तेजी से बढ़ेंगी। इस परियोजना के जरिए जिले के व्यावसायिक और आर्थिक ढांचे में भी एक नया बदलाव देखने को मिलेगा, जो जिले के विकास की दिशा को पूरी तरह बदल देगा। इससे यहां की व्यापारिक गतिविधियां बढ़ेंगी और स्थानीय व्यापारियों को भी लाभ होगा। यह इलाका उत्तर प्रदेश और झारखंड राज्य से भी डायरेक्ट कनेक्ट है। उद्योग महाप्रबंधक, रोहतास आशीष रंजन ने बताया कि इसके अलावा डेहरी में भी 230 एकड़ भूमि को औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाएगा। जिसके लिए जिला प्रशासन द्वारा भूमि का चयन कर सरकार को भेज दिया गया है। इन परियोजनाओं से रोहतास डालमियानगर की तरह फिर से औद्योगिक दृष्टिकोण से एक प्रमुख केंद्र बनेगा। जिससे रोहतास राज्य और देश भर में औद्योगिक हब के रूप में उभर सकेगा।

अभुलाल के टोला में बांसवारी से नवजात बच्ची बरामद

बड़हरा। प्रखंड अंतर्गत पकड़ी पंचायत के अभुलाल के टोला गांव के समीप झाड़ीनुमा बांसवारी में एक नवजात शिशु के मिलने से गांव में सनसनी फैल गयी. जानकारी के अनुसार अभुलाल के टोला गांव स्थित बांसवारी से एक नवजात शिशु मंगलवार की दोपहर कपड़ा में लपेटकर फेंका हुआ मिला. यह खबर मिलते ही लोगों की भीड़ जुट गयी. शिशु के शरीर पर चिट्टीयों का झुंड था. बच्ची खून से लथपथ थी. सड़क व बांसवारी के बगल में निजि क्लिनिक चला रहे ग्रामीण चिकित्सक डॉ मृत्युंजय कुमार ने बच्ची का इलाज किया. बच्ची स्वस्थ थी. बताया जाता है कि क्लिनिक वाले मकान में मजदूर पेंटिंग का काम कर रहे थे, तभी दिन के लगभग 12 बजे एक मजदूर उत्तरप्रदेश के बलिया जिला के जगदीशपुर पानी टंकी निवासी चंदन महतो बासवारी के समीप शौच करने गये. वर्तमान में चंदन महतो सरैया अपने ससुराल में रहकर मजदूरी करते हैं, जहां वे नवजात की रोने की आवाज सुनी. जब नजदीक गये तब कपड़ा में लिपटी एक नवजात शिशु को देखा. वह तुरंत शिशु को उठाये और क्लिनिक में लेकर गये. डॉक्टर व उनकी पत्नी चंदा देवी बच्ची की सफाई कर इलाज की।

पटना में आयोजित स्टूडेंट कॉन्क्लेव में बोले केंद्रीय केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान

भारत कोई धर्मशाला नहीं, वोट देने का अधिकार सिर्फ भारतीय को

एजेंसी। पटना

पटना के ज्ञान भवन में आज यूथ ऑफ बिहार @2047 स्टूडेंट कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल और उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने संबोधित किया। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि भारत दुनिया का नंबर एक देश बनेगा। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि इसकी एक शर्त है कि इसका नेतृत्व बिहार को करना होगा। उन्होंने यहां के युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे आगे आएं और इस जिम्मेदारी को

संभालें। उन्होंने कहा कि बिहार इसके पहले भी नेतृत्व करता रहा है। यहां 20 साल से एनडीए की सरकार है। आज एनडीए बिहार और देश को आगे ले जाने के लिए कार्य कर रहा है। अब आगे बिहार के युवा नेतृत्व की जिम्मेदारी है कि वे इसे आगे ले जाएं। उन्होंने कहा कि आज गरीब देश भारत की ओर देख रहे हैं। उन्हें भारत से उम्मीद है। देश में नया वातावरण बना है, रोज नवाचार हो रहे हैं। भारत के नौजवान अब सपने देखने लगे हैं और अब वे नौकरी देने वाले बन रहे हैं। तकनीक को माध्यम बनाकर अब बिहार के युवा आगे आने वाले हैं। उन्होंने कहा कि आज यहां के युवाओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खड़े हैं। पीएम मोदी कह चुके है कि यह सरकार युवा, किसान, महिला और गरीबों के प्रति समर्पित है। उन्होंने कहा कि देश में नौजवानों की ताकत तेजी से आगे बढ़ी है। खेल, नाटक, संगीत, विज्ञान में अपनी प्रतिभा दिखा रहे हैं। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने आपातकाल के दौरान शुरू हुए जेपी आन्दोलन की भी चर्चा की और कहा कि इसी गांधी मैदान से इसकी शुरूआत हुई थी। हालाँकि अब नौजवानों की भूमिका बदली है, लेकिन लक्ष्य नहीं बदला है। भारत के लिए जिम्मेदारी लेनी होगी। उन्होंने विपक्ष के वोट चोरी के आरोपों को लेकर विपक्ष पर पलटवार करते हुए कहा कि राजद और कांग्रेस आज गलत बयानी कर लोगों को बरगला कर अराजकता फैलाना चाहते हैं। युवाओं से आह्वान किया कि आप पता लगाएँ कि बिहार में वोट चोरी किसने की? इन लोगों ने पिछले दिनों बंदूक और बम से गरीबों का वोट चोरी किया है और आज वे संविधान की पुस्तक लेकर घूम रहे हैं। उन्होंने साफ कहा कि यह देश कोई धर्मशाला नहीं है। सवालिया लहजे में उन्होंने कहा कि इस देश पर बंगलादेशियों को वोट देने का अधिकार नहीं है। यहाँ की सुविधाओं पर देश के लोगों का अधिकार है। जो लोग गाय-भैंस का चारा चोरी करते थे, जो जमीन चोरी करते थे, आज उन्हें बिहार के विकास को आँख खोलकर देखना चाहिए। कांग्रेस ने आपातकाल लगाकर अधिकार छीन लिए थे। आज तेलंगाना के सीएम को लेकर राहुल गांधी और तेजस्वी यादव घूम रहे हैं, जिन्होंने बिहार के डीएनए पर सवाल उठाया था। उन्होंने जोर देकर

आज बिहार के 26 जिलों बारिश और वज्रपात का यलो अलर्ट

एजेंसी। पटना

बिहार में मानसून पूरी तरह सक्रिय है। पटना मौसम विज्ञान केंद्र ने राज्य 26 जिलों में बारिश और वज्रपात का अलर्ट जारी किया गया है। इनमें पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सीवान, सारण, बक्सर, भोजपुर, पटना, जहानाबाद, अरवल, नवादा, नालंदा, रोहतास, गया, शेखपुरा, लखीसराय, बेगूसराय, सुपौल, सहरसा, मधेपुरा, खगड़िया, कटिहार, किशनगंज, पूर्णिया शामिल हैं। इन इलाकों में तेज हवा के साथ वज्रपात और बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, 31 अगस्त तक उत्तर पश्चिम, उत्तर मध्य, उत्तर पूर्व, दक्षिण पश्चिम, दक्षिण मध्य और दक्षिण पूर्व बिहार में कुछ स्थानों पर बारिश के आसार हैं। वहीं अगले चार दिनों के दौरान बिहार के अधिकार भागों में अधिकतम और न्यूनतम तामपान में कोई विशेष परिवर्तन नहीं होने के आसार है। वहीं 26 से 31 अगस्त तक पटना, गया, नालंदा, शेखपुरा, नवादा, बेगूसराय, लखीसराय, जहानाबाद, बक्सर, भोजपुर, रोहतास, भभुआ, औरंगाबाद, भागलपुर, बांका, जमुई, मुंगेर, खगड़िया और अरवल में अधिक गर्मी नहीं पड़ेगी।

चुनाव से पहले नीतीश सरकार की बड़ी सौगात

औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन पैकेज समेत 26 एजेंडों पर लगाई मुहर

एजेंसी। पटना

आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए आज मंत्रिपरिषद् की बैठक काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही थी। सीएम नीतीश कुमार ने हाल में ही जो घोषणाएं की थीं, उनमें से कुछ पर मुहर लगा दी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहारवासियों के लिए फिर से बड़ी सौगात दी है। उन्होंने राज्य में उद्योग को बढ़ावा देने लिए बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन पैकेज लागू करने का एलान किया है। मंगलवार को कैबिनेट की बैठक में उन्होंने कुल 26 एजेंडों पर मुहर लगा दी है। अपर मुख्य सचिव एस सिद्धार्थ ने कहा कि आज मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में कुल 26 एजेंडों पर मुहर लगा दी गई है। सीएम नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया पर घोषणा करते हुए कहा कि बिहार में उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने बियाडा एमनेस्टी पॉलिसी 2025 के बाद अब नया बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन पैकेज 2025 (बीआईपीपीपी-2025) लागू किया

है। इसके तहत 40 करोड़ रूपए तक की ब्याज सब्सिडी दी जाएगी। नई इकाइयों को स्वीकृत परियोजना लागत का 300 प्रतिशत तक शुद्ध एसजीएसटी की प्रतिपूर्ति 14 वर्षों के लिए की जाएगी। 30 प्रतिशत तक पूंजीगत सब्सिडी प्रदान की जाएगी। निर्यात प्रोत्साहन की सीमा 14 वर्ष की अवधि के लए 40 लाख रूपए प्रतिवर्ष होगी। इसके अतिरिक्त कौशल विकास, पर्यावरण संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा उपयोग, स्टाम्प ड्यूटी एवं भूमि रूपांतरण शुल्क की प्रतिपूर्ति, निजी औद्योगिक पार्कों को सहयोग, पेटेंट पंजीकरण एवं गुणवत्ता प्रमाणन हेतु सहायता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इस नए औद्योगिक पैकेज 2025 के तहत निवेश को बढ़ावा देने के लिए निःशुल्क भूमि आवंटित की जाएगी। 100 करोड़ से अधिक का निवेश करने वाली एवं 1000 से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार सृजित करने वाली औद्योगिक इकाइयों को 10 एकड़ तक भूमि निःशुल्क आवंटित की जाएगी। 1000 करोड़ से अधिक का निवेश करने वाली औद्योगिक इकाइयों को 25 एकड़ तक भूमि निःशुल्क आवंटित की जाएगी। फॉर्च्यून 500 कंपनियों को 10 एकड़ तक भूमि निःशुल्क आवंटित की जाएगी।

इस पैकेज से नौकरी और रोजगार में मिलेगी सहायता

वहीं मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा ने कहा कि औद्योगिक पैकेज 2025 के अंतर्गत लाभ लेने के लिए निवेशकों को 31 मार्च 2026 से पूर्व आवेदन करना अनिवार्य होगा। इस नए औद्योगिक पैकेज 2025 से 5 वर्षों में एक करोड़ युवाओं को नौकरी एवं रोजगार देने में सहायता मिलेगी। इस पहल का उद्देश्य है कि बिहार में उद्योगों को और ज्यादा बढ़ावा मिले, बिहार के युवा दक्ष एवं आत्मनिर्भर हों तथा उन्हें राज्य के अंदर ही अधिक से अधिक रोजगार मिल सके एवं उनका भविष्य सुरक्षित हो सके।

दिव्यागों के लिए सरकार ने लाई यह योजना

मुख्य सचिव ने कहा कि बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नीति, 2016 जैसी निवेशक अनुकूल नीति और कई प्रगतिशील उप क्षेत्रीय नीतियों की सफलता ने राज्य औद्योगिक वातावरण को बदल दिया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 15 अगस्त को अपने संबोधन ने दौरान बिहार में उद्योग को लेकर कुछ घोषणाएं की थी। इन्हीं घोषणाओं पर उन्होंने आज की कैबिनेट में स्वीकृति दे दी है। वहीं अपर मुख्य सचिव एस सिद्धार्थ ने कहा कि बिहार के दिव्यांग युवा और युवतियों को स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार ने मुख्यमंत्री दिव्यांगजन उद्यमी योजना प्रारंभ करने की स्वीकृति प्रदान की है।

राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा में प्रियंका गांधी की एंट्री, गरमाई बिहार की सियासत

एजेंसी। पटना

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा मंगलवार को अपने भाई और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के साथ 'वोटर अधिकार यात्रा' में शामिल हुईं। यात्रा के दौरान उनके साथ तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, आरजेडी नेता तेजस्वी यादव और क्छक्ष्अ गठबंधन के अन्य नेता भी मौजूद रहे। सभी नेताओं को एक रथ की छत पर बैठकर भीड़ का अभिवादन करते देखा गया। सोमवार को विराम के बाद मंगलवार को यात्रा दोबारा शुरू हुई। इससे पहले राहुल गांधी ने रविवार को अररिया में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा था कि INDIA गठबंधन की सभी पार्टियां बिहार विधानसभा चुनाव के लिए एकजुट होकर काम कर रही हैं

और इसका सकारात्मक परिणाम सामने आएगा। उन्होंने कहा कि जल्द ही गठबंधन का साझा घोषणापत्र जारी किया जाएगा। राहुल गांधी ने एनडीए सरकार पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया था कि चुनाव आयोग द्वारा बिहार में मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण (SIR) दरअसल भाजपा को फायदा पहुंचाने और वोट चुराने की संस्थागत कोशिश है। उन्होंने इसे लोकतंत्र के खिलाफ बताया और कहा कि वोटर अधिकार यात्रा इसी के विरोध में चलाई जा रही है। 'वोटर अधिकार यात्रा' 17 अगस्त को सासाराम से शुरू हुई थी और 1 सितंबर को पटना में एक बड़ी रैली के साथ समाप्त होगी।

शराब को लेकर सरकार का बड़ा फैसला, अब केवल ऑनलाइन पेमेंट से ही मिलेगी बोतल

एजेंसी। पटना

यदि आप भी शराब पीने के शौकीन है और बिहार के रहने वाले हैं तो आपके लिए टॉप यहां शराबबंदी हैं। लेकिन, इसका विकल्प लोगों ने यह निकाल लिया है कि वह दुसरे राज्यों में जाने का ट्रिप बनाते हैं और वहां जाकर दोस्तों के साथ मौज-मस्ती करते हैं और एक से दो पेग शराब की भी गटक लेते हैं। अब इन्हीं लागों के लिए एक अहम फैसला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, भाजपा शासित एक राज्य में सरकार ने शराब कारोबार को कैशलेस बनाने का बड़ा ऐलान किया है। यहां अब राज्य की हर शराब दुकान पर सिर्फ डिजिटल पेमेंट से ही शराब खरीदी जा सकेगी। नकद लेन-देन पूरी तरह बंद होगा। यानि आप कैश पैसे देकर शराब तो नहीं खरीद सकते हैं। इससे सरकार के पास यह आकड़ा भी होगा कि शराब से टोटल इनकम कितना हो रहा है और इसके साथ ही कई अन्य चीजें भी ट्रैक की जा सकेगी। बताया जा रहा है कि, मुख्यमंत्री की इस पहल को आबकारी मंत्री ने विभागीय समीक्षा बैठक में हरी झंडी दी। सरकार का दावा है कि यह कदम न सिर्फ ग्राहकों के लिए सुविधा बढ़ाएगा बल्कि शराब कारोबार में ट्रांसपेरेंसी लाने, रेवेन्यू को मजबूत करने और अवैध धंधे पर शिकंजा कसने में भी अहम साबित होगा।

पटना पुलिस ने महाकाल गैंग का किया सफाया भारी मात्रा में हथियार और कारतूस बरामद

एजेंसी। पटना

अपराधियों के खिलाफ पटना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पटना पुलिस ने महाकाल गैंग का सफाया कर दिया है। पुलिस ने दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है, जिनके पास से भारी मात्रा में हथियार और कारतूस बरामद किया गया है। पुलिस इसे बड़ी सफलता मान रही है। पटना जिले में सक्रिय महाकाल गैंग पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। यह गैंग लंबे समय से अवैध हथियारों की सप्लाई और कारतूसों के व्यापार में शामिल था। इसके अलावा, गैंग के सदस्य सोशल मीडिया पर हथियारों के साथ वीडियो बनाकर दहशत फैलाने और अपनी धाक जमाने का काम कर रहे थे। 25 अगस्त 2025 को पुलिस को सूचना मिली कि बिहटा और मनेर थाना क्षेत्र में यह गैंग सक्रिय है। सूचना मिलते ही नगर

पुलिस अधीक्षक, पश्चिमी के नेतृत्व में एक विशेष टीम बनाई गई। टीम में डीआईयू के सदस्य, बिहटा और आईआईटी अमहारा थानाध्यक्ष समेत कई अधिकारी शामिल थे। छापेमारी में पुलिस ने गैंग के दो कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार किया। हरेराम सिंह (57 वर्ष), पिता-स्व० रामकृपाल सिंह, निवासी-घोड़ाटाप, थाना-बिहटा और विनीत कुमार (25 वर्ष), पिता-भूखन सिंह, निवासी-घोड़ाटाप, थाना-बिहटा को अरेस्ट किया गया है। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने अपराधियों के पास से बड़ी मात्रा में हथियार और कारतूस जब्त किए। राइफल जैसा गन 1, रिवॉल्वर 1, जिंदा कारतूस 340 (विभिन्न बोर के)नकद राशि 5,07,400, मोबाइल 3, अन्य सामान बरामद।

निगरानी कोर्ट का फैसला: भ्रष्टाचार केस में अमीन को 4 साल की सजा

पटना। 11 साल पुराने भ्रष्टाचार के एक मामले में निगरानी कोर्ट ने दोषी करार देते हुए फैसला सुनाया है। भ्रष्टाचार केस में अंचल अमीन को 4 साल की सजा दी गयी है साथ ही 10 हजार रुपए का आर्थिक जुमार्ना भी लगाया गया है। 26.08.2025 को मो० रूस्तम, माननीय न्यायाधीश, निगरानी, पटना द्वारा अभियुक्त शिव शंकर राम, अंचल अमीन, दाऊदनगर प्रखण्ड, जिला औरंगाबाद को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) की धारा 7/13 (2) सह पठित धारा 13 (1) (f) के तहत निगरानी थाना कांड संख्या-83/2014 (विशेष वाद सं-77/2014) में दोषी ठहराया गया। यह मामला शिव शंकर राम, अंचल अमीन, दाऊदनगर प्रखण्ड, जिला औरंगाबाद द्वारा शिकायतकर्ता श्री मृत्यंजय कुमार, पिता श्री काशी नाथ बैठा, सा०- शमशेर नगर, थाना- दाऊदनगर, जिला- औरंगाबाद के पिताजी का एक कट्ठा जमीन मापी के उपरांत, सही मापी प्रतिवेदन लिखने के एवज में रिश्वत माँगने का आरोप लगाया गया।

नीतीश सरकार का एक और बड़ा एलान किया

बिहार से 5 इंटरनेशनल रूट्स पर जल्द उड़ान भरेंगी विमान सेवाएं

एजेंसी। पटना

बिहार से अब जल्द ही विदेशों के लिए सीधी विमान सेवा शुरू होने जा रही है। नीतीश सरकार ने पांच इंटरनेशनल रूट्स पर जल्द उड़ान सेवा शुरू करने का एलान किया है। बिहार को अंतरराष्ट्रीय हवाई कनेक्टिविटी को मजबूत करने का बड़ा प्रयास किया जा रहा है। इसके तहत वीजीएफ राशि की घोषणा की गई है। यह वीजीएफ इसलिए दी जा रही है ताकि बिहार से उड़ान भरने वाली इंटरनेशनल फ्लाइट को प्रोत्साहन दिया जा सके। अपर मुख्य सचिव मंत्रिमंडल सचिवालय, एस सिद्धार्थ ने बताया कि हमारी कोशिश बिहार को चारों दिशाओं में

इंटरनेशनल कनेक्टिविटी से जोड़ने की है। इंटरनेशलन एयरलाइंस सेवा शुरू करने के लिए सरकार की ओर से कदम उठा दिया गया है। सरकार की ओर से देश के सभी इयरलाइंस कंपनियों के बिड आमंत्रित करने के लिए पत्र भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह पूरी प्रक्रिया निविदा के माध्यम से पूरी की जाएगी। एसीएस ने कहा कि राज्य सरकार चारों दिशाओं लिए नये अंतर्राष्ट्रीय मार्गों पर हवाई कनेक्टिविटी बढ़ाने की नीति को मंजूरी दे दी है। इसके जरिये बिहार उत्तर में नेपाल, दक्षिण में कोलंबो, पूर्व सिंगापुर और पश्चिम शारजाह से सीधे कनेक्ट हो जाएगा। उन्होंने बताया कि नीति के तहत एयरलाइंस कंपनियों को व्यवहार्यता अंतर निधि (वीजीएफ) से वित्तीय सहायता दी जाएगी ताकि वे नई अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें शुरू कर सकें। अपरमुख्य सचिव मंत्रिमंडल सचिवालय ने जानकारी दी कि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए वीजीएफ उन हवाई जहाजों के लिए होगी जिनकी सिटिग कैपेसिटी (यात्रियों के बैठने की क्षमता) कम से कम 150 होगी। उन्होंने कहा कि वीजीएफ के जरिए सहायता छोटे प्लेन के नहीं है।अंतरराष्ट्रीय ट्रैवल और ट्रेड का बड़ा केंद्र बना सकती है

सुभाषितम्

हमारी सबसे बड़ी महानता गिरने से बचने में नहीं है बल्कि हर बार गिरकर उठने में निहित है। -कन्फ्यूशियस

बीमा और अस्पतालों की जंग में मरीजों से लूट

बजाज एलियांज कंपनी को कैशलेस इलाज करने से बंद करने घोषणा की है। उनकी कंपनी 1 सितंबर से कैशलेस इलाज की सुविधा बंद हो जाएगी। इसके पहले भी बीमा कंपनियां के कैशलेस इलाज को लेकर तरह-तरह के नियम और कानून बनाकर अस्पतालों और बीमा कराने वालों के साथ विश्वासघात करती चली आ रही हैं। इस पर ना तो इरडा कोई कार्रवाई कर रहा है, नाही केंद्र सरकार इस संबंध में कोई निर्णय ले रही है। जिसके कारण बीमा होते हुए भी लोगों को इलाज की सुविधा नहीं मिल पा रही है। बीमा कंपनियां, प्रीमियम के रूप में भारी भरकम राशि वसूल कर लेती हैं। जब इलाज के बिल के भुगतान की बात आती है। तब बीमा कंपनियां तरह- तरह के नियम कानून बताकर अपना पल्ला झाड़ लेती हैं। बीमा कंपनियों की शिकायत है, अस्पताल में अनाप-शनाप पैसा मरीजों से वसूला जाता हैं। बीमा कंपनियों ने इस संबंध में स्वयं की ओर से विभिन्न इलाज और ऑपरेशन के रेट भी तय कर दिए हैं। उन रेट पर अस्पताल इलाज करने के लिए तैयार नहीं होते हैं। जिसके कारण बीमा कंपनियों, अस्पतालों और स्वास्थ्य बीमा उपभोक्ताओं के बीच में लगातार तकरार देखने को मिलती है। देशभर के करीब 15000 अस्पताल जिसमें मैक्स, हेल्थ केयर और मेदांता जैसे अस्पताल भी शामिल है। उन्होंने बजाज एलियांज के पालिसी धारकों को कैशलेस इलाज की सुविधा उपलब्ध कराने से मना कर दिया है। देशभर में ऐसे लाखों बीमा उपभोक्ता हैं। जिन्हें अस्पतालों मे कैशलेस इलाज की सुविधा नहीं मिल रही है। अस्पतालों में जाकर बिल भरने के बाद, जब उपभोक्ता बीमा कंपनियों के पास भुगतान के लिए जाता है। तब उसमें तरह-तरह की आपत्तियां लगाई जाती हैं। बिल की राशि में से बहुत बड़ी राशि का भुगतान बीमा कंपनियां नहीं करती हैं। भुगतान में भी काफी विलंब किया जाता हैं। जिसके कारण लोगों मे नाराजी बढ़ती चली जा रही है। भारत में लोगों का मेडिकल खर्च 7 से 8 फीसदी की रफ्तार से हर साल बढ़ता जा रहा है। अस्पतालों के इलाज रेट भी बढ़ते चले जा रहे हैं। बीमा कंपनियों ने प्रीमियम भी पिछले वर्षों की तुलना में कई गुना बढ़ा दिया है। उसके बाद भी स्वास्थ्य बीमा करने वाले परिवारों को बीमा का लाभ नहीं मिल पा रहा है। उल्टे दो पाटों के बीच में फंसकर बीमा कंपनियां भी उन्हें लूट रही हैं। अस्पतालों में भी उनके साथ लूट हो रही है। अस्पतालों का कहना है, बीमा कंपनियों का आम इनपेनलमेंट एग्रीमेंट का मौजूदा ड्राफ्ट, बीमा कंपनियों द्वारा बिना अस्पतालों के विचार-विमर्श से तैयार किया गया है। बीमा कंपनियों की शर्तों अव्यवहारिक हैं। बीमा कंपनी अस्पतालों और इलाज के पर ध्यान नहीं देकर केवल अपने लाभ के लिए काम कर रही हैं। कई सालों तक बीमा कंपनियों द्वारा उन्हें अपडेट नहीं किया जाता है। जिसके कारण मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल में इलाज संभव नहीं होता है। कैशलेस इलाज की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए बीमा नियामक इरडा ने एक कॉमन इनपेनेलमेंट का प्रस्ताव रखा है। बीमा कंपनियों के अपने अलग तर्क हैं। इस झगड़े का खामीयाजा जिन लोगों ने मेडिकल पॉलिसी ली है। उनको भुगतान पड़ रहा है। बीमित परिवारों पर इलाज के समय दोहरी मार पड़ रही है। सरकार और बीमा कंपनियां बड़े-बड़े दावे जरूर करती हैं। वास्तविकता इसके ठीक उल्टी होती है। केंद्र सरकार जिस तरह से दवाइयां की कीमतें निर्धारित करती हैं। उसी तरह से मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल तथा सामान्य अस्पतालों के लिए अलग-अलग रेट तय किए जाएं। आयुष्मान योजना भी बीमा कंपनियों से जुड़ी हुई है। इसमें भी मरीजों को सही उपचार प्राप्त हो। बीमा कंपनियों की धोखाधड़ी और अस्पतालों की धोखाधड़ी पर नियंत्रण लगाने की जिम्मेदारी केंद्र सरकार और बीमा नियामक आयोग की है। सभी अपनी जिम्मेदारी से भाग नहीं सकते हैं। इस विषय पर जल्द से जल्द पहल की जानी चाहिए।

चिंतन-मनन

साधना और सुविधा

आसक्ति के पथ पर आगे बढ़ने वाले अपनी आकांक्षाओं को विस्तार देते हैं। उनकी इच्छाओं का इतना विस्तार हो जाता है, जहां से लौटना संभव नहीं है। उस विस्तार में व्यक्ति का अस्तित्व विलीन हो जाता है। फिर वह अपने लिए नहीं जीता। उसके जीवन का आधार पदार्थ बन जाता है। पदार्थ जब मनुष्य पर हावी हो जाए तो समस्या क्यों नहीं होगी? आसक्ति अपने आप में समस्या है। इस समस्या का समाधान पदार्थ के विस्तार में नहीं, संयम में है। संयम के पथ पर वही चल सकता है, जो पदार्थ से विरक्त होने लगता है। जिन लोगों को विरक्ति का पथ प्राप्त है, जो जीवनभर इस पथ पर चलने के लिए कृतसंकल्प हैं, उनके सामने किसी प्रकार का प्रलोभन नहीं होना चाहिए। पदार्थ जीवन की आवश्यकता की पूर्ति का साधन है, यह भाव जब तक प्रबल रहता है, उसके प्रति आसक्ति पैदा नहीं होती। किंतु जब पदार्थ साध्य बन जाता है, तब व्यक्ति का दृष्टिकोण बदल जाता है। बदला हुआ दृष्टिकोण व्यक्ति को स्वच्छंद बनाता है, सुविधावादी बनाता है और उसे संग्रह की प्रेरणा देता है। स्वच्छंदता, सुविधावाद और संग्रहवृत्ति- ये तीन सकार साधना के विघ्न हैं। साधना के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए इनका सीमाकरण करना ही होगा। वैचारिक स्वतंत्रता का जहां तक प्रश्न है, साधना के साथ उसका कोई विरोध नहीं है। पर विचार की स्वतंत्रता का यह अर्थ नहीं है कि व्यक्ति अपनी सीमा, संविधान और परंपरा से विमुख होकर उच्छृंखल बन जाए। उच्छृंखलता या स्वच्छंदता जहां प्रवेश पा लेती है, वहां से अनुशासन, व्यवस्था आदि तत्वों का पलायन हो जाता है। यह स्थिति व्यक्ति और समूह दोनों के लिए हितकर नहीं है। सुविधा के साथ भी साधना का विरोध नहीं है। साधना के नियम जिस सीमा तक स्वीकृति देते हैं, उस सीमा में सहज रूप से कोई सुविधा प्राप्त होती हो तो उसका उपयोग सम्मत है। जैन साधना पद्धति में शरीर को साधने का विधान तो है, पर उसे कष्ट देना कभी अभीष्ट नहीं है।

आखिर कब तक दहेज की बलि चढ़ती रहेगी बेटियां?

-नरेन्द्र भारती

विश्व गुरु कहलाने वाले भारत में बढ़ रही दहेज की संस्कृति को रोकना होगा।प्रतिदिन दहेज के लालचियों द्वारा बेटियों को दहेज की बलि चढ़ाया जा रहा है। ताजा घटनाक्रम में ग्रेटर नोयडा में विवाहिता निक्की भाटी को दहेज के लिए जिन्दा जला डालने की खौफनाक घटना सामने आई है ' थाना कासना के सिरसा गांव की इस दर्दनाक घटना ने कानून व्यवस्था की पोल खोल कर रख दी है।इस घटना से रोंगटे खड़े हो जाते हैं उत्तरप्रदेश के ग्रेटर नोयडा जिले में घटित इस वारदात के आरोपी निक्की भाटी के पति ने पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश की लेकिन पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया फरार सास को भी पकड़ लिया है ' देश के हर राज्य में दहेज के मामले प्रकाश में आ रहे है।आज भले ही लड़की कितनी भी उच्च शिक्षित हो मगर पहली शर्त यही होती है कि यहां से कितना दहेज मिल सकता है दहेज ही सबसे बड़ी योग्यता बन गई है। दहेज हत्याओं की बढ़ती घटनाएं अशुभ संकेत है आखिर दहेज हत्याऐं क्यों नहीं रुकती है यह एक यक्ष प्रशन बनता जा रहा है।भारत में दहेज हत्याओं की प्रतिशतता दर बढ़ती ही जा रही है 18 से 20 वर्ष की लड़कियों की संख्या के ज्यादा मामले प्रकाश में आ रहे हैं।इकलौती बेटियां बलि चढ़ाई जा रही है।समझ नहीं आता कि समाज के लोग चुप क्यों है अगर आज दूसरों की बेटी जलाने के मामले में चुप है मगर कल जब उनकी बेटियों के साथ ऐसा होगा तब भी क्या चुप रहेंगें।समाज को इन लोभियों का खात्मा करना होगा। दहेज प्रथा ने आज इतना भयानक रुप धारण कर लिया है कि समाज का प्रत्येक वर्ग इसके कारण दुखी है इसकी भयानकता का प्रमाण प्रतिदिन हो रही घटनाओं में साक्षात नजर आ रहा है।दहेज उन्मूलन के लिए प्रतिवर्ष लाखों रुपया खर्च किया जाता है सैमीनार लगाए जातें है रैलियां निकाली जाती है नारे लिखे जाते है, मगर नतीजा कुछ नहीं निकलता। जो जनता के मसीहा ऐसे कानून बनाते है वही लोग इसका सरासर उल्लघन करते हैं।बेशक देश में दहेज के खिलाफ ढेरों कड़े कानून बनाए है मगर वह कानून फाईलों की धूल चाट रहे हैं। पिछले बीते दस सालों के यह आंकड़े बहुत ही खौफनाक तस्वीर प्रस्तुत कर रहे हैं। आज बेटियों को जलाया जा रहा है यातनाएं दी जा रही हैं ऐसे कई रुह कंपा देने वाले मामले हर रोज देखने को मिल रहे हैं। गरीब घरों की बेटियां चारदीवारी के अन्दर ही अन्दर घुटती रहती है उनकी सिसकियां देखने वाला कोई नहीं है क्योंकि उन्हे डर होता है कि यदि विरोध किया तो न घर की रहेंगी न घाट की रहेंगी इसलिए चुपचाप नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं।राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरों में दर्ज मामले चैंकानें वाले है हर वर्ष इन घटनाओं में बेतहाशा वृद्धि हो रही है मगर सरकारें मूकदर्शक बनी हुई हैं।कानूनों का उल्लघन हो रहा है।दहेज प्रथा की जड़े गहरी होती जा रही है अगर समय रहते इन जड़ों को काटा नहीं गया तो बाद में पछतानें के सिवाय कुछ हासिल नहीं होगा।आज गरीबों की बेटियों को दहेज के लिए मारा जा रहा है।दहेज लोभियों को जमानतों पर छोड़ा जा रहा है।पैसें के बल पर जेलों से रिहा हो रहे है।फिर न्याय की उम्मीद किस से करें।गरीब आदमी कुछ नहीं कर पा रहे है।न्याय के लिए भटक रहे है पर न्याय नहीं मिल रहा है।दहेज लालची अपने बिगड़ैल लाडलों की दूसरी शादियां कर रहे हैं।विडम्बना देखिए की लोग इन अपराधियों से अपनी बेटियों की शादियां कर रहे है।समाज को ऐसे लोगों का बहिष्कार करना चाहिए जो दहेज के लिए मार चुके अपराधियों को अपनी बेटियां सौंप रहे है।ऐसे लोगों को तब होश आएगा जब उनकी बेटियां भी मौत के घाट उतारी जाएगी।ऐसे लोग समाज पर कलंक है जो दहेज लोभियों का साथ देते है। दहेज की प्रताड़नाओं से दुखी होकर बेटियां आत्महत्या कर रही है।छोटे-छोटे व दुधमुहें बच्चे-बच्चियां छूट रहे है। बिना मां के इन मासूम बच्चों का जीवन नरक बन रहा है।क्योंकि दहेज लोभी दूसरी शादियां कर रहे है।फिर इन बच्चों को नारकीय जीवन जीनें के लिए मजबूर होना पड़ता है।कानून के अनुसार दहेज लेना व देना कानूनी जुर्म है मगर इस नियम की सरेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।आज लोग भारी-भरकम दहेज दे रहे हैं जिस कारण यह प्रचलन दिन-प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है।गरीब लोग दहेज देने में असमर्थ है नतीजन ससुराल पक्ष के लोग उन्हे प्रताड़ित करते हैं।देश का कोई भी राज्य इस दहेज की बीमारी से अछूता नहीं है हर राज्य में दहेज हत्याओं के मामले घटित हो रहे हैं। सामाजिक संस्थाएं भी ऐसे मामलों पर रोक लगाने में नाकाम साबित हो रही है वे भी कुछ मामलों को ही तरजीह देती है दहेज हत्याओं का ग्राफ घटनें के बजाए निरंतर बढ़ता ही जा रहा है। कानून का लचीलापन तथा सरकारें इसके लिए जिम्मेवार हैं।आज पंजाब ,हरियाणा, हिमाचल व उत्तर प्रदेश,राजस्थान जैसे राज्यों मे प्रतिदिन ऐसे मामले हो रहे है। मुम्बई, कोलकाता ,दिल्ली व चैन्नई जैसे महानगरों में तो ऐसे मामले हदें पार कर चुके हैं क्योंकि वहां हर दिन दहेज हत्याएं होती है । मगर दहेज के लोभियों पर कोई सख्त कारवाई नहीं हो रही है नतीजन यह प्रथा विकराल रुप धारण करती जा रही है यदि सरकारें इन दहेज के लालचियों पर शिकंजा कसे तो इस प्रथा को रोका जा सकता है मगर राज्य सरकारें हाथ पर हाथ धरे तमाशा देख रही हैं।दहेज न देने के कारण आज गरीब लड़कियों की शादीआं नहीं हो रही है क्योंकि आज लोग दहेज के लालची हो गए हैं।आज लोग अपनी जमीन-जायदादे तथा सोने-चांदी के आभूषणों को गिरवी रखकर दहेज दे रहे है साहूकारों से पैसा उधार लेकर बेटियों के हाथ पीले कर रहे है ताकि शादी हो सके उसके बाद भी लालचियों का पेट नहीं भरता है। उसके बाद भी और दहेज लाने के लिए तंग करते हैं। अमीर व साधन-संपन्न लोग लाखों रुपयों का दहेज देते है मगर इसकी मार प्रत्यक्ष रुप से गरीबों पर पड़ रही है लोग देखा-देखी में ज्यादा से ज्यादा दहेज दे रहे है। धन्नासेठ इतना दहेज देते है कि उसकी कीमत लाखों में होती है। अक्सर देखा गया है कि कई रईस लोग नकद पैसा भी देते हैं। कार व कोठी तक देते हैं। जबकि संस्थाओं को ऐसे लोगों को कटघरे में खड़ा करके सजा दिलवानी चाहिए ताकि आने वाले समय में दहेज प्रथा पर पूर्ण रुप से प्रतिबन्ध लगाया जा सके। क्योंकि राजनेता से लेकर धन्नासेठ इतना दहेज देते है कि उसकी कीमत लाखों में होती है। अक्सर देखा गया है कि कई रईस लोग नकद पैसा भी देते हैं। कार व कोठी तक देते हैं। दहेज के विरुद्ध कुछ वर्ष पहले मेरठ की एक बहादुर लड़की निशा ने दहेज के लोभियों को ऐसा सबक सिखाया था कि उन्हे ताउम्र सबक याद रहेगा निशा एक मिसाल बन गई थी जब उसने बारात को वापिस भेजा ओर दहेज के लालचियों को पुलिस के हवाले करके हवालात भिजवाया था निशा के इस जज्बे को पूरा भारत सलाम करता है कि यदि हर लड़की निशा जैसा संबल दिखाए तो इस प्रथा का अंत हो जाएगा।सरकारों को इन मामलों को अनदेखा नहीं करना चाहिए।दहेज के कारण आज बेटियों का जीवन बरबाद हो रहा है कई घरों की इकलौती बेटियां दहेज की बलि चढ़ाई जा रही हैं। सरकारों को एक ऐसी कमेटियां गठित करनी चाहिए कि जो लोगों को जागरुक कर सकें ताकि एकजुट होकर इस प्रथा के खिलाफ कदम उठ सकें। समाज को इस कुरीती के विरुद्ध खड़ा होना पड़ेगा तब इस पर विराम लग सकता है। दहेज के लिए मानव से दानव बन चुके इन लोगों को सजा ए मौत देनी चाहिए।सरेआम चोराहो पर सजा देनी चाहिए ताकि समाज के दूसरे लोग भी सबक सीख सकें। अगर अब भी सरकारों से लापरवाही बरती तो दहेज हत्याएं होती रहेगी।

मदर टेरेसा: गरीबों की सांसों में बसने वाली संत

- योगेश कुमार गोयल

मदर टेरेसा का नाम सुनते ही मानवता, करुणा और सेवा का पवित्र स्वरूप आंखों के सामने उभर आता है। उनका जीवन इस तथ्य का सबसे बड़ा प्रमाण है कि निस्वार्थ भाव से दूसरों के दुःख को दूर करने का संकल्प ही मनुष्य को वास्तविक अर्थों में महान बनाता है। 26 अगस्त 1910 को अल्बानिया के स्कोप्जे में एगनेस गोंझा बोयाज्दू के रूप में जन्मी इस नन्हीं बालिका ने बचपन से ही धर्म और सेवा के प्रति गहरी आस्था प्रकट की थी। जब वे केवल 12 वर्ष की थी, तभी उनके भीतर यह संकल्प जाग उठा था कि उनका जीवन केवल दूसरों की भलाई के लिए समर्पित होगा। यही संकल्प आगे चलकर उन्हें पूरी मानवता के लिए करुणा की मूर्ति बना गया।

18 वर्ष की आयु में उन्होंने 'सिस्टर्स ऑफ लोरेटो' से जुड़कर धार्मिक जीवन की ओर कदम बढ़ाए और 1929 में भारत आई। कलकत्ता स्थित सेंट मैरी स्कूल में उन्होंने अध्यापिका के रूप में कार्य करना शुरू किया। अध्यापन कार्य के दौरान वे छात्रों को केवल पढ़ाई ही नहीं, अनुशासन और नैतिक मूल्यों का भी पाठ पढ़ाती थी किंतु धीरे-धीरे उनका मन स्कूल की चारदीवारी से बाहर रहने वाले निर्धन, रोगग्रस्त और बेसहारा लोगों की ओर अधिक खिंचने लगा। 1946 में दार्जिलिंग की यात्रा के दौरान उन्हें अपने जीवन का वास्तविक ध्येय मिला। उन्होंने महसूस किया कि उन्हें शिक्षण कार्य से ऊपर उठकर गरीबों और असहायों की सीधी सेवा करनी चाहिए। यह क्षण उनके जीवन की दिशा बदल देने वाला साबित हुआ। कलकत्ता की झुग्गियों और गलियों में रहने वाले लोगों की असहनीय पीड़ा को देखकर उन्होंने 1950 में मिशनरीज ऑफ चैरिटी की स्थापना की। इस संस्था का मुख्य उद्देश्य था सबसे गरीब, सबसे लाचार और सबसे उपेक्षित लोगों की निःस्वार्थ सेवा करना। संस्था का ध्येय वाक्य ही था, 'सबसे गरीबों में भी सबसे गरीब की सेवा'। मदर टेरेसा ने सेवा की परिभाषा केवल भोजन और दवा देने तक सीमित नहीं रखी बल्कि उनके लिए सेवा का अर्थ था पीड़ित व्यक्ति को यह अनुभव कराना कि वह अकेला नहीं है, उसे प्यार और सम्मान मिला हुआ है। यही कारण था कि वे सदैव कहा करती थी, 'हम बड़े-बड़े कार्य नहीं कर सकते लेकिन हम छोटे-छोटे कार्य बड़े प्रेम से कर सकते हैं।' उनके आश्रमों में केवल भोजन या उपचार की सुविधा ही नहीं दी जाती थी बल्कि वहां पीड़ित व्यक्तियों को जीवन की गरिमा और आत्मसम्मान भी लौटाया जाता था। उन्होंने कुष्ठ रोगियों को समाज में सम्मान दिलाने के लिए आश्रम बनाए, अनाथ और परित्यक्त बच्चों के लिए घर खोले और मृत्युशैया पर पड़े लोगों को अंतिम क्षणों में भी प्रेम और स्नेह का अहसास कराया। उनकी संस्था धीरे-धीरे भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में फैल गई, जिसके सैकड़ों केंद्र आज विभिन्न देशों में मानव सेवा का कार्य कर रहे हैं। मदर टेरेसा की असाधारण सेवाओं को देखते हुए उन्हें अनेक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। 1962 में भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री से अलंकृत किया और 1980 में 'भारत रत्न' प्रदान कर सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया। विश्व स्तर पर उन्हें 1979 में नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया। इसके अतिरिक्त अनेक देशों ने उन्हें अपने सर्वोच्च सम्मानों से विभूषित किया किंतु इन सब पुरस्कारों और मान-सम्मानों के बीच भी वे सदैव विनम्र बनी रही और स्वयं को केवल ईश्वर का साधन मानती रही। उनके जीवन और कार्यों की इतनी ऊंचाई होने के बावजूद वे आलोचनाओं से अछूती नहीं रही। कई बार उन पर धर्मांतरण के आरोप लगाए गए तो कई बार उनके आश्रमों में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं की कमी की बात उठाई गई किंतु यह निर्विवाद सत्य है कि मदर टेरेसा ने लाखों असहायों को आशा, सहारा और जीवन का सम्मान प्रदान किया। उनके कार्यों का व्यापक प्रभाव इसी से समझा जा सकता है कि वे समाज की उस परत तक पहुंची, जिसे प्रायः शासन और व्यवस्था भी अनदेखा कर देती थी। 5 सितंबर 1997 को 87 वर्ष की आयु में जब उनका निधन हुआ, तब समूचे विश्व ने उन्हें खोने का दुःख अनुभव किया। उनके अंतिम संस्कार में दुनिया के अनेक देशों के नेता उपस्थित हुए और भारत ने उन्हें राजकीय सम्मान के साथ विदाई दी। उनकी मृत्यु के बाद भी उनकी संस्था 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' उसी निष्ठा से मानवता की सेवा में कार्यरत है। 2016 में पोप फ्रांसिस ने उन्हें संत की उपाधि प्रदान की, जिससे उनका जीवन एक वैश्विक आध्यात्मिक प्रेरणा का प्रतीक बन गया। मदर टेरेसा का जीवन इस तथ्य को रेखांकित करता है कि वास्तविक महानता किसी पद, संपत्ति या शक्ति में नहीं बल्कि निस्वार्थ सेवा और करुणा में निहित है। उन्होंने यह साबित किया कि जब तक हम दूसरों के दुःख को अपना नहीं मानते, तब तक जीवन का सही अर्थ अधूरा रहता है। आज जब दुनिया हिंसा, असमानता और स्वार्थ की चपेट में है, तब मदर टेरेसा का संदेश पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठता है। उन्होंने सिखाया कि प्रेम और करुणा ही वह शक्ति है, जो मानवता को जोड़ सकती है। उन्होंने धर्म, जाति और भाषा की सीमाओं से परे जाकर यह बताया कि इंसानियत ही सबसे बड़ा धर्म है। यही उनकी सबसे बड़ी विरासत है, जिसे आगे बढ़ाना हर व्यक्ति का कर्तव्य है। मदर टेरेसा की जयंती का अवसर केवल स्मरण का नहीं बल्कि आत्ममंथन का अवसर है, जो हमें यह सोचने पर विवश करता है कि हम अपने जीवन में कितना समय और कितनी संवेदनशीलता समाज के जरूरतमंदों के लिए समर्पित करते हैं। यदि हर व्यक्ति अपने आसपास के जरूरतमंदों के लिए थोड़ा-सा भी प्रयास करे तो समाज में फैली असमानता और पीड़ा काफी हद तक कम हो सकती है। मदर टेरेसा का जीवन हमें यही सिखाता है कि सच्चा धर्म केवल मानव सेवा है और सच्ची पूजा केवल करुणा है।

हंगामा है क्यों बरपा: अपराध और राजनीति का पुराना संबंध

- ओमप्रकाश मेहता

देश के मौजूदा गृहमंत्री के राजनीति को अपराध मुक्त बनाने के प्रयासों पर आखिर संसद में प्रतिपक्षी कांग्रेस इतना हंगामा खड़ा क्यों कर रही है? यद्यपि गृहमंत्री जी ने यह संकल्प लेकर एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी वहन की है, क्योंकि हमारे देश में राजनीति और अपराध का मधुर रिश्ता पीढ़ी दर पीढ़ी चला आ रहा है और इसे एक झटके में खत्म करने का प्रयास वास्तव में गृहमंत्री का साहसिक व जोखिम भरा कदम है, लेकिन वास्तव में गृहमंत्री जी इसके लिए बधाई के पात्र हैं। पिछले दिनों एक संविधान संशोधन संसद ने पारित कर राष्ट्रपति को भेजा है, जिसके तहत गंभीर अपराधिक मामलों में कम से कम 30 दिन की जेल की हवा खाने वाले राजनेताओं को प्रधानमंत्री से लेकर राज्य के मंत्री पद पानी के अधिकार से वंचित किया गया है, इस प्रस्ताव के विरोध में प्रतिपक्ष कांग्रेस ने संसद में जमकर हंगामा किया क्योंकि आजादी के बाद से अब तक अधिकांश समय कांग्रेस ही सत्ता में रही और आपराधिक प्रकरणों में जेल की सर्वाधिक हवा खाने वाले भी ये ही लोग है, कांग्रेस की सबसे बड़ी आशंका या चिंता यही है कि यदि यह प्रस्ताव कानून बन गया तो न सिर्फ संसद बल्कि अनेक गैर-कांग्रेस शासित राज्यों की विधानसभाओं से भी प्रतिपक्ष साफ हो जाएगा और फिर सत्तापक्ष के कुछ असंतुष्टों को प्रतिपक्ष की भूमिका का निर्वहन करना पड़ेगा। केंद्रीय गृहमंत्री की इस का पहल के बाद जो आंकड़े सामने आए हैं, वे काफी चौंकाने वाले हैं, देश के 40 फीसदी मुख्यमंत्रियों पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं, एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म (एडीआर) की नई ताजा रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है। यह जानकारी मौजूदा मुख्यमंत्रियों के शपथ पत्रों के आधार पर तैयार की गई है, यह रिपोर्ट ऐसे समय आई है जब केंद्र इससे संबंधित एक नया कानून लाने की तैयारी में है, इसके तहत अगर पीएम, सीएम पर गंभीर आपराधिक प्रकरण हैं और वे 30 दिन या इससे अधिक जेल में रहे हैं, तो उन्हें पद से हटाया जा सकता है। अब इस प्रस्ताव के बाद जो रिपोर्ट सामने आई है उसके अनुसार तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर सबसे अधिक 89 गंभीर आपराधिक प्रकरण दर्ज है और वे निर्धारित अवधि से अधिक जेल की हवा खा चुके हैं, इनके बाद तमिलनाडु के स्टालिन, आंध्रप्रदेश के चंद्रबाबू नायडू, कर्नाटक के सिद्दार भैया सहित देश के एक दर्जन से अधिक मुख्यमंत्री हैं, जो इस कानून के दायरे में आते हैं। यदि इन विवादित मुख्यमंत्रियों की संपत्ति की बात करें तो चंद्रबाबू नायडू के पास ही सबसे अधिक अर्थात कुल 931.80 करोड़ रुपए की सपत्ति है, इनके बाद पेमाखांडू, सिद्दार भैया, नेफ्यूरियो आदि हैं, हमारे मुख्यमंत्री मोहन यादव के पास 42.04 करोड़ की सपत्ति है, देश के सबसे कम संपत्ति वाले पांच मुख्यमंत्री में सर्वप्रथम ममता बनर्जी है, जिनके पास सिर्फ 15.3 लाख की संपत्ति है, इनके बाद उमर अब्दुल्ला (55.2 लाख) आदि है। आजादी के बाद अब शायद पहली बार राजनीति से संपत्ति के जिक्र का ब्यौरो सामने आया है। इस रिपोर्ट में यह भी उल्लेख है की देश के सभी मुख्यमंत्री के पास कुल मिलाकर 1632 करोड़ की संपत्ति है और देश के हर 10 मुख्यमंत्रियों में से चार मुख्यमंत्रियों के खिलाफ अपराधिक मामले दर्ज है।

आज का राशिफल

मेष आज कार्यक्षेत्र में आपके पक्ष में कुछ परिवर्तन हो सकते हैं, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

तुला विद्यार्थियों को शिक्षा या किसी प्रतियोगिता के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि प्राप्त हो सकती है।

वृषभ आज व्यापार के मामले में कोई शुभ समाचार सुनने को भी मिल सकता है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

वृश्चिक आज आर्थिक मामलों में दिन उत्तम रहेगा और आपके मान-सम्मान में भी वृद्धि होगी।

मिथुन कार्यक्षेत्र में अधिकारी के सहयोग से आपकी उत्तम संपत्ति प्राप्त करने की इच्छा पूर्ण हो सकती है।

धनु साधनों में वृद्धि होगी और घर के जरूरत के सामान खरीदने पर भी आप कुछ पैसे खर्च कर सकते हैं।

कर्क आज आर्थिक मामलों में लाभ मिलने के योग हैं। अचानक बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति हो सकती है।

मकर आज व्यवसाय के क्षेत्र में समय अनुकूल रहेगा और लाभ कमाने के कई अवसर प्राप्त हो सकते हैं।

सिंह आज राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों का दिन अच्छा रहने वाला है। आपको बड़ी सफलता प्राप्त हो सकती है।

कुंभ सामान्य से कम अच्छा रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य से जुड़ी कोई समस्या होने के संकेत हैं।

कन्या सक्रिय रहने, मेहनत और लगन के साथ काम करने से आपको सकारात्मक परिणाम प्राप्त होंगे।

मीन बिजनेस के मामले में दिन अच्छा रहने वाला है। कामधंधे उन्नति प्राप्त होने से आप खुश रहेंगे।

विशेष

उमा भारती एक बार फिर राजनीति के मैदान में

मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व केंद्रीय मंत्री उमा भारती एक बार फिर चर्चाओं में आ गई हैं। उन्होंने राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा की थी। लेकिन कुछ महीनो से वह पूरी तरह से राजनीति में सक्रिय हो गई हैं। उत्तर प्रदेश के बरेली के बाला में उन्होंने स्वतंत्रता सेनानी अवंती बाई के कार्यक्रम में लोधी जाति की राजनीति के लिए एक बार फिर वह अग्रसर हैं। उल्लेखनीय उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में बड़ी संख्या में लोधी मतदाता हैं। जो पिछड़े वर्ग में आते हैं। इस कार्यक्रम में मोदी सरकार के मंत्री बीएल वर्मा और सांसद साक्षी महाराज भी शामिल थे। उमा भारती का लोधियों के बीच बड़ा प्रभाव है। कल्याण सिंह के बाद अब राजनीति में नेतृत्व नहीं मिल रहा है। उमा भारती नेतृत्व देने के लिए तैयार हो गई हैं।

राजभवन से हेमंत सोरेन को गिरफ्तार कराया था

उपराष्ट्रपति पद के लिये सत्ता पक्ष के उम्मीदवार राधा कृष्णनन ने जब वह झारखंड के राज्यपाल थे। राजभवन से ईडी के अधिकारियों ने उन्हें गिरफ्तार किया था। जिसके कारण विपक्षी दलों में उनकी इमेज अच्छी नहीं मानी जाती है। सत्ता पक्ष का एक बड़ा वर्ग उन्हें अच्छा नहीं मानता है। अंतरात्मा की आवाज में सांसद किस को अपना मत देंगे। इसको लेकर तरह-तरह की चर्चाएं चल रही हैं। सांसदों ने चाहे वह सत्ता पक्ष के हों, या विपक्ष के हों, सभी ने मोन साध रखा है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1303: अलाउद्दीन खिलजी ने चित्तौड़गढ़ पर कब्जा किया. 1316: तोपखाने का प्रयोग पहली बार उत्तरी फ्रांस में क्रेसी की लड़ाई में हुआ. 1541: तुर्की के सुल्तान सुलेमान प्रथम ने बुडा और हंगरी पर कब्जा कर अपना प्रांत बना लिया. 1847: लाइबेरिया स्वतंत्र गणराज्य बना. 1859: ब्रिटेन और जापान ने व्यापारिक समझौते पर हस्ताक्षर किए. 1896: स्पेनियों के खिलाफ फिलीपींस में विद्रोह शुरू हुआ. 1914: बंगाल के क्रांतिकारियों ने कलकत्ता बंदरगाह के पचास माउजर पिस्तौलें और 46 हजार चक्र गोलियां लूट ली. 1915: प्रथम विश्व युद्ध में जर्मनी ने रूस के ब्रेस्त लिटोवस्क पर कब्जा किया. 1934: हिटलर ने फ्रांस से कहा कि सार का क्षेत्र जर्मनी को सौंप दे. 1936: मिस्र पर ब्रिटिश का कब्जा समाप्त हुआ. 1937: जापान ने चीनी जहाजरानी की नाकेबंदी की.

दैनिक पंचांग

अगस्त 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

2025 वर्ष का 237 वा दिन
दिशाशूल पूर्व ऋतु वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 शक संवत् 1947
मास भाद्रपद पक्ष शुक्ला
तिथि द्वितीया 12.35 बजे को समाप्त।
नक्षत्र उत्तराफाल्गुनी 03.50 बजे को रात्र समाप्त।
योग सिद्ध 12.06 बजे को समाप्त।
करण कौलव 12.35 बजे तदनन्तर तैतिल 01.11 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 1.8 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 10° 44'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872447
जूलियन दिन 2460912.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रबि उलावल तारीख 01
विशेष वराह जयंती।

ग्रह	स्थिति
सूर्य	सिंह में
चंद्र	सिंह में
मंगल	कन्या में
बुध	कर्क में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	कर्क में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
कन्या	07.20 बजे से
तुला	09.31 बजे से
वृश्चिक	11.46 ब.से
धनु	14.02 बजे से
मकर	16.07 बजे से
कुंभ	17.54 बजे से
मीन	19.26 बजे से
मेष	20.57 बजे से
वृष	22.37 बजे से
मिथुन	00.35 बजे से
कर्क	02.49 बजे से
सिंह	05.05 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	06.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

पोटका में गौ तस्करी का मामला उजागर :बोलेरो से चार बैल बरामद ; तीन की मौत, एक पशु की हालत गंभीर

जमशेदपुर, एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका थाना क्षेत्र के गीतिलता गांव के पास सोमवार तड़के गौ तस्करी का एक बड़ा मामला सामने आया। पुलिस ने ग्रामीणों की सूचना पर एक बोलेरो वाहन से चार बैलों को बरामद किया। इनमें से तीन बैल मृत पाए गए, जबकि एक बैल मरणासन्न अवस्था में मिला। पुलिस के अनुसार, मवेशियों को उड़ीसा के दुंदु से जमशेदपुर लाया जा रहा था। तड़के रास्ते में बोलेरो खराब हो गई। इसके बाद वाहन में सवार तस्कर मौके से फरार हो गए। वाहन से आ रही कराहने की आवाज सुनकर ग्रामीणों ने नजदीकी पुलिस को सूचना दी।ग्रामीणों ने बताया कि तस्करों ने चारों बैलों को जबरन छोटी बोलेरो में ठूंस दिया था। उनकी जीभ और पैरों को मोटे रस्सों से कसकर बांधा गया था। दम घुटने और अत्यधिक दबाव की वजह से तीन बैलों की मौके पर ही मौत हो गई। वाहन का दरवाजा खोलने पर अंदर का नजारा देख ग्रामीण दंग रह गए। पुलिस और ग्रामीणों ने मिलकर किसी तरह एक जीवित बैल को बाहर निकाला। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस इलाके में लगातार मवेशी तस्करी की घटनाएं सामने आ रही हैं। इसके बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से सख्त कदम उठाने और ऐसे अपराधियों पर नकेल कसने की मांग की है।पोटका थाना प्रभारी ने बताया कि वाहन को जब्त कर लिया गया है। फरार तस्करों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गंभीर बीमारियों की दवाओं को 0प्रतिशत स्लैब में रखने की अपील

रांची, एजेंसी। रांची7 ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स (एआईओसीडी) और झारखंड केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन ने दवाओं पर कर का बोझ घटाने की मांग उठाई है। एआईओसीडी अध्यक्ष जेएस शिंदे और महासचिव राजीव सिंघल ने वित्त मंत्री एवं जीएसटी काउंसिल की चेयरपर्सन निर्मला सीतारमण से आग्रह किया कि सभी दवाओं को 5प्रतिशत जीएसटी स्लैब में लाया जाए, जबकि कैंसर, किडनी, हृदय रोग और दुर्लभ बीमारियों की जीवनरक्षक दवाओं को 0प्रतिशत जीएसटी (मुक्त श्रेणी) में शामिल किया जाए। एआईओसीडी पदाधिकारियों ने कहा कि दवाइयां विलासिता की वस्तु नहीं बल्कि जीवनरक्षक साधन हैं। यदि जीएसटी कम किया जाता है तो इसका सीधा लाभ लाखों मरीजों और उनके परिवारों को मिलेगा, खासकर उन लोगों को जिनके पास स्वास्थ्य बीमा नहीं है। झारखंड केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं कोषाध्यक्ष उमेश कुमार श्रीवास्तव ने भी इस मांग का समर्थन किया और कहा कि गंभीर बीमारियों की दवाओं को 0 प्रतिशत जीएसटी में रखना मरीजों के लिए राहतकारी कदम होगा।

कैमरून में फंसे झारखंड के 17 मजदूर सुरक्षित लौटे, दो की वापसी आज ; आपबीती सुन रो देंगे आप

रांची, एजेंसी। अफ्रीका के कैमरून में पिछले कई महीनों से फंसे झारखंड के 17 प्रवासी मज़दूर विदेश मंत्रालय के हस्तक्षेप के बाद सोमवार को सुरक्षित लौट आए। बोकारो और हजारीबाग ज़िलों के ये मज़दूर उन 19 लोगों में सम्मिलित थे, जो बिजली परियोजनाओं में लगी कंपनी ट्रांसरेल लाइटिंग लिमिटेड में काम करने के लिए एक निजी एजेंसी के ज़रिए पश्चिम अफ्रीकी देश गए थे। मजदूरों ने इंटरनेट मीडिया पर एक वीडियो जारी कर आरोप लगाया था कि कंपनी ने चार महीने तक उनका वेतन नहीं दिया, जिससे वे गंभीर आर्थिक संकट में फंस गए। खाने-पीने या अन्य ज़रूरी सामान खरीदने के लिए भी उनके पास पैसे नहीं हैं। साथ ही केंद्र और झारखंड सरकार दोनों से मदद की अपील की। इसपर राज्य सरकार के श्रम विभाग ने संज्ञान लेते हुए विदेश मंत्रालय को औपचारिक रूप से सूचित करते हुए तत्काल हस्तक्षेप का अनुरोध किया। विदेश मंत्रालय ने न केवल उनकी सुरक्षित वापसी कराई, बल्कि यह भी सुनिश्चित किया कि कंपनी उनके बकाया वेतन का भुगतान करे। हजारीबाग और बोकारो के एक-एक मजदूर मंगलवार को लौटेंगे।

केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा- ग्रामीणों के आंदोलन से डर गई सरकार, रैयतों की बात सुनी जानी चाहिए

पलामू, एजेंसी। रांची में रिम्स-2 के मामले में ग्रामीणों के आंदोलन से सरकार डर गई है। यही वजह है कि पूर्व मुख्यमंत्री को हाउस अरेस्ट किया गया था। यह बात केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने पलामू में कही है। अन्नपूर्णा देवी भारतीय जनता पार्टी के मनोज सिंह के पिता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व विभाग संचालक ध्रुव नारायण सिंह को श्रद्धांजलि देने पलामू पहुंची थीं। ध्रुव नारायण सिंह का कुछ दिनों पहले निधन हो गया था। इसी दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि झारखंड सरकार के पास कोई भी कंस्ट्रक्टिव काम के लिए विजन नहीं है। ग्रामीण एवं भारतीय जनता पार्टी की तरफ से लोकतांत्रिक तरीके से विरोध प्रदर्शन हो रहा था। लेकिन जिस तरह से जल जंगल जमीन की बात करने वाली सरकार ने कार्रवाई की है यह बताता है कि सरकार डर गई है।रिम्स 2 के मामले में निश्चित रूप से रैयतों की बात सुननी चाहिए।

सूर्या हासदा के परिवार से मिले चंपाई सोरेन, कहा-

शोषित और पीड़ित की आवाज थे एनकाउंटर की सीबीआई जांच हो

ललमटिया (गोड्डा), एजेंसी। सूर्या हांसदा पुलिस एनकाउंटर मामले को लेकर झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन सोमवार को स्व सूर्या हांसदा के स्वजनों से मिलकर पूरी घटनाक्रम की जानकारी ली। ललमटिया के डकैता स्थित स्व हांसदा के आवास पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए पूर्व सीएम ने कहा कि सूर्या क्षेत्र के शोषितों और पीड़ितों की आवाज थे। वह क्षेत्र की अस्तित्व और अस्मिता को बचाने के लिए अन्याय के खिलाफ आवाज उठा रहे थे, इसलिए उनकी फर्जी एनकाउंटर कर हत्या कर दी गई।

उन्होंने कहा कि सूर्या का किसी गरीब और समाज के लोगों से कोई व्यक्तिगत लड़ाई नहीं था। वो हमेशा कंपनी ,पत्थर माफिया, खनन भू माफिया के खिलाफ आवाज उठाते थे। सरकार से जल जंगल जमीन और स्वास्थ्य और शिक्षा नीति को लेकर आवाज उठाते थे। यदि वह अपराधी होते तो गरीब बच्चों को निशुल्क शिक्षा नहीं देते।

उन्होंने कहा कि सूर्या ने ललमटिया के डकैता स्थित अपने आवास में अपने निजी जमीन पर चांद भैरव राजराज स्कूल खोलकर लगभग 300 बच्चों को शिक्षा देने का काम कर रहे थे। उन्होंने उन 300 बच्चों से मिलकर उनकी बातों को सुना और सूर्या हांसदा के संबंध में पूछा।

बच्चों ने कहा कि सूर्या हांसदा हम सबों के लिए मसीहा थे। हम उनके सानिध्य में रहकर पढ़ाई लिखाई कर रहे थे। अब हमारे पढ़ाई लिखाई कैसे होगी, इसका जिम्मा सरकार ले, हमारी पढ़ाई बंद नही होनी चाहिए, सूर्या हांसदा का फर्जी एनकाउंटर किया गया है। इसकी सीबीआई से जांच होना चाहिए।

उन्होंने सूर्या हांसदा का पुलिस एनकाउंटर फर्जी बताया। उन्होंने कहा कि सूर्या हांसदा के ऊपर 25 कैसे जरूर थे, लेकिन 14 केस में उन्हें बरी कर दिया गया था। न्यायालय की ओर से पांच केस बेल पर थे।

इससे साबित होता है कि सूर्या कोई अपराधी नहीं थे। कोर्ट ने भी यह समझ गया था कि वह अन्याय के खिलाफ शोषण के खिलाफ आवाज उठा रहे थे, इसलिए तो उन्हें 14 केस में बरी किया गया है।

उन्होंने कहा कि जितने झारखंड आंदोलनकारी थे, यहां के आदिवासी मूलवासी अलग राज्य के लिए मांग कर रहे थे, उनके खिलाफ भी कई आपराधिक केस किए गए थे, लेकिन उन्हें इस तरह से फर्जी एनकाउंटर कर नहीं मारा गया।

चंपाई ने कहा कि सूर्या अपने क्षेत्र के लिए अपने समाज के लिए गरीबों के लिए संघर्ष कर रहे थे। उनकी फर्जी एनकाउंटर के तहत हत्या की गई है, इसकी जांच केवल और केवल सीबीआई से होनी चाहिए, कोई दूसरी एजेंसी से नहीं होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि यहां के आदिवासी मूलवासी सरकार से सुरक्षा की उम्मीद नहीं कर सकते, क्योंकि सरकार अब तक कोई इस घटना का संज्ञान नहीं लिया है।

राज्य में 29 से 31 अगस्त तक भारी बारिश का यलो अलर्ट

रांची, एजेंसी। रांची सहित राज्य में सोमवार को कहीं-कहीं हल्की और मध्यम दर्जे की बारिश हुई। रांची में मात्र 7 एमएम बारिश हुई, जबकि खूंटी में सबसे अधिक 20 एमएम वर्षा दर्ज की गई। दरअसल, झारखंड से निम्न दबाव का क्षेत्र आगे बढ़ गया है, इसी वजह से पिछले 24 घंटे में राज्य में भारी बारिश नहीं हुई। दिन के दौरान आसमान साफ होने और धूप निकलने से लोगों ने राहत की सांस ली।

मौसम विभाग के अनुसार 27 अगस्त को राज्य के कुछ हिस्सों में गर्जन के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। वहीं, 28 अगस्त को भी कई जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना है। 29 अगस्त से एक बार फिर लो-प्रेशर एरिया एक्टिव होगा। इसके कारण राज्य के अधिकांश हिस्सों में झमाझम बारिश होगी। खासकर दक्षिण-पूर्वी और उत्तर-पूर्वी जिलों, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा, देवघर, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा, साहेबगंज और पाकुड़ में भारी बारिश का पूर्वानुमान है। 30 और 31 अगस्त को राज्य के पूर्वी और निकटवर्ती मध्य भागों में भी भारी बारिश हो सकती है। इस दौरान 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी और वज्रपात की आशंका भी बनी रहेगी। विभाग ने 20 से 31 अगस्त तक राज्य के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। उधर, बीते 24 घंटे में रामगढ़ के चितरपुर में सबसे अधिक 38।4 एमएम बारिश दर्ज की गई।

राज्य में लगातार बदलते मौसम ने लोगों की सेहत बिगाड़ दी है। कभी ठंडक तो कभी बारिश और उमस भरी गर्मी के कारण मौसमी बीमारियों का प्रकोप बढ़ गया है।

साहिबगंज के कलाकार अमृत प्रकाश ने गुरुजी को दी अनोखी श्रद्धांजलि, दीवारों पर उकेरी शिबू सोरेन की संघर्ष गाथा

साहिबगंज, एजेंसी। जिले के प्रसिद्ध कलाकार अमृत प्रकाश ने साहिबगंज सर्किट हाउस के सभागार में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत दिशोम गुरु शिबू सोरेन के जन्म से लेकर मृत्यु तक का सफर अपने चित्रों के माध्यम से दर्शाया है। शिबू सोरेन की संघर्ष की गाथा को काफी सुंदर और आकर्षक तरीके से पेश किया है। दिशोम गुरु के सामाजिक आंदोलन में महत्वपूर्ण योगदान , किन परिस्थितियों में वे आगे बढ़े व कैसे बराकर नदी में मोटरसाइकिल से कूदकर जान बचाई और झारखंड अलग होने के बाद मुख्यमंत्री बने इस तमाम पलों को अपनी कला के माध्यम से दीवारों पर उकेरा है।

बताते चलें कि धनबाद के टुंडी आश्रम की स्थापना कर शिबू सोरेन ने सोनोत संथाल समाज की नींव रखी थी। इस संगठन का उद्देश्य समाज सुधार, महिला सशक्तीकरण और शराब-निषेध था। उन्होंने 19 सूत्री कार्यक्रम की भी घोषणा की थी। जिसमें स्वरोजगार और आदिवासियों-गैर-आदिवासियों के बीच विवादों के निपटारे के लिए चेताब बैसी का गठन किया था। दिशोम गुरु के सामाजिक और राजनीतिक संघर्ष व सफर को कलाकार अमृत प्रकाश ने दीवारों पर उकेरा है।

वहीं जिलेवासियों के बीच अमृत प्रकाश की इस कला की काफी चर्चा हो रही है। वहीं स्कूली बच्चे प्रतिदिन सर्किट हाउस के सभागार पहुंचकर दीवारों पर उकेरी गई दिशोम गुरु शिबू सोरेन के जन्म से लेकर निधन तक के सफर को देख रहे हैं और सीख ले रहे हैं। यह दिशोम गुरु पर राज्य की पहली मिनिएचर गैलरी है। जिसे मात्र 10 दिनों में तैयार किया गया।

इस संबंध में कलाकार अमृत प्रकाश ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के तीन दिन बाद इस पर कार्य शुरू किया था।

धनबाद होकर कोलकाता से कानपुर के लिए चलेगी स्पेशल ट्रेन, जानिए टाइमिंग और रूट

धनबाद, एजेंसी। धनबाद होकर कोलकाता से कानपुर सेंट्रल के लिए स्पेशल ट्रेन चलेगी। 04153 कानपुर सेंट्रल-कोलकाता स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को 18 सितंबर से 13 नवंबर तक चलेगी। कानपुर सेंट्रल से दोपहर एक बजे चलकर देर रात 12~45 पर गोमो, रात 1~40 पर धनबाद एवं सुबह 7~50 पर कोलकाता पहुंचेगी। 04154 कोलकाता-कानपुर सेंट्रल स्पेशल प्रत्येक शुक्रवार को 19 सितंबर से 14 नवंबर तक चलेगी। कोलकाता से दिन में 10~45 पर चलकर दोपहर 3~30 पर धनबाद, 3~58 पर गोमो एवं अगले दिन अलसुबह 4~30 पर कानपुर सेंट्रल पहुंचेगी।

इस ट्रेन का ठहराव बर्द्धमान, दुगापुर, आसनसोल, धनबाद, गोमो, पारसनाथ, कोडरमा, गया, डेहरी आन सोन, डीडीयू, मीरजापुर, प्रयागराज व फतेहपुर में होगा। यात्रियों की सुविधा के लिए स्लीपर के आठ, जनरल के आठ, थर्ड एसी के दो व सेकंड एसी का एक कोच जोड़ा जाएगा।

बर्द्धमान से हटिया के बीच चलने वाली मेमू मंगलवार से गोमो तक जाएगी और वहीं से लौटेगी। इसके बाद 28, 29 व 31 अगस्त को भी गोमो तक ही चलाई जाएगी। धनबाद से झाड़ग्राम तक जानेवाली मेमू 31 अगस्त तक बोकारो तक जाएगी। वापसी में बोकारो से धनबाद तक चलेगी। आद्रा रेल मंडल में रोलिंग ब्लाक के कारण दोनों ट्रेनें गंतव्य तक नहीं जाएंगी। कोरोना काल के दौरान बर्नपुर स्टेशन पर बंद टाटा छपरा एक्सप्रेस, दुर्ग आरा साउथ बिहार एक्सप्रेस, अर्नाकुलम पटना एक्सप्रेस सहित सभी ट्रेनें लगभग साढ़े पांच वर्ष के बाद इस्पात नगरी के बर्नपुर स्टेशन पर एक सितंबर से पहले की तरह रुकेगी। लोगों की परेशानियों को ध्यान में रखते हुए आसनसोल दक्षिण की विधायक सह भाजपा की राज्य महासचिव अग्निमित्रा पाल ने कई बार रेलमंत्री एवं आद्रा के तत्कालीन मंडल रेल प्रबंधक सुमित नरूला को पत्र लिखकर बंद ट्रेनों के ठहराव के फिर से बर्नपुर स्टेशन पर ठहराव के लिए मांग की थी।

पिछले वर्ष छह दिसंबर 2024 को विधायक अग्निमित्रा पाल ने बर्नपुर इस्पात नगरी की मांगों के लिखित आवेदन के साथ दिल्ली में जाकर रेलमंत्री अश्वनी वैष्णव से मुलाकात कर ट्रेनों के ठहराव की मांग की थी।विधायक के लगातार प्रयास एवं आद्रा रेल मंडल के तत्कालीन डीआरएम सुमित नरूला की पहल के कारण ही रेलमंत्री अश्वनी वैष्णव के निर्देश पर रेलवे बोर्ड ने 11 अगस्त को दक्षिण पूर्व रेलवे को निर्देश जारी किया था।

झारखंड में खुलेंगे दो नए चिड़ियाघर और टाइगर सफारी, मुख्य वन संरक्षक ने की घोषणा

जमशेदपुर, एजेंसी। झारखंड में वन्यजीव प्रेमियों और पर्यटकों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। राज्य को जल्द ही दो नए चिड़ियाघर और एक टाइगर सफारी की सौगात मिलने वाली है।

प्रदेश सरकार ने गिरिडीह और दुमका में दो नए चिड़ियाघर स्थापित करने का प्रस्ताव तैयार किया है, साथ ही पलामू टाइगर रिजर्व के पास एक भव्य टाइगर सफारी भी विकसित की जाएगी।

यह महत्वपूर्ण घोषणा झारखंड के मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एसआर नतेशा ने सोमवार को बिष्टुपुर स्थित सेंटर फार एक्सीलेंस में आयोजित एक उच्च-स्तरीय कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में की।

यह घोषणा उस महत्वपूर्ण अवसर पर की गई, जब जमशेदपुर पूर्वी भारत के वन्यजीव विशेषज्ञों का केंद्र बना हुआ है। यहां केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण (सीजेडए) के सौजन्य से और टाटा स्टील जूलॉजिकल पार्क की मेजबानी में पूर्वी भारत के 23 चिड़ियाघरों से आए 34 कीपरों (रखवालों) के लिए चार दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला शुरू हुई है। इस घोषणा से राज्य में

वन्यजीव पर्यटन को एक नई ऊंचाई मिलने की उम्मीद है।

उन्होंने बताया कि चिड़ियाघरों में वन्यजीवों के स्वास्थ्य और संरक्षण की पहली कड़ी जू-कीपर होते हैं। उनकी भूमिका केवल जानवरों के बाड़ों की सफाई तक ही सीमित नहीं होती, बल्कि यह विज्ञान, धैर्य और संवेदना से जुड़ा एक बेहद विशेषज्ञता वाला काम है।

एक कुशल कीपर जानवर के व्यवहार में हो रहे सूक्ष्म बदलावों, जैसे उसके खान-पान में कमी या सुस्ती, को देखकर ही उसकी संभावित बीमारी का अंदाजा लगा सकता है। वे जानवरों के लिए पौष्टिक भोजन तैयार करने से लेकर उन्हें मानसिक रूप से सक्रिय रखने और पशु चिकित्सकों की मदद करने तक में अहम भूमिका निभाते हैं। इसी महत्व को समझते हुए इस कार्यशाला का आयोजन किया गया है।

चार दिनों तक चलने वाले इस गहन प्रशिक्षण में कीपरों को पशु आवास, रिकार्ड कीपिंग, टीकाकरण, आपदा प्रबंधन और सांपों के व्यवहार जैसे विषयों पर जानकारी दी जाएगी। उन्हें व्यावहारिक अनुभव के लिए दलमा वन्यजीव अभयारण्य का दौरा भी कराया जाएगा।

रांची में बन रहा प्रदेश का सबसे बड़ा दुर्गा पूजा पंडाल, 150 से अधिक कारीगर दिन-रात कर रहे काम

रांची, एजेंसी। रांची में श्री रामलाल पूजा समिति की ओर से इस वर्ष झारखंड का सबसे बड़ा दुर्गा पूजा पंडाल बनाया जा रहा है। यहां गुजरात के भुज स्थित प्रसिद्ध स्वामी नारायण मंदिर के प्रारूप पर भव्य पंडाल बन रहा है। मालूम हो पिछले वर्ष यहां अयोध्या के श्री राम मंदिर के प्रारूप पर तैयार पंडाल ने सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया था। राजधानी रांची में एक से बढ़कर एक भव्य और आकर्षक दुर्गा पूजा पंडाल बनाये जा रहे हैं। श्री रामलाल पूजा समिति की ओर से इस वर्ष भी जिला स्कूल मैदान में भव्य दुर्गा पूजा का आयोजन किया जा रहा है। यहां गुजरात के भुज स्थित प्रसिद्ध स्वामी नारायण मंदिर के प्रारूप पर भव्य पंडाल बनाया जा रहा है। यह पूजा पंडाल झारखंड का सबसे बड़ा पूजा पंडाल होने वाला है।

जिला स्कूल मैदान में पंडाल का निर्माण लगभग 14000 वर्ग फीट क्षेत्र में किया जा रहा है। इसकी लंबाई 140 फीट और चौड़ाई 120 फीट होगी। पंडाल में सजावट स्वदेशी सामग्रियों से की जायेगी। बंगाल के प्रसिद्ध कारीगर उत्तम दा के नेतृत्व में 150 से अधिक कारीगर पंडाल निर्माण कार्य में जुटे हुए हैं। पंडाल के भीतर मां दुर्गा की प्रतिमा का निर्माण यहीं किया जा रहा है। यह प्रतिमा 40 फीट ऊंचे मंच पर स्थापित होगी, जिसकी ऊंचाई लगभग 20 फीट और चौड़ाई 35 फीट होगी। इसके अतिरिक्त मैदान में भगवान श्री विष्णु की 24 फीट ऊंची विशाल प्रतिमा भी आकर्षण का केंद्र होगी। यह फाइबर से बनी प्रतिमा कोलकाता से लायी जायेगी। मालूम हो श्री रामलाल पूजा समिति ने पिछले वर्ष 2024 में ही पहली बार दुर्गा पूजा का आयोजन किया था। उस वक्त अयोध्या के श्री राम मंदिर के प्रारूप पर तैयार पंडाल ने न केवल रांची बल्कि पूरे झारखंड के साथ ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, बिहार और बंगाल के विभिन्न जिलों से आए श्रद्धालुओं को आकर्षित किया था।

झारखंड में 11प्रतिशत किशोर हैं मानसिक समस्या से ग्रसित, यूनिसेफ ने जताई चिंता, सरकार से पॉलिसी बनाने का आग्रह

रांची, एजेंसी। किशोरों में बढ़ रही मानसिक समस्या ना केवल वर्तमान समय के लिए चिंता का सबब है बल्कि भविष्य के लिए भी इस पर काबू पाना किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं है।

यूनिसेफ के आंकड़ों के मुताबिक देश में साल 2015 तक 13-17 साल के 7।3प्रतिशत किशोर मानसिक समस्या से ग्रसित थे, जो 2021 में 10-19 साल के किशोरों में कराए गए सर्वे में बढ़कर 14प्रतिशत हो गया है। चिंता, आत्म सम्मान की कमी, डिजिटल लत, डिप्रेशन और फिर सुसाइड जैसी आत्मघाती कदम से किशोरों को बचाने के लिए झारखंड यूनिसेफ ने बड़ी पहल की है।

इसके तहत सत्तापक्ष-विपक्ष के साथ

विधानसभा परिसर में सोमवार को यूनिसेफ ने कार्यशाला आयोजित कर पॉलिसी बनाने का आग्रह किया, जिससे तेजी से किशोरों में बढ़ रही मानसिक बीमारी पर लगाम लगाई जा सके। इस दौरान स्पीकर रबींद्रनाथ महतो की मौजूदगी में आयोजित इस कार्यशाला को नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, स्वास्थ्य मंत्री डॉ। इरफान अंसारी समेत कई लोगों ने संबोधित किया।

किशोरों में बढ़ रही मानसिक रोग का शिकार झारखंड के यूथ भी हो रहे हैं। यूनिसेफ के आंकड़ों के मुताबिक, झारखंड में 11प्रतिशत किशोर मानसिक रोग से ग्रसित हैं, जिसका सबसे प्रमुख कारण मादक द्रव्यों का सेवन और मनोविकृति है। झारखंड यूनिसेफ की प्रमुख कनीनिका मित्रा कहती हैं कि सबसे बड़ी चिंता का कारण यह है कि आंकड़ों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है, जिसमें बच्चे भी शामिल हैं। इसके कई कारण हैं और इसकी रोकथाम आवश्यक है।

बच्चे शैक्षणिक तनाव, सामाजिक-आर्थिक कठिनाइयों, हिंसा और स्कूलों एवं समुदायों में मनो-सामाजिक समर्थन की कमी जैसी बढ़ती चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। मानसिक स्वास्थ्य के आसपास फैली व्यापक भ्रांतियां इन चुनौतियों को और गहरा कर देती हैं, जिससे बच्चे अक्सर अकेलापन और असहज महसूस करते हैं। इस मौके पर स्पीकर रबींद्रनाथ महतो ने यूनिसेफ की सराहना करते हुए कहा कि जिस तरह से किशोरों में मानसिक परिवर्तन इस उम्र में हो रहा है, बहुत ही सावधान रहने की जरूरत है। जिससे इनका मानसिक शारीरिक विकास सकारात्मक दिशा में हो सके।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि बच्चों के मानसिक विकास के लिए बहुत ही अच्छा कार्यक्रम यूनिसेफ ने किया है। मानसिक समस्या से जूझ रहे ऐसे बच्चों को सरकारी और गैर सरकारी स्तर पर सहायता की आवश्यकता है यदि इस तरह के बच्चे मिलते हैं तो उन्हें जरूर सरकार सहायता देगी। स्वास्थ्य मंत्री ने आगे बताया कि सरकार की ओर से यूनिसेफ को हरसंभव मदद दी जाएगी। हमारे पास 40 हजार सहिया बहन हैं, उनकी भी सहायता की यदि जरूरत पड़ती है तो वह भी दी जाएगी।

पलामू में बरगद के पेड़ से लटकता मिला नरकंकाल, जांच में पुलिस के छूटे पसीने

हरिहरगंज (पलामू), एजेंसी। हरिहरगंज थाना क्षेत्र के शिकारपुर गांव से लगभग पांच किलोमीटर दक्षिण में स्थित चोरहा पहाड़ के जंगल में सोमवार को एक बरगद के पेड़ से लटकता हुआ नरकंकाल मिला। घटना स्थल बिहार के टंडवा थाना क्षेत्र की सीमा से सटा हुआ इलाका है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी चंदन कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से कंकाल को पेड़ से नीचे उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। थाना प्रभारी ने बताया कि कुछ चरवाहों ने जंगल में पेड़ से रस्सी के सहारे लटकता नरकंकाल देखा और इसकी जानकारी पुलिस को दी। मृतक पैंट-शर्ट पहने हुए था। प्राथमिक जांच में अनुमान लगाया गया है कि शव दो से तीन माह पुराना हो सकता है। घटनास्थल से किसी भी तरह की संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है। न ही हरिहरगंज या टंडवा थाना क्षेत्र में किसी व्यक्ति के लापता होने की सूचना दर्ज है। ऐसे में मृतक की पहचान और मौत की वजह रहस्य बनी हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और हत्या अथवा आत्महत्या की गुत्थी सुलझाने का प्रयास कर रही है।

भगवान गणेश को चढ़ाएं ये चीजें, दूर होंगी सभी विघ्न-बाधाएं

गणपति बप्पा मोरया अब हर जगह पर आपको यही आवाज सुनाई देगी। 27 अगस्त से गणपति का आगमन हो रहा है, जिसकी तैयारियां पूरी हो गई हैं। किसी ने मंदिर को सजाना शुरू कर दिया है, तो किसी ने अपने घर में गणपति को रखने के लिए जगह सजनी शुरू कर दी है। लेकिन आपको गणपति लाने से पहले कई सारी चीजें हैं, जिनका खास ध्यान रखना जरूरी होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि इससे आपका पूजन संपन्न होता है। साथ ही, आपकी सारी मनोकामना पूरी होती है। चलिए आपको बताते हैं कौन सी बातें हैं, जिन्हें जानना जरूरी होता है।

गणेश जी को चढ़ाएं ध्रूवा की माला
गणेश जी को ध्रूवा बेहद प्रिय होती है। इसलिए कई सारे लोग गणेश पूजन के समय इसे गणपति जी को जरूर चढ़ाते हैं। लेकिन गणेश उत्सव के समय अगर आप 51 ध्रूवा की माला चढ़ाएंगी, तो इससे आपकी मनोकामना जल्दी पूरी होगी। लेकिन यह आपको तब तक चढ़ानी है, जब तक आपके घर में गणपति विराजमान हैं। इससे आपके घर में पॉजिटिविटी बनी रहेगी। साथ ही, आपकी सारी इच्छा पूरी हो जाएगी।

गणेश जी को चढ़ाएं सिंदूर

हम सभी को यह तो पता है कि हनुमान जी को सिंदूर चढ़ाया जाता है। लेकिन यह वही लोग चढ़ाते हैं, जिनकी मांगी हुई इच्छा पूरी होती है। आप इसी सिंदूर को गणपति को चढ़ाएं। इससे भी आपकी इच्छा पूरी होगी। इस सिंदूर को आप अपने घर में रखे गणपति पर चढ़ाएं। इसके बाद रोजाना इसका टिका लगाएं। इससे आपके सारे काम बन जाएंगे।

इन मत्रों का करें जाप

गणेश पूजन के समय घर में सुबह और शाम पूजा होती है। इस पूजा में आरती की जाती है। लेकिन अगर आपको भगवान गणेश को प्रसन्न करना है, तो इसके लिए आप एक मंत्र का जाप जरूर करना चाहिए। गणेश पूजा मंत्र- ॥ ऊँ गं गणपतये नमः ॥ इस मंत्र का जप करें। आप चाहें तो इसे किसी पेपर पर भी लिख सकती हैं। इससे आपके सारे काम बनने शुरू हो जाएंगे। इस मंत्र को आपको रोजाना चेंट करना है।

भगवान गणेश को प्रसन्न करने के लिए इन उपायों को करें। इससे आपकी सारी बाधाएँ दूर हो जाएगी और सफलता प्राप्त होगी। इस दिन की गई आराधना से बुद्धि, विवेक में वृद्धि होती है, जिससे मानसिक शांति और सफलता की प्राप्ति होती है। इसलिए आपको यह उपाय जरूर करना चाहिए। पंडित जी के बताए गए इन उपायों को करने से आपके सारे काम बन जाएंगे। साथ ही, आपकी इच्छाएं पूरी होंगी।

गणेश चतुर्थी कब है शुभ तिथि, योग, मुहूर्त और पूजा का महत्व

हिंदू पंचांग के अनुसार हर साल भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को गणेश चतुर्थी मनाई जाती है। इस दौरान बप्पा की पूजा-अर्चना विधिवत रूप से करने का विधान है। भगवान गणेश को बुद्धि, समृद्धि और सौभाग्य का कारक माना जाता है। बप्पा सभी देवी-देवताओं में सबसे पहले पूजे जाने वाले देवता है। इनकी पूजा करने के बाद ही देवी-देवता की पूजा करने का मान्यता है। आपको बता दें, वैसे तो हर महीने चतुर्थी तिथि के दिन भगवान गणेश की पूजा करने का विधान है। लेकिन भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष में पड़ने वाली चतुर्थी तिथि को बेहद खास माना जाता है। वहीं अनंत चतुर्थी के दिन बप्पा को विदा करते हैं। अब ऐसे में इस साल गणेश चतुर्थी कब से आरंभ हो रहा है। पूजा का शुभ मुहूर्त कब है। इस पर्व का महत्व क्या है। इसके बारे में ज्योतिषाचार्य से विस्तार से जानते हैं।

गणेश चतुर्थी के दिन पूजा का महत्व क्या है?

भगवान गणेश को विघ्नहर्ता कहा जाता है। माना जाता है कि उनकी पूजा करने से सभी प्रकार के विघ्न दूर होते हैं और कार्य में सफलता मिलती है। गणेश चतुर्थी को नई शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। इस दिन नए काम की शुरुआत करना शुभ माना जाता है। भगवान गणेश को ज्ञान और

बुद्धि का देवता भी माना जाता है। उनकी पूजा करने से बुद्धि में वृद्धि होती है और ज्ञान प्राप्त होता है। गणेश जी की पूजा करने से घर में सुख-समृद्धि आती है। गणेश जी की पूजा से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

गणेश चतुर्थी कब है?

पंचांग की गणना के अनुसार गणेश चतुर्थी तिथि का आरंभ 26 अगस्त को दोपहर में 1 बजकर 55 मिनट पर होगा और 27 अगस्त को 3 बजकर 45 मिनट तक चतुर्थी तिथि रहेगी। ऐसे में गणेश चतुर्थी का पर्व 27 अगस्त से शुरू होगा। हालांकि, जो

कैसे करें गणपति की स्थापना और पूजा

- प्रात:काल स्नान के बाद सबसे पहले व्रत और पूजा का संकल्प लें।
- घर के ईशान कोण (उत्तर-पूर्व दिशा) में एक चौकी पर पीला कपड़ा बिछाएं।
- गणेश जी की मूर्ति को स्थापित करें, उन पर गंगाजल छिड़कें और उनका अभिषेक करें।
- गणपति को सिंदूर, दूर्वा (21 पत्तियाँ), लाल फूल, मोदक, लड्डू, नारियल, गन्ना, फल और नैवेद्य अर्पित करें।
- गणेश चालीसा, अथर्वशीर्ष या फिर गणपति स्तोत्र का पाठ करें।
- पूजा के अंत में घंटा, शंख और मंजीरे के साथ गणेश जी की आरती करें।
- यह पूजा प्रक्रिया सायंकाल के समय भी दोहराई जाती है, ताकि दिन भर गणेशजी की उपासना बनी रहे। पूजा के बाद किसी ब्राह्मण को भोजन और दान देकर फिर स्वयं भोजन ग्रहण करें।

सनातन धर्म में गणेश चतुर्थी का पर्व बेहद सौभाग्यशाली माना जाता है। इस दौरान भक्त गणपति बप्पा की प्रतिमा अपने घर में स्थापित करते हैं। आइए जानते हैं कि इस साल गणेश चतुर्थी कब मनाया जाएगा।

लोग गणेश चतुर्थी का व्रत करना चाहते हैं तो उन्हें 26 अगस्त को व्रत रखना चाहिए। क्योंकि, चतुर्थी का व्रत में चंद्रमा की पूजा की जाती है। ऐसे में 26 अगस्त को रात के समय चतुर्थी तिथि रहेगी इसलिए व्रत 26 अगस्त को किया जाएगा। हालांकि, गणेशजी की स्थापना 27 अगस्त को करना ही शुभ रहेगा। क्योंकि, गणेश पुराण के अनुसार गणेशजी का जन्म दोपहर के समय हुआ था और 27 तारीख को उदय तिथि में गणेश चतुर्थी दोपहर तक रहने वाली है इसलिए गणेश जी की स्थापना 27 अगस्त को की जाएगी। बता दें कि गणेश चतुर्थी का पर्व 27 अगस्त से 6 सितंबर अनंत चतुर्दशी तिथि के दिन तक रहेगा।

घर में कितने दिनों तक रखनी चाहिए बप्पा की मूर्ति?

हिंदू कैलेंडर के अनुसार, इस साल गणेशोत्सव की शुरुआत 27 अगस्त से हो रही है। इस दौरान लगभग सभी अपने घरो में गणपति को स्थापित कर उनकी पूजा करते हैं। गणेश जी को वैसे तो घर में पूरे 10 दिनों तक रखने का विधान है। आखिरी दिन नदी,कुंड या तालाबों में विसर्जित कर दिया जाता है, लेकिन श्रद्धा, भक्ति और क्षमता के अनुसार लोग 1, 3, 5 या 7 दिनों तक भी घर में गणपति जी को रखकर उनकी विदाई कर सकते हैं। हालांकि, अधिकांश भक्त अनुष्ठान पूजा के बाद अनंत चतुर्दशी के दिन गणेश जी की प्रतिमा का विसर्जन कर बप्पा की विदाई करते हैं।

गणेश चतुर्थी मनाने की क्या है परंपरा, जानें इतिहास और महत्व

सनातन धर्म में गणेश चतुर्थी का पर्व बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। यह पर्व देशभर में विधिवत रूप से मनाई जाती है। लेकिन महाराष्ट्र में इसकी धूम विशेष रूप से देखने को मिलती है। बप्पा के आगमन के लिए पहले से ही तैयारियां आरंभ हो जाती है। विभिन्न प्रकार के थीम के पंडाल तैयार किए जाते हैं। बप्पा की बड़ी-बड़ी मूर्तियां तैयार किए जाते हैं।

भगवान गणेश के जन्मोत्सव के रूप 10 दिनों तक उत्सव धूमधाम के सात मनाया जाता है। वहीं अनंत चतुर्दशी के दिन बप्पा का विसर्जन कर दिया जाता है। आपको बता दें, इस साल गणेश चतुर्थी, 27 अगस्त को विधि-विधान के साथ मनाई जाएगी। अब ऐसे में गणेश चतुर्थी मनाने की परंपरा क्या है। इस पर्व का इतिहास क्या है।।

कैसे शुरू हुई गणेशोत्सव की शुरुआत?

गणेशोत्सव की शुरुआत महाराष्ट्र की राजधानी पुणे से हुई। ऐसा कहा जाता है कि इसका इतिहास मराठा साम्राज्य के सम्राट छत्रपति शिवाजी महाराज से जुड़ा हुआ है। ऐसी मान्यता है कि भारत में मुगलों के शासन के दौरान अपनी सनातन संस्कृति को बचाने के लिए छत्रपति शिवाजी ने अपनी माता जीजीबाई के साथ गणेश महोत्सव की शुरुआत की थी। वहीं इस महोत्सव की शुरुआत करने के बाद मराठा साम्राज्य के और पेशवा भी गणेश महोत्सव को मनाने लगे। गणेश चतुर्थी के दौरान मराठा पेशवा ब्राह्मणों को भोजन कराते थे। साथ ही दान-पुण्य भी विशेष रूप से करते थे। वहीं पेशवा के बाद ब्रिटिश हुकूमत भारत में हिंदुओं के सभी त्योहारों पर रोक लगा दी थी, लेकिन बाल गंगाधर तिलक ने गणेश चतुर्थी के महोत्सव को दोबारा मनाने की शुरुआत की थी। इसके बाद 1892 में भाऊ साहब जावले के द्वारा पहली भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई।

गणेश चतुर्थी क्यों मनाई जाती है?

गणेश चतुर्थी बप्पा के जन्मोत्सव के रूप में मनाई जाती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार भगवान गणेश का जन्म भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को हुआ था। वहीं गणेशोत्सव के दौरान बप्पा 10 दिनों तक सभी के घरों में विराजते हैं और उनकी विधिवत पूजा-अर्चना करते हैं। ऐसा कहा जाता है कि किसी भी नए काम की शुरुआत से पहले बप्पा की पूजा विधिवत रूप से करने की परंपरा है। इन्हें विघ्नहर्ता भी कहा जाता है।

गणेश चतुर्थी पर्व का महत्व क्या है?

भगवान गणेश को सौभाग्य, समृद्धि और ज्ञान का देवता कहा जाता है। कहते हैं कि बप्पा की पूजा विधिवत रूप से करने से व्यक्ति के जीवन में चल रही परेशानियां दूर हो जाती है। साथ ही जीवन में सुख-सौभाग्य और संपन्नता का भी आगमन होता है।

गणपति बप्पा की पूजा करने से मिलते हैं ये लाभ, पूरी होती है सारी मनोकामना

हमारे देश में आजकल पूजा-पाठ भी सुविधा के अनुकूल हो गई है। पहले आराधना का अर्थ सर्वोच्च शक्ति को याद करते हुए मंत्रों और अनुष्ठानों में पूरे दिल और आत्मा से लगना होता था। लेकिन समय के साथ जैसे-जैसे तकनीकी छलांग बढ़ती जा रही है, देवताओं की पूजा की पूरी अवधारणा में व्यापक बदलाव आया है। आज लोगों को दूसरों से बात करते, टीवी देखते और यहां तक कि खाते या पीते हुए भी अपने देवता के नाम का जाप करते देखा जा सकता है। यह सब आज लोगों की पूजा का तरीका है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि जिस तरह से आप अपने भगवान की पूजा करती हैं, उसके क्या मायने है? जी हां, यह वास्तव में मायने रखता है और अगर आप इसे सही तरीके से करते हैं तो आप अपना समय बर्बाद करने की बजाय कुछ मंत्रों का उच्चारण करके बहुत कुछ हासिल कर सकते हैं।

बुद्धि- भगवान गणेश का हाथी वाला सिर ज्ञान का प्रतीक है। इसलिए अगर आप गणेश की पूजा करती हैं तो आप जानबूझकर या अवचेतन रूप से ज्ञान प्राप्त कर सकती हैं। अगर आपने भगवान गणेश को अपने सर्वोच्च देवता के रूप में पूजा करने के लिए चुना है तो इसका मतलब है कि आपको उनकी शक्तियों में से एक के रूप में ज्ञान पसंद है। इस प्रकार रोजाना भगवान गणेश की पूजा करना जीवन की आपकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं की याद दिलाता है और आप ज्ञान प्राप्त करने के लिए इसका पीछा करते हैं।

सौभाग्य – ऐसा माना जाता है कि भगवान गणेश सौभाग्य और धन के देवता हैं। अगर आप उनकी भक्त बन जाती हैं और भाग्य को प्राप्त करने के लिए अपने दिल से काम करती हैं तो आप खाली हाथ नहीं लौटेंगी। आप समर्पण की एक उन्नत अवस्था प्राप्त करेंगी और अपने जीवन में धन और शक्ति की प्रचुरता की ओर आसानी से काम करेंगी। आपको बस अपने वास्तविक जीवन में उनके पाठों का पालन करना है। अगर आप अक्सर अपना आपा खो देती हैं तो धैर्य क्रोध को नियंत्रित करने की कुंजी है। भगवान गणेश के बड़े कान इस बात का प्रतीक हैं कि वह एक अच्छे श्रोता हैं और अगर आप खुद को उनके प्रति समर्पित करती हैं और अपने आंतरिक शक्ति पर ध्यान केंद्रित करती हैं तो आपमें धीरे-धीरे समान स्तर का धैर्य विकसित होता है। यह निश्चित रूप से आपको एक बेहतर इंसान बनने में मदद करेगा।

समृद्धि – हर कोई एक समृद्ध और हेल्दी जीवन का सपना देखता है और यह बहुत हद तक आपके द्वारा चुनी गई जीवनशैली पर निर्भर करता है। जब आपने भगवान गणेश को अपना देवता चुना और उन्हें अपनी पूजा अर्पित की, तो आप उत्साहपूर्वक सफलता प्राप्त करने की दिशा में काम करती हैं। आप खुद को दृढ़निश्चयी और आसानी से तैयार पाएंगी जो आपको आपकी भलाई की ओर ले जाएगा।

आपकी आत्मा शुद्ध होगी – भगवान गणेश में ध्यान और विश्वास करने से आप अपने आचरण में अंतर को नोटिस और शांति की भावना का अनुभव कर सकती हैं। ऐसा कहा जाता है कि जो कोई भी अपना जीवन उसके प्रति समर्पित करता है वह आत्मा को शुद्ध कर देते हैं क्योंकि आप अच्छे कार्यों पर ध्यान केंद्रित और अपने जीवन में नकारात्मकता को दूर करती है जिससे आपकी आत्मा शुद्ध होती है।

ज्ञानी बनेंगे हैं आप – भगवान गणेश सभी देवताओं में सबसे बड़े ज्ञानी माने जाते हैं। यह उनके सबसे मजबूत गुणों में से एक है। जब आप उसे आत्मज्ञान के एकमात्र मकसद से पूजती हैं तो आप खुद को रूपांतरित होते देखेंगी। निरंतर अभ्यास और दृढ़ प्रयास के साथ आप एक-एक करके ज्ञान की सीढ़ियों पर चढ़ेंगी और ज्ञान की शक्ति देखेंगी।

सभी बाधाएं होती हैं दूर – गणेश जी को विघ्नहर्ता माना जाता है। जब आप पूरे विश्वास के साथ भगवान गणेश की पूजा करते हैं तो वह आपका मार्गदर्शन करते हैं और आपको सभी चीजों से लड़ने का साहस प्रदान करते हैं। आप अपने डर पर विजय पाकर अपने जीवन की सभी बाधाओं को दूर कर सकती हैं। आप अपने अंदर छिपे गुणों को अनलॉक करती हैं और किसी भी मुश्किल स्थिति को आसानी से पार कर लेती हैं।

गणेशोत्सव पर सोने के आभूषणों की बढ़ी मांग

कारोबार के 3500 करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान

मुंबई, एजेंसी। शादी, दिवाली, धनतेरस और गुडी पाडवा सहित अब गणेशोत्सव पर भी सोने के आभूषणों की मांग में तेजी देखने को मिलने रही है। इस पर्व में गणपति पर चढ़ाने के लिए 1500 करोड़ रुपये तक के आभूषण, पादुका, मोदक, मूसक की बिक्री होने की उम्मीद है। मुंबई के झवेरी बाजार के व्यापारियों का मानना है कि विसर्जन तक और दो हजार करोड़ रुपये की बिक्री हो सकती है।

अलग डिजाइन और वजनों के आभूषण की मांग

इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता कुमार जैन बताते हैं कि गणेशोत्सव पर मान्यता के लिए आभूषणों की मांग अधिक है। इसमें अलग-अलग डिजाइन और वजनों के आभूषण मांग है। मांग को देखते हुए हमें लगता है कि इस साल 125 टन सोने की बिक्री होगी।

किन- किन आभूषणों की हो रही मांग

कुमार कहते हैं पिछले साल भी बिक्री अच्छी रही थी, लेकिन इस साल ग्राहक काफी अलग-अलग मांग कर रहे हैं। इसमें गणपति के लिए सोने के हार, पादुका, चेन, कान की बाली, गणपति की मूर्ती और हनुमान की गदा सहित मूसक की खरीदारी हो रही है। हल्के वजन के सोने के मोदक और मूसक की मांग अधिक है। प्रति दुकान देखें तो 150 मोदक और मूसक की बिक्री हो रही है। वहीं प्रति दुकान 15 से 25 हार और पादुका की बिक्री हो रही है।

एक से 15 तोले के हारों की मांग- झवेरी बाजार के अंबिका ज्वेलर्स के मुकेश जैन कहते हैं कि इस साल मान्यता पूरा होने के लिए गणेशोत्सव पर आभूषणों की मांग देखने को मिल रही है। इसमें 1 तोले से लेकर 15 तोले के हार, पादुका, 15 ग्राम से लेकर 25 ग्राम के सोने के मोदक और मूसक और गुडहल (जासवंती) के फूल की खरीदारी हो रही है।

मुंबई के झवेरी बाजार में दिवाली का माहौल

व्यापारियों का कहना है कि गणपति पर दिवाली जैसी खरीदारी देखी जा रही है। सोने की कीमत वर्तमान में जीएसटी जोड़कर देखे तो एक लाख रुपये प्रति दस ग्राम पर है, जबकि चांदी कीमतें पहले ही लाख रुपये प्रति किलो पर चल रही हैं।

पिछले दो से तीन वर्षों में यह चलन तेजी से बढ़ा है, जिसमें मान्यता के लिए आभूषण और अन्य चीजों की खरीदारी करते हैं। इसमें 50 प्रतिशत से अधिक खरीदारी लालबाग के राजा के लिए होती है, उसके बाद अन्य गणपति व मंदिरों में चढ़ाने के लिए की जाती है।

पिछले साल गणपति पर 80 टन सोने की बिक्री हुई

कुमार बताते हैं कि पिछले साल गणेशोत्सव पर सोने की कीमत 85,000 रुपये प्रति दस ग्राम पर थी और 80 टन सोने की बिक्री हुई थी। वर्तमान में सोने की कीमत जीएसटी के साथ 1 लाख रुपये प्रति दस ग्राम के पास है और हमें उम्मीद है कि इस साल गणेशोत्सव के विसर्जन तक कुल मिलकार 3500 करोड़ रुपये का करोबार होगा।

भारत में 70,000 करोड़ का निवेश करेगी सुजुकी

52 हफ्ते के टॉप पर पहुंचा शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज मारुति सुजुकी की पहली इलेक्ट्रिक कार ई-विटारा को हरी झंडी दिखाई। इस मौके पर जापानी कंपनी सुजुकी के ग्लोबल प्रेसिडेंट तोशिहिरो सुजुकी ने कहा कि कंपनी अगले पांच से छह साल में भारत में 70,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी यह पैसा प्रोडक्शन बढ़ाने, नए मॉडल लॉन्च करने

और भारतीय बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए लगाएगी। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कार बाजार है। मोदी ने हंसलपुर प्लांट में पहली ई-विटारा को हरी झंडी दिखाई। सुजुकी ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। कंपनी ने अपनी हाइब्रिड कारों के लिए लिथियम-आयन बैटरी सेल का प्रोडक्शन शुरू कर दिया है। यह बैटरी कारों को चलाने में मदद करेगी। मारुति सुजुकी अपनी इलेक्ट्रिक एसयूवी ई-विटारा को गुजरात प्लांट से 100 देशों में एक्सपोर्ट करेगी। सुजुकी मोटर के लिए भारत बिक्री और राजस्व के मामले में सबसे बड़ा बाजार है। देश की सबसे बड़ी ऑटो कंपनी मारुति सुजुकी में इसकी बड़ी हिस्सेदारी है। मारुति सुजुकी भारत में सबसे ज्यादा कारें बेचती है।

शेयरों में उछाल

मारुति सुजुकी के शेयर की बात करें तो बाजार में गिरावट के बावजूद कंपनी का शेयर आज 52 हफ्ते के टॉप पर पहुंच गया। बीएसई पर कंपनी का शेयर 1.82 प्रतिशत तेजी के साथ 14721.30 रुपये पर ट्रेड कर रहा है। कारोबार के दौरान यह 14721.30 रुपये तक गया जो इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर है। इसका 52 हफ्ते का न्यूनतम स्तर 10,725 रुपये है।

जीएसटी 2.0 के इंतजार में ग्राहक टाल रहे वाहनों की खरीदी

मुंबई, एजेंसी। वाहनों पर जीएसटी दरों के कम होने की उम्मीद में ग्राहक अब खरीदी को स्थगित कर रहे हैं। ऑटोमोटिव डीलरों के संगठन फाडा ने कहा, भारी नुकसान से बचाने के लिए वस्तु एवं सेवा कर यानी जीएसटी 2.0 तुरंत लागू हो। अगर ऐसा नहीं होता है तो त्योहारी मौसम में और ज्यादा घाटा वाहन कंपनियों को हो सकता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय

जीएसटी परिषद 3-4 सितंबर को जीएसटी के दो स्लैब लागू करने पर अंतिम निर्णय लेगी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल को लिखे पत्र में फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) ने कहा, जीएसटी 2.0 की घोषणा ने जमीनी स्तर पर चुनौतीपूर्ण स्थिति पैदा कर दी है। देश भर के डीलर आगामी त्योहारों ओणम (26 अगस्त), गणेश चतुर्थी (27 अगस्त) और नवरात्रि व दिवाली (18-23 अक्तूबर) के लिए अपना माल तैयार कर रहे हैं।

चॉल में पले-बढ़े, 2500 की नौकरी से शुरुआत...

फिर ऐसे पलटी किस्मत कि अब करोड़ों का साम्राज्य

नई दिल्ली, एजेंसी। मुंबई के एक चॉल में पले-बढ़े सुबिश सुरेंद्रन ने अपनी मेहनत और लगन से बड़ा मुकाम हासिल किया है। उनकी कहानी किसी परी कथा से कम नहीं है। उनका जन्म ठाणे में गरीब परिवार में हुआ था। एक समय था जब उन्होंने 2,500 रुपये की पार्ट-टाइम नौकरी से शुरुआत की थी। आज उनकी कंपनी टाइम ग्लोबल शिपिंग एलएलसी 220 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार कर रही है। सुबिश ने 2016 में दुबई में यह कंपनी शुरू की थी। उनकी कंपनी लॉजिस्टिक्स सेक्टर में है। वह कई तरह की सेवाएं देती है। इसमें समुद्री और हवाई माल ढुलाई शामिल है। वह नए और पुराने शिपिंग कंटेनरों का व्यापार भी करते हैं। उनकी कंपनी का नेटवर्क 175 देशों में फैला हुआ है। उनके 5,000 से ज्यादा एजेंट हैं। आइए, यहां सुबिश सुरेंद्रन की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

ट्रक मैकेनिक थे पिता- सुबिश सुरेंद्रन का बचपन मुंबई के ठाणे में एक सामान्य परिवार में बीता। वह चॉल में रहते थे। उनके पिता ट्रक मैकेनिक थे। उन्होंने बाद में खुद का ट्रांसपोर्ट व्यवसाय शुरू कर दिया था।

ऐसे शुरू की अपनी कंपनी

करीब 10 साल तक लॉजिस्टिक्स सेक्टर में काम करने और अनुभव हासलि करने के बाद सुबिश ने उद्यमी बनने का फैसला किया। 2016 में उन्होंने अपनी एसयूवी बेचकर और अपनी जमा पूंजी का इस्तेमाल करके टाइम ग्लोबल शिपिंग एलएलसी की शुरुआत की। यह कंपनी तीन कर्मचारियों के साथ एक छोटे से 400 वर्ग फीट के ऑफिस से शुरू हुई थी। उनकी मेहनत रंग लाई। दो साल के भीतर ही उनकी टीम में 50 लोग हो गए, जिसके बाद उन्हें बड़े ऑफिस में शिफ्ट करना पड़ा।

आज बन चुका है महासाम्राज्य - आज टाइम ग्लोबल शिपिंग का कारोबार 220 करोड़ रुपये से ज्यादा का हो गया है। यह कंपनी दुनियाभर के 175 देशों में 5,000 से अधिक एजेंटों के नेटवर्क के साथ काम करती है।

188 जिलों में आधार सेंटर बनाने के लिए मिला ऑर्डर

नई दिल्ली, एजेंसी। बाजार में गिरावट की आंधी के बीच प्रोटीन ई-गवर्नेंस टेक्नोलॉजीज के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। प्रोटीन ई-गवर्नेंस के शेयर मंगलवार को क्रस्थ में 11 पर्सेंट से ज्यादा की तेजी के साथ 918.50 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी को आधार सेंटर खोलने के लिए यूनीक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया से 1160 करोड़ रुपये का बड़ा ऑर्डर मिला है। पिछले 5 दिन में प्रोटीन ई-गवर्नेंस के शेयरों में 18 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है।

मिले ऑर्डर में प्रोटीन ई-गवर्नेंस टेक्नोलॉजीज 188 जिलों में जिला स्तरीय आधार सेवा केंद्र बनाने और उन्हें चलाने के लिए आधिकारिक सर्विस प्रोवाइडर के रूप में काम करेगी। यह आधार सेंटर एनरॉलमेंट, अपडेट्स और आधार से जुड़ी दूसरी सेवाएं एंप्वायंटमेंट और वॉक-इन मोड्स में उपलब्ध कराएंगे। यह कॉन्ट्रैक्ट 6 साल के लिए होगा। प्रोटीन ई-गवर्नेंस टेक्नोलॉजीज ने स्पष्ट किया है कि यह कॉन्ट्रैक्ट किसी रिटेलेड पार्टी ट्रांजैक्शंस से जुड़ा नहीं है और डोमेस्टिक चैनल्स के जरिए मिला है।

एजीआर पर वोडाफोन आइडिया को राहत नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। एजीआर पर राहत की उम्मीद में कई दिनों से उछल रहे वोडाफोन आइडिया के शेयर आज धड़ाम हो गए। यह गिरावट तब देखने को मिली जब, दूरसंचार राज्यमंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी ने सोमवार को कहा कि दूरसंचार विभाग वोडाफोन आइडिया को समायोजित सकल राजस्व के संबंध में कोई राहत देने पर विचार नहीं कर रहा है। आज इसके शेयरों में शुरुआती कारोबार में 6 पर्सेंट से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। आज यह स्टॉक 7.10 रुपये पर खुला और देखते ही देखते 6.93 रुपये पर आ गया। उन्होंने कहा, हमने हाल ही में उनके बहुत से कर्ज को इक्विटी में बदल दिया है। सरकार ने वह सब कुछ किया है जो हमें लगा कि हम कर सकते हैं। इस समय, हमने जो किया है, उसके अलावा कुछ भी करने की हमारी कोई योजना नहीं है। सरकार स्पेक्ट्रम नीलामी बकाया के बदले 36,950 करोड़ रुपये के शेयर हासिल करने के बाद वोडाफोन आइडिया में सबसे बड़ी शेयरधारक बन गई है। इससे पहले, सरकार ने 16,000 करोड़ रुपये से अधिक के सांविधिक बकाया के बदले 2023 में लगभग 33 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की थी।

अमेरिका भेजे जाने वाले भारतीय सामान पर 50 प्रतिशत बेतुका टैरिफ

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत से अमेरिका जाने वाले सामानों पर ट्रंप प्रशासन 27 अगस्त से 50 फीसदी का बेतुका आयात शुल्क लगने जा रहा है। इस कदम से झींगा, रेडीमेड कपड़े, चमड़ा, रत्न और आभूषण जैसे मजदूर-आधारित क्षेत्रों पर गहरा असर पड़ने की आशंका है।

अमेरिकी सरकार की ओर से जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक, 27 अगस्त (अमेरिकी समयानुसार सुबह 12:01 बजे / भारतीय समयानुसार सुबह 9:31 बजे) से यह टैरिफ लागू हो जाएगा। अभी तक भारतीय निर्यात पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लागू था। रूस से कच्चा तेल और सैन्य उपकरण खरीदने को लेकर अमेरिका ने अतिरिक्त 25 प्रतिशत पेनल्टी लगाई है, जिससे कुल शुल्क 50 प्रतिशत हो जाएगा।

अमेरिकी टैरिफ का किन निर्यातकों पर पड़ेगा असर- भारत का अमेरिका को कुल 86.5 अरब डॉलर का निर्यात होता है। इसमें से 60 अरब डॉलर से अधिक का

सामान अब 50 प्रतिशत ड्यूटी के दायरे में आएगा। इसमें वस्त्र, रत्न-आभूषण, झींगा, कालीन और फ़र्नीचर शामिल हैं। केवल फार्मा, इलेक्ट्रॉनिक्स और पेट्रोलियम उत्पाद जैसे क्षेत्र शुल्क से बाहर रहेंगे।

क्या है निर्यातकों की चिंता- वस्त्र उद्योग- एईपीसी (अपैरल एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल) के महासचिव मिथिलेश्वर ठाकुर ने कहा कि भारत के 10.3 अरब डॉलर के वस्त्र निर्यात पर सीधा असर होगा। ठाकुर ने कहा, बांग्लादेश, वियतनाम और श्रीलंका जैसे देशों के मुकाबले भारतीय परिधान अब 30 प्रतिशत तक महंगे पड़ेंगे। यह अंतर पाटना लगभग असंभव है।

टैरिफ पर क्या है विशेषज्ञों की राय

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव का अनुमान है कि इन टैरिफ़ों के कारण 2026 में अमेरिका को भारत का निर्यात 43 प्रतिशत घटकर 49.6 अरब डॉलर रह सकता है। संस्थान के संस्थापक अजय श्रीवास्तव के मुताबिक, यह रणनीतिक झटका है।

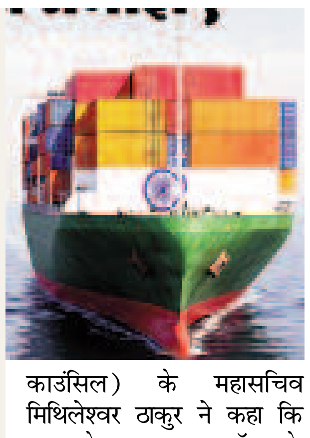

जीएसटी विभाग का बड़ा एक्शन, जोमैटो की मूल कंपनी को 40 करोड़ से ज्यादा का टैक्स नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो और क्विक कॉमर्स कंपनी ब्लिंकिट की मूल कंपनी इटर्नल पर जीएसटी विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। कंपनी को करीब 40 करोड़ रुपये से अधिक का टैक्स नोटिस मिला है, जिसमें टैक्स, जुर्माना और ब्याज शामिल हैं। इस खबर के बाद जोमैटो की मूल कंपनी इटर्नल के शेयरों में काफी उतार-चढ़ाव दर्ज की जा रही है। एनएसई पर आ यह पिछले बंद की तुलना में गिरावट के साथ 317.30 रुपये पर खुला। बीच में यह दिन के हाई 320.70 रुपये तक भी पहुंचा। सुबह पौने 11 बजे के करीब 319.95 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। इसमें 0.22 प्रतिशत की बढ़त थी।

क्या है पूरा मामला

पीटीआई की खबर के मुताबिक कंपनी को बेंगलुरु के जीएसटी अधिकारी ने तीन आदेश जारी किए हैं। यह मांग जुलाई 2017 से मार्च 2020 की अवधि के लिए की गई है। इटर्नल के पास जोमैटो, ब्लिंकिट, डिस्ट्रिक्ट और हाइपरप्योर समेत चार बड़े बिजनेस हैं।

आरबीआई का सितंबर 2025 के लिए महंगाई सर्वे शुरू

कीमतों पर देश के 19 शहरों से ली जाएगी उपभोक्ताओं की राय

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक ने सितंबर 2025 के लिए मुद्रास्फीति अपेक्षा सर्वेक्षण (आईईएसएच) की शुरुआत कर दी है। इस सर्वेक्षण के तहत देश के 19 शहरों के घरों से राय ली जाएगी ताकि वे कीमतों और महंगाई की स्थिति को लेकर अपने विचार साझा कर सकें।

सर्वेक्षण का उद्देश्य - आरबीआई यह सर्वेक्षण हर तिमाही आयोजित करता है। इसका उद्देश्य मुद्रास्फीति और उत्पादों की सामान्य मूल्य गतिविधियों पर उपभोक्ता के विचारों का आकलन करना है। इसे विभिन्न उत्पादों की कीमतों में हो रहे उतार-चढ़ाव के बारे में परिवारों की धारणाओं को समझने के लिए तैयार किया गया है। सर्वे के तहत परिवारों से सामान्य कीमतों और विशेष उत्पाद समूहों की कीमतों में बदलाव को लेकर गुणात्मक और मात्रात्मक दोनों तरह की प्रतिक्रियाएं ली जाएंगी। इसमें प्रतिभागियों से अगले तीन महीने और एक साल की अवधि के लिए कीमतों के बारे में राय मांगी जाएगी, साथ ही मौजूदा, तीन महीने आगे और एक साल आगे की महंगाई दर का अनुमान भी पूछा जाएगा। आरबीआई के मुताबिक, इस सर्वेक्षण के निष्कर्ष मौद्रिक नीति के लिए महत्वपूर्ण इनपुट प्रदान करते हैं, जिससे नीतिगत फैसलों को जमीनी हकीकत के अनुरूप बनाया जा सके।

भारत में कागज और पेपरबोर्ड आयात में आठ फीसदी का उछाल

उद्योग पर चीन और आसियान का दबदबा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में अप्रैल-जून तिमाही में कागज और पेपरबोर्ड के आयात में आठ प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह बढ़कर 486,000 टन हो गया है। भारतीय कागज निर्माता संघ (आईपीएमए) ने यह जानकारी दी है। आईपीएमए ने वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में कागज और पेपरबोर्ड का आयात 452,000 टन रहा।

चीन से आयात 28 प्रतिशत बढ़ा- तिमाही के दौरान चीन से आयात 28 प्रतिशत बढ़कर 143,000 टन हो गया। इससे भारत में कागज आयात के सबसे बड़े स्त्रोत के रूप में चीन की स्थिति मजबूत हो गई। संघ ने बताया कि आसियान देशों से आयात में वृद्धि दर्ज की गई। यह पिछले वर्ष की समान तिमाही के 78,000 टन से बढ़कर 92,000 टन हो गया।

आयात में वृद्धि घरेलू कागज उद्योग को नुकसान पहुंचा रही- आईपीएमए के अध्यक्ष पवन अग्रवाल ने कहा कि कागज के आयात में लगातार वृद्धि, खासकर चीन और आसियान से घरेलू कागज उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मकता को नुकसान पहुंचा रही है।

सात साल में 40 प्रतिशत पहुंची महिलाओं में रोजगार दर

देश में महिला कार्यबल भागीदारी दर में वृद्धि

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में महिलाओं की रोजगार दर सात वर्षों में लगभग दोगुनी होकर 2023-24 में 40.3 फीसदी हो गई है। 2017-18 में यह 22 फीसदी थी। श्रम मंत्रालय ने कहा, इसी अवधि में बेरोजगारी दर 5.6 से घटकर 3.2 फीसदी हो गई। 2047 तक विकसित भारत का विजन प्राप्त करने के लिए प्रमुख स्तंभों में से एक देश में 70 प्रतिशत महिला कार्यबल भागीदारी सुनिश्चित करना है। मंत्रालय ने सोमवार को बयान में कहा, भारत में महिला कार्यबल भागीदारी दर में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। बेरोजगारी दर में बदलाव ग्रामीण भारत में और भी महत्वपूर्ण है। यहां महिला रोजगार में 96 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसी अवधि में शहरी क्षेत्रों में रोजगार 43 फीसदी बढ़ा है। महिला स्नातकों की रोजगार क्षमता भी 2013 के 42 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 47.53 प्रतिशत हो गई है। स्नातकोत्तर शिक्षा और उससे ऊपर की शिक्षा प्राप्त महिलाओं में रोजगार दर 2017-18 के 34.5 प्रतिशत से बढ़कर 2023-24 में 40 फीसदी हो गई है। पिछले सात वर्षों में 1.56 करोड़ महिलाएं औपचारिक कार्यबल में शामिल हुई हैं। अगस्त तक ई-श्रम ने 16.69 करोड़ से अधिक महिला असंगठित श्रमिकों का पंजीकरण दर्ज किया है। इससे उन्हें सरकार की विभिन्न सामाजिक कल्याण योजनाओं तक पहुंच प्राप्त हुई है। सरकार के प्रयास महिला उद्यमियों के विकास में योगदान दे रहे हैं। 15 मंत्रालयों की 70 केंद्रीय योजनाएं और 400 से अधिक राज्य स्तरीय योजनाएं महिला उद्यमिता को समर्थन देने पर केंद्रित हैं।

टेस्ट क्रिकेट के लिए कुछ भी कर सकता हूं

मोहम्मद सिराज का टेस्ट क्रिकेट के लिए उमड़ा प्यार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने हाल ही में संपन्न एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के दौरान अपने अविश्वसनीय प्रदर्शन के बारे में खुलकर बात की है, जहां उन्होंने देश के लिए सभी पांच टेस्ट मैच खेले और शानदार 186 ओवर गेंदबाजी की। ऐसे समय में जब कार्यभार प्रबंधन क्रिकेट में सबसे ज्यादा बहस का विषय बन गया है, सिराज का दृष्टिकोण सबसे अलग है। यह जुनून, गर्व और भारत के लिए खेलने के बारे में है। पांच कड़े टेस्ट मैचों में इतना भारी कार्यभार संभालने के बारे में बात करते हुए सिराज ने कहा कि उनकी प्रेरणा पूरी तरह से देश का प्रतिनिधित्व करने से आती है। सिराज ने कहा, सच कहूं तो मुझे नहीं पता। लेकिन जब आप अपने देश के लिए खेलते हैं, तो आप यह नहीं सोचते कि इसका आपके शरीर पर क्या असर पड़ेगा, बल्कि आप अपने देश के लिए खेलने के बारे में सोचते हैं।

उन्होंने आगे कहा, हम जैसे लोगों का बचपन से एक ही सपना होता है और वह है देश के लिए खेलना। और जब वह मौका आता है, तो हम उसे पूरे जोश से लपक लेते हैं। मैं हर मौके का फायदा उठाकर भारत के लिए ज्यादा से ज्यादा मैच खेलने और उन्हें जीतने की कोशिश करने में यकीन रखता हूं। सीरीज में 186 ओवर फेंकने के बावजूद सिराज ने जोर देकर कहा कि जरूरत पड़ने पर वह और भी ज्यादा गेंदबाजी करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा, अगर एक और टेस्ट मैच होता, तो मैं 100 प्रतिशत खेल सकता था। जब उनसे पूछा गया कि क्या कभी थकान महसूस होती है, तो सिराज ने स्पष्ट किया कि भारत का प्रतिनिधित्व करना हमेशा व्यक्तिगत थकान से पहले आता है। सिराज ने कहा, नहीं, यह मेरी प्राथमिकता है। मैं टेस्ट क्रिकेट के लिए कुछ भी कर सकता हूं। मुझे टेस्ट क्रिकेट का सबसे कठिन चुनौतियों और संघर्षों से सामना करना पसंद है, ठीक वैसे ही जैसे जिंदगी हमें देती है। सिराज ने आगे टेस्ट क्रिकेट की अनोखी खूबसूरती पर विचार साझा किए। उन्होंने कहा, टेस्ट क्रिकेट मानसिक थकान, भावनात्मक थकान, शारीरिक थकान वगैरह देता है, लेकिन यही वो चुनौती है जो मुझे इसमें सबसे ज्यादा पसंद है।

क्वितोवा का टेनिस को अलविदा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। दो बार की विम्बलडन चैम्पियन पेत्रा क्वितोवा ने अमेरिकी ओपन के पहले दौर में डायने पैरी से मिली हार के बाद टेनिस को अलविदा कह दिया। मुकाबला खत्म होने के बाद क्वितोवा की आंखें भर आई। दर्शक दीर्घा में मौजूद उनके पति और कोच जिरि वानेक ने उन्हें गले लगाया। पिछले साल जुलाई में बेटे को जन्म देने वाली क्वितोवा 17 महीने बाद कोर्ट पर लौटी थी। उन्होंने इस साल की शुरुआत में ही कह दिया था कि अमेरिकी ओपन उनका आखिरी टूर्नामेंट होगा। मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने बताया कि कुछ सप्ताह पहले वह कोविड 19 संक्रमण का शिकार होने के कारण अमेरिकी ओपन से नाम वापिस लेने की सोच रही थी। उन्होंने कहा, 'सुबह उठने के बाद से मुझे लग रहा था कि कुछ अच्छा नहीं होगा। मैं खा नहीं सकी। मैं काफी नर्वस थी और कुछ कर नहीं पा रही थी। यह काफी कठिन था।

18 छक्कों के साथ बनाए 181 रन... धुरंधर बल्लेबाज ने सिर्फ 2 मैच में सबको छोड़ा पीछे

नई दिल्ली, एजेंसी। केरल क्रिकेट लीग 2025 में तूफानी बल्लेबाजी का नजारा आए दिन देखने को मिल रहा है. लीग के दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी विष्णु विनोद का तो खैर कहना ही क्या? दाएं हाथ के विकेटकीपर बल्लेबाज विष्णु विनोद ने सिर्फ 2 मैचों में सबको पीछे छोड़ दिया है. बड़ी बात ये है कि ये दोनों मैच उन्होंने दो दिनों में खेले हैं, जिनमें उन्होंने कुल मिलाकर 18 छक्के उड़ाए हैं. अब इससे बल्ले से मचाए तूफान का अंदाजा लगाया जा सकता है, जिसकी बदौलत विष्णु विनोद ने केसीएल2025 में 3 रिकॉर्ड भी फिलहाल के लिए अपने नाम कर लिए हैं. अब सवाल है कि 2 दिन में 2 मैच में विष्णु विनोद ने छक्कों और रनों की बरसात कैसे की? उन्होंने ताजातरीन हमला अपने बल्ले से त्रिसुर टाइटंस के खिलाफ बोला. 25 अगस्त को खेले मुकाबले में एरिज कोलम सेलर्स के बल्लेबाज विष्णु विनोद ने पारी की शुरुआत करते हुए सिर्फ 38 गेंदों में

गर्दा-गर्दा कर दिया. विष्णु विनोद ने 38 गेंदों में 8 छक्के के साथ 226.32 की स्ट्राइक रेट से 86 रन बनाए. उनकी इस विस्फोटक बैटिंग का असर ये हुआ कि एरिज कोलम सेलर्स ने त्रिसुर टाइटंस के खिलाफ मुकाबला 8 विकेट से जीत लिया. त्रिसुर टाइटंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.5 ओवर में 10 विकेट खोकर 144 रन बनाए थे. जवाब में 145 रन के टारगेट को एरिज कोलम सेलर्स ने 14.1 ओवर में ही 2 विकेट खोकर चेज कर लिया. विष्णु विनोद ने इससे पहले 24 अगस्त को संजू सैमसन की टीम कोच्चि ब्लू टाइगर्स के खिलाफ भी तांडव किया था. उस मैच में विष्णु ने 41 गेंदों में 10 छक्कों के साथ 229.27 की स्ट्राइक रेट से 94 रन बनाए थे. हालांकि, वो मैच उनकी टीम 236 रन बनाकर भी नहीं जीत सकी थी, क्योंकि, रनचेज में संजू सैमसन का शतकीय प्रहार भारी पड़ गया था.

फ्री, फ्री, फ्री... फैंस के लिए खुशखबरी, फ्री होंगी एशिया कप 2025 के सभी मैचों की टिकट

नई दिल्ली, एजेंसी। पुरुष हॉकी एशिया कप 2025 का आयोजन बिहार के राजगीर में 29 अगस्त से शुरू होने जा रहा है, सभी टीमें बिहार पहुंच गई हैं. भारतीय हॉकी टीम का पहला मैच चीन के साथ 29 अगस्त को है. इससे पहले हॉकी इंडिया ने बड़ा एलान करते हुए फैंस को खुशखबरी दी है. एशिया कप के मैचों की टिकट्स फ्री रहेगी. जी हां. सभी मैचों की एंट्री फ्री रहेगी, फैंस स्टेडियम में जाकर किसी भी मैच का आनंद फ्री में ले सकेंगे.

हॉकी इंडिया ने इसका एलान करते हुए अपने स्टेटमेंट में कहा, हीरो पुरुष एशिया कप राजगीर, बिहार 2025 के सभी मैचों में एंट्री फ्री होगी,. 29 अगस्त से 7 सितंबर 2025 तक नवनिर्मित राजगीर हॉकी स्टेडियम में खेला जाने वाला यह टूर्नामेंट बिहार के दिल (राजगीर) में हॉकी का एक भव्य उत्सव होने का वादा करता है.फैंस या हॉकी इंडिया की ऐप पर जाकर फ्री में टिकट बुक कर सकते हैं. यहां प्रक्रिया पूरी होने के बाद वर्चुअल टिकट मिलेगा. टिकट बुक करने का तरीका सरल रखा गया है. वर्चुअल टिकट से फैंस को आसानी होगी सभी अपनी सीट तक सरलता से पहुंच जाएंगे.केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने सोमवार को नई दिल्ली में हॉकी पुरुष एशिया कप 2025 ट्रॉफी का अनावरण किया. ये टूर्नामेंट का 12वां संस्करण है, जो 29 अगस्त से 7 सितंबर तक बिहार के राजगीर में आयोजित होगा.

अल्काराज ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे

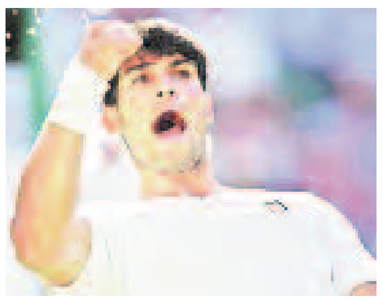

नई दिल्ली, एजेंसी। स्पेन के टेनिस स्टार और यूएस ओपन में दूसरी सीड कार्लोस अल्काराज दूसरे राउंड में पहुंच गए हैं। वहीं, दो बार की चैंपियन वीनस विलियम्स को पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा।

आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए मैच में अल्काराज नए लुक में नजर आए। वह सिर मुंडवाकर खेलने उतरे। अल्काराज ने पहले राउंड में रीली ओपेल्का को 6-4, 7-5, 6-4 से हराकर शानदार जीत हासिल की।

दो घंटे से ज्यादा समय तक चले इस मैच में उन्होंने केवल 17 गलतियां कीं, 58 में से 50 सर्विस पॉइंट जीते, सभी तीन ब्रेक पॉइंट बचाए और ओपेल्का की सर्विस तीन बार तोड़ी। अल्काराज ने पहले राउंड के मैच में रीली ओपेल्का को 6-4, 7-5, 6-4 से हराकर शानदार जीत हासिल की .मैक्लॉरी ने नए लुक को लेकर किया मजाक मैच से पहले अल्काराज की मुलाकात गोल्फ स्टार रॉरी मैक्लॉरी से हुई, जिन्होंने उनके मुंडे सिर को छूकर मजाक किया।

श्रेयस अय्यर, सरफराज, ऋतुराज; टीम में जगह बनाने पर होंगी इन 6 बल्लेबाजों की निगाहें

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टेस्ट टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। शुभमन गिल की अगुआई में बल्लेबाजों ने खूब रन बनाए। हालांकि, करुण नायर और साई सुदर्शन कुछ खास प्रभावित नहीं कर पाए। ऐसे में श्रेयस अय्यर, सरफराज खान, देवदत्त पडिक्कल जैसे खिलाड़ियों के लिए दलीप ट्रॉफी से शुरू होने वाला घरेलू क्रिकेट का 2025-26 सत्र काफी अहम होने वाला है। दलीप ट्रॉफी में 6 ऐसे बल्लेबाज खेलते दिखेंगे जो भारतीय टीम के चयनकर्ताओं को प्रभावित कर सकते हैं। वह भारतीय टेस्ट टीम की योजनाओं में आ सकते हैं।

देवदत्त पडिक्कल (साउथ जोन)

कर्नाटक के बाएं हाथ के बल्लेबाज ने इंग्लैंड के खिलाफ 2024 में डेब्यू किया था। पडिक्कल ने उस सीरीज में प्रभावित किया। इसके बाद उन्हें रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी और शुभमन गिल के चोटिल होने पर ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पहले टेस्ट में मौका मिला। वह उस मैच में कुछ खास नहीं कर पाए। चोटिल होने के कारण उन्हें इंग्लैंड दौरे पर इंडिया ए टीम में भी जगह नहीं मिली। पडिक्कल की निगाहें दलीप ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन करने पर होंगी।

श्रेयस अय्यर (वेस्ट जोन)

मुंबई का यह बल्लेबाज हाल ही में अपने प्रदर्शन के लिए नहीं बल्कि भारत की एशिया कप टीम में न चुने जाने के कारण सुर्खियों में रहा है। उन्होंने पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में अपनी जगह गंवा दी थी। वह स्पिन के खिलाफ सबसे बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक हैं और भारत की प्लेइंग इलेवन में छठे नंबर के लिए उपयुक्त बल्लेबाज हैं। अय्यर चयनकर्ताओं को प्रभावित करने की कोशिश करेंगे। उन्होंने आखिरी बार 2024 की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच खेला था।

ऋतुराज गायकवाड़ (वेस्ट जोन)

स्टाइलिश और तकनीकी रूप से मजबूत गायकवाड किसी फॉर्मेट की योजनाओं से बाहर हैं। पिछले सीजन में रणजी ट्रॉफी में उन्होंने मध्यक्रम में बल्लेबाजी शुरू की, जो इस बात का साफ संकेत है कि वह टीम में वापसी करना चाहते हैं। 28 साल की उम्र में वह उस मुकाम पर हैं, जहां उन्हें घरेलू क्रिकेट में अपनी निरंतरता को बड़े स्कोर में बदलना होगा ताकि एक बार फिर टीम में वापसी हो सके।

तिलक वर्मा (साउथ जोन)

इस सीजन में साउथ जोन की कप्तानी कर रहे तिलक को भारत के सबसे प्रतिभाशाली युवा बल्लेबाजों में से एक माना जाता है। सुनील गावस्कर, रोहित शर्मा और रविंद्र जडेजा जैसे दिग्गजों ने उन्हें भारत का अगला ऑल-फॉर्मेट क्रिकेटर बताया है। दलीप ट्रॉफी में बड़े स्कोर उनकी दावेदारी को और मजबूत कर सकते हैं।

सरफराज खान (वेस्ट जोन)

प्रथम श्रेणी क्रिकेट में लगभग 66 के औसत के बावजूद सरफराज खान को तेंदुलकर-एंडरसन सीरीज से बाहर रखा गया था। जब भी उन्हें भारत के लिए मौके मिले हैं वे काबिल तो दिखे हैं, लेकिन मौके काफी कम मिले हैं। वह एक बार फिर दलीप ट्रॉफी में अपनी काबिलियत साबित करने के लिए उतरेंगे।

रजत पाटीदार (सेंट्रल जोन)

आईपीएल 2025 में आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ भारत के लिए टेस्ट मैच खेल चुके हैं। पर्याप्त मौका मिलने के बावजूद वे प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे।

अंपायर का भी खराब दिन हो सकता है

क्रिकेट के इस नियम में बदलाव चाहते हैं सचिन तेंदुलकर

नई दिल्ली, एजेंसी। मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर चाहते हैं कि डिसिजन रिव्यू सिस्टम में अंपायर कॉल नियम में बदलाव चाहते हैं। तेंदुलकर ने सोमवार (26 अगस्त) को सोशल मीडिया साइट रेडिट पर फैंस से बातचीत में कही। इस दौरान उनसे सवाल हुआ कि क्रिकेट का कौन सा नियम वह बदलना चाहेंगे। इस पर उन्होंने अंपायर्स कॉल का नाम लिया। सचिन तेंदुलकर ने कहा कि खिलाड़ी मैदान पर मौजूद अंपायर के फैसले से नाखुश होने के कारण डीआरएस लेता है, ऐसे में उनका मानना है कि उस फैसले को बरकरार रखने का कोई विकल्प नहीं होना चाहिए। आस्क मी एनीथिंग (एएमए) सेशन के दौरान तेंदुलकर ने कहा, मैं अंपायर कॉल को लेकर डीआरएस नियम बदलूंगा। खिलाड़ियों ने थर्ड अंपायर के पास जाने का फैसला इसलिए किया क्योंकि वे मैदान पर मौजूद अंपायर के फैसले से नाखुश थे। इसलिए उस फैसले को बरकरार रखने का कोई विकल्प नहीं होना चाहिए। जिस तरह खिलाड़ियों का खराब समय होता है। उसी तरह अंपायरों का भी खराब समय होते हैं। तकनीक भले ही गड़बड़ हो वह गड़बड़ ही रहेगी।

पहले भी अंपायर कॉल की आलोचना कर चुके हैं तेंदुलकर

यह पहला मौका नहीं था कि सचिन तेंदुलकर ने अंपायर कॉल को हटाया जाना चाहिए। 2020 में उन्होंने कहा था कि अगर बॉल ट्रैकिंग के दौरान गेंद जरा सा भी स्टंप पर लगती है तो आउट दिया जाना चाहिए। उन्होंने वेस्टइंडीज के दिग्गज ब्रायन लारा के साथ एक वीडियो चैट में कहा था, मैं आईसीसी के डीआरएस से सहमत नहीं हूं,जिसका इस्तेमाल काफी समय से हो रहा है। एलबीडब्ल्यू के मामले में मैदान पर लिए गए फैसले को पलटने के लिए गेंद का 50% से ज्यादा हिस्सा स्टंप्स पर लगनाज़रूरी है। वे (बल्लेबाज या गेंदबाज) सिर्फ इसलिए ऊपर गए हैं क्योंकि वे मैदान पर लिए गए फैसले से नाखुश हैं, इसलिए जब फैसला तीसरे अंपायर के पास जाए तो तकनीक को अपना काम करने दें। बिल्कुल टेनिस की तरह या तो इन या आउट होना चाहिए। बीच का रास्ता नहीं होना चाहिए।

अंपायर कॉल क्या है?

अंपायर कॉल का इस्तेमाल तब किया जाता है जब डीआरएस तकनीकी साक्ष्य निर्णायक न होने की स्थिति में मैदान पर लिए गए फैसले को 'संदेह का लाभ' देता है। बॉल-ट्रैकिंग तकनीक के अनुसार जब गेंद का 50% से कम हिस्सा (बेल्स को छोड़कर) स्टंप्स पर लग रहा हो तो यह अंपायर कॉल होता है। हालांकि, ऐसी स्थिति में टीमें अपने रिव्यू नहीं गंवाती।

ओमान ने एशिया कप के लिए टीम की घोषणा की

नई दिल्ली, एजेंसी। पहली बार क्रिकेट एशिया कप में हिस्सा ले रही ओमान ने अपनी टीम की घोषणा की है। अनुभवी सलामी बल्लेबाज जतिंदर सिंह ओमान की कप्तानी करेंगे। टीम को ग्रुप ए में पाकिस्तान, मेजबान यूएई और भारत के साथ रखा गया है। 17 सदस्यीय टीम में पिछले साल अमेरिका और वेस्टइंडीज में हुए आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में भाग लेने वाले खिलाड़ियों से अलग

ओमान टीम
जतिंदर सिंह (कप्तान), हम्माद मिर्जा, विनायक शुक्ला, सुफियान यूसुफ, आशीष ओडेडेरा, आमिर कलीम, मोहम्मद नदीम, सुफियान महमूद, आर्यन बिष्ट, करण सोनावले, जिक्रिया इस्लाम, हसनैन अली शाह, फैसल शाह, मोहम्मद इमरान, नदीम खान, शकील अहमद, समय श्रीवास्तव।

खिलाड़ी शामिल हैं। ओमान टीम में कुल चार नए चेहरे सुफियान यूसुफ, जिक्रिया इस्लाम, फैसल शाह और नदीम खान अपने अंतरराष्ट्रीय पदार्पण की कतार में हैं। यह ओमान का एशिया कप में पहला प्रदर्शन होगा और मुख्य कोच दलीप मेंडिस यह देखने के लिए उत्साहित हैं कि टीम क्या हासिल कर पाती है। आईसीसी की आधिकारिक वेबसाइट के हवाले से मेंडिस ने कहा, यह सच है कि हम एशिया कप में हिस्सा ले रहे हैं, यह एक बड़ा टूर्नामेंट है और हमारे खिलाड़ियों के लिए वैश्विक मंच पर अपने कौशल का प्रदर्शन करने का एक शानदार अवसर है। उन्होंने कहा, भारत और पाकिस्तान जैसी टीमों के खिलाफ खेलना किसी भी क्रिकेटर के लिए एक यादगार पल होता है। तेज-तर्रार टी20 मैच में कुछ भी हो सकता है, जहां एक शानदार ओवर सब कुछ बदल सकता है।

अशनूर कौर ने की

'बिग बॉस 19' में एंट्री, फैंस को कहा शुक्रिया

'बिग बॉस 19' का आगाज हो चुका है। इनमें ये रिश्ता क्या कहलाता है की अदाकारा अशनूर कौर भी शामिल हैं। रविवार को उन्होंने बीबी हाउस में प्रवेश किया। इंस्टाग्राम पर अशनूर की एक वीडियो क्लिप साझा की गई है, जिसमें वे प्रशंसकों का आभार जता रही हैं। इस क्लिप में उन्होंने बिग बॉस जाने से पहले की तैयारियों की एक झलक भी दिखाई है। अशनूर कौर 'बिग बॉस 19' की सबसे युवा प्रतिभागी हैं। उन्होंने शो में प्रवेश करने के बाद इसे जीतने की इच्छा भी जाहिर की थी। अशनूर की टीम ने ये वीडियो शेयर करते हुए लिखा, आपके प्यार, दुआओं और साथ से आखिरकार अशनूर कौर ने बिग बॉस के घर में एंट्री कर ली है। जो फैंस उन्हें चार साल की नन्ही बच्ची से आज तक बढ़ते देख रहे हैं, उनके लिए यह खास मौका है, पहली बार रियलिटी टीवी पर असली अशनूर को देखने का, जो खूबसूरत, बेबाक और बहुत भावुक भी हैं। हम बेहद खुश हैं कि आप सभी इस सफर का हिस्सा बने हैं और अपने सपोर्ट से इसे और यादगार बना रहे हैं। अशनूर को चीयर करते रहिए, अपना प्यार बांटते रहिए और तैयार हो जाइए ढेर सारी नई और अनमोल यादों के लिए। अब असली रोमांच की शुरुआत होती है। इस वीडियो में अशनूर ने ये बताया कि जब तक वो ये वीडियो देखेंगे तब तक वह शो में प्रवेश कर चुकी होंगी। साथ ही उन्होंने फैंस को इतना सारा प्यार और सपोर्ट देने के लिए धन्यवाद भी कहा है। यह वीडियो उन्होंने बिग बॉस हाउस में जाने से पहले बनाया था। अशनूर कौर ने अपना करियर छोटी उम्र में ही शुरू कर दिया था। उन्होंने 2009 में ऐतिहासिक टीवी सीरियल झांसी की रानी से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वो साथ निभाना साथिया, शोभा सोमनाथ की, ना बोले तुम ना मैंने कुछ कहा, और बड़े अच्छे लगते हैं जैसे सीरियल्स में काम कर चुकी हैं। 'बिग बॉस' में आने से पहले उन्होंने 'सुमन इंदौरी' टीवी सीरियल में मुख्य अभिनेत्री के किरदार में लोगों को खूब पसंद आई थीं। इस सीरियल में अशनूर के साथ टीवी की मशहूर एक्ट्रेस अनीता हसनंदानी भी नजर आई थीं। 'बिग बॉस 19' का प्रीमियर जियो सिनेमा और कलर्स टीवी पर हो चुका है। जियो सिनेमा पर टीवी से 90 मिनट पहले ही सारे एपिसोड टेलिकास्ट किए जाएंगे। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान 16वीं बार इस शो की मेजबानी कर रहे हैं।

जयपुर पहुंचीं मन्नारा चोपड़ा, बताया सा रे गा मा का क्या है उनके लिए मतलब

बिग बॉस फेम मन्नारा चोपड़ा कुछ दिनों पहले अपनी नानी के घर अंबाला गई थीं। इन दिनों वो जयपुर में हैं और अपनी फैमिली के साथ छुट्टियां मना रही हैं। इसकी कुछ तस्वीरें उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट की हैं। एक प्यारी सी पोस्ट के जरिए अभिनेत्री ने बताया कि इस ट्रिप की पूरी योजना पेरिस से आए उनके दो कजिन्स ने की थी। पोस्ट को शेयर करते हुए मन्नारा चोपड़ा ने इंस्टाग्राम पर लिखा, मिलिए मेरे कजिन्स से जो मेरी नानी की तरफ से हैं। हम सब जयपुर में यादें संजो रहे हैं। उन्होंने अपनी नानी के घर की तस्वीरों के साथ ही कुछ यादें भी शेयर की हैं। इसमें उन्होंने नानी के घर के अलावा अंबाला कैंट की कुछ खूबसूरत तस्वीरें भी शेयर की हैं। अंकुर और आयुषी को धन्यवाद, पेरिस से भारत आने के लिए और इस ट्रिप की प्लानिंग करने के लिए। इस पोस्ट में उन्होंने एक वीडियो भी शेयर किया है। यहां इसमें वो अपने कजिन्स से मिलवाते हुए बता रही हैं कि उनके लिए सा रे गा मा का मतलब क्या है। मन्नारा ने मौसेरे और ममेरे भाई बहनों को सा, रे, गा बताया तो चौथे सुर मा को अपनी मां से जोड़ा। उन्होंने कहा क्योंकि मां तो हमेशा साथ रहती हैं। तस्वीरों में मन्नारा चोपड़ा जयपुर के दर्शनीय स्थलों में घूमती दिखाई दे रही हैं। जल महल से लेकर हवा महल तक को निहारती देखी जा सकती हैं। एक फोटो में वो राजस्थानी थाली का भी लुत्फ उठाती दिखीं। कुछ दिनों पहले उन्होंने अंबाला ट्रिप की भी तस्वीरें फैंस के लिए इंस्टाग्राम पर शेयर की थीं। उन्होंने पोस्ट में बताया था कि नानी के घर जाने पर उन्हें बहुत ही खास फील होता था। बचपन में जब भी वो वहां जाती थीं तो दोपहर में खूब सोती थीं, खेलती थीं, और घर के बने खाने और अचार का लुत्फ उठाती थीं। मन्नारा ने बताया कि यहां के मौसमी फल और सब्जियां जीवन में रंग भर देती हैं। ये सिर्फ पुरानी यादें नहीं, उससे बढ़कर हैं। यह अपनापन है। मन्नारा तेलुगु फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं। उन्होंने जिद फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। उन्होंने सलमान खान के रियलिटी शो बिग बॉस 17 में भी हिस्सा लिया था, जिसके बाद वो सुर्खियों में आईं। उस सीजन की वो सेकंड रनर-अप रही थीं।

लंबे ब्रेक के बाद सना मकबूल की महिला केंद्रित वेब सीरीज से बड़े पर्दे पर वापसी

लंबे ब्रेक के बाद अभिनेत्री सना मकबूल अब महिला केंद्रित वेब सीरीज के साथ वापसी कर रही हैं। अभिनेत्री का कहना है कि लंबे समय तक चुपचाप अपनी सेहत का ख्याल रखने और खुद को दोबारा तैयार करने के बाद अब फिर से एक्टिंग की दुनिया में कदम रख रही हैं। सना ने अपनी जिंदगी के सफर को याद करते हुए कहा कि जब हालात ने उन्हें रुकने पर मजबूर किया, तो उन्हें एहसास हुआ कि महिलाएं अक्सर खुद को सबसे आखिर में रखती हैं, अपने सपनों को, अपनी सेहत को, और अपनी खुशी को भी। उन्होंने कहा, मेरे लिए महिलाओं से जुड़ी एक कहानी के साथ वापसी करना बहुत खास है। ये मेरी तरफ से एक संदेश है कि हम सबको दूसरा मौका मिलना चाहिए, और हम सबकी बात सुनी जानी चाहिए। उनकी आने वाली वेब सीरीज महिलाओं की भावनाओं, ताकत और जज्बे पर आधारित होगी, जो सना की जिंदगी के अनुभवों से भी मेल खाती है। इस प्रोजेक्ट को उन्होंने इसलिए चुना क्योंकि वह ऐसे किरदारों को सामने लाना चाहती थीं, जो साहस, उम्मीद और आत्म-खोज की मिसाल पेश करें। सना को आखिरी बार सुर्खियों में तब देखा गया था, जब जून में उनकी करीबी दोस्त, डॉ. आशना कंचवाला ने अस्पताल से एक इमोशनल पोस्ट शेयर की थी। इंस्टाग्राम स्टोरी पर सना की एक बीमार हालत में तस्वीर साझा करते हुए आशना ने लिखा था, मेरी सबसे स्ट्रॉन्ग दोस्त। तुमने जैसी हिम्मत दिखाई है, मैं तुम पर गर्व करती हूं। तुम जल्द ही इस मुश्किल से बाहर आओगी। इसके कुछ दिन बाद, सना ने भी सोशल मीडिया पर अपने फैन्स को धन्यवाद कहा और सभी से दुआओं की गुजारिश की। उन्होंने एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह अपने हाथ में एक डॉल पकड़ी थीं और लिखा था, मेरे इस तूफान के बीच, वह मेरे लिए पहला लैबुबू लाया। इसके साथ ही सना ने एक इंटरव्यू में अपने हेल्थ इश्यू के बारे में खुलकर बताया था। उन्होंने कहा था, इस बीमारी में शरीर अपने ही अंगों पर हमला करता है। मेरे केस में यह लिवर को प्रभावित कर रहा है। यह लुपस की तरह है, जिसमें किडनी या जोड़ों पर असर होता है।

मनोज बाजपेयी की जुगनुमा जल्द होगी रिलीज, सामने आया नया पोस्टर

बॉलीवुड स्टार मनोज बाजपेयी की नई फिल्म जुगनुमा की रिलीज डेट फाइनल हो गई है। यह 12 सितंबर को रिलीज होगी। मेकर्स ने एक पोस्टर जारी कर इसकी जानकारी फैंस को दी है। जुगनुमा को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस फिल्म को खूब सराहा गया है। अब इसे भारत में रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म का एक पोस्टर तरण आदर्श ने इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए लिखा, मनोज बाजपेयी की फिल्म 12 सितंबर 2025 को रिलीज होगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तारीफ बटोरने के बाद अब ये भारत के सिनेमाघरों में रिलीज होने को तैयार है।

इस फिल्म को नेशनल अवॉर्ड विजेता राम रेड्डी ने डायरेक्ट किया है। उन्हें कन्नड़ फिल्म थिथि के लिए ये अवॉर्ड मिला था। इसके पोस्टर में मनोज बाजपेयी अपनी ऑनस्क्रीन फैमिली के साथ दिखाई दे रहे हैं। इसमें एक बच्चा उनके कंधों पर बैठा है और सभी किसी बात का जश्न मनाते दिख रहे हैं।

इस फिल्म की कहानी 1980 के दशक की है। इसमें जुगनू महादेव (मनोज बाजपेयी) रहस्यमयी तरीके से जल रहे जंगलों के बारे में पता लगाते हैं। इसमें मनोज बाजपेयी के साथ दीपक डोबरियाल, प्रियंका बोस, तिलोत्तमा शोम, हीरल सिद्धू और अवन पुकोट भी अहम किरदार निभा रहे हैं। गुनीत मोंगा और अनुराग कश्यप इस फिल्म के एग्जिक्यूटिव प्रोड्यूसर हैं। इसके डायलॉग वरुण ग्रोवर ने लिखे हैं। फिल्म को मैक्स मीडिया, सिख्या एंटरटेनमेंट और पर्सपेक्टिव प्रोडक्शन ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म के साथ ही मनोज बाजपेयी के पास फिल्म 'इंस्पेक्टर जेंडे' भी है। यह फिल्म 5 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने के लिए तैयार है। इसमें मनोज बाजपेयी एक बार फिर से इंस्पेक्टर की भूमिका में दिखाई देंगे। चिन्मय डी. मांडलेकर के निर्देशन में बनी फिल्म में मनोज बाजपेयी और जिम सर्भ के साथ भालचंद्र कदम, सचिन खेडेकर, गिरिजा ओक और हरीश दुधाडे जैसे एक्टर्स भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। कुछ दिनों पहले ही इसका पोस्टर जारी कर इसकी रिलीज डेट से पर्दा उठाया गया था।

ऑल अबाउट हर में होंगी मजेदार और जरूरी बातें: सोहा अली खान

अभिनेत्री सोहा अली खान ने डिजिटल ऑडियंस के साथ जुड़ने के लिए पॉडकास्ट ऑल अबाउट हर शुरू किया है। अभिनेत्री ने बताया कि कोविड के बाद से ही पॉडकास्ट का चलन कुछ ज्यादा ही हो गया है। ऐसे में हम एक ऐसा फॉर्मेट लेकर आए हैं, जो अब तक दर्शकों को देखने को नहीं मिला है। बातचीत में सोहा ने कहा, मैं मानती हूं कि आजकल पॉडकास्ट्स की संख्या बहुत बढ़ गई है और लोगों की दिलचस्पी भी इसमें बढ़ रही है। लेकिन जब मैंने रिसर्च की तो देखा कि न्यूज, फिक्शनल थ्रिलर्स, वेलनेस और पैरेंटिंग जैसे विषयों पर कई पॉडकास्ट हैं, मगर महिलाओं की वेलनेस को लेकर कोई बात नहीं कर रहा है और मैं इस पॉडकास्ट के जरिए इसी गैप को भरने की कोशिश कर रही हूं। एक्ट्रेस ने आगे बताया कि आमतौर पर पॉडकास्ट में या तो कोई सेलेब्रिटी होता है या कोई एक्सपर्ट। लेकिन उनके पॉडकास्ट का फॉर्मेट थोड़ा नया है। इसमें न केवल सेलिब्रिटी होंगे बल्कि एक्सपर्ट्स भी होंगे। सोहा ने कहा, जब कोई एक्सपर्ट होता है, तो बातचीत थोड़ी बोरिंग हो जाती है, जबकि सेलेब्रिटी के साथ बातचीत और मजेदार लगने लगती है, लेकिन उन बातचीत में कुछ सीखने को नहीं मिलता है। लेकिन जब दोनों को एक साथ लाया जाए, तो बातचीत भी मजेदार होती है और सुनने वालों को कुछ काम की बातें भी मिलती हैं। यही इस पॉडकास्ट की खासियत है। उम्मीद है कि यह पॉडकास्ट महिलाओं को जागरूक बनाएगा और उपयोगी जानकारी मुहैया कराने का एक बेहतरीन मंच साबित होगा। इस पॉडकास्ट में अलग-अलग क्षेत्रों की जानी-मानी महिलाएं शामिल होंगी, जिनमें मलाइका अरोड़ा, करीना कपूर खान, स्मृति ईरानी, राधिका गुप्ता, पत्रलेखा, और सनी लियोन जैसे कई पॉपुलर चेहरे नजर आएंगे। साथ ही, किरण कोएल्हो, डॉ. रंजना धनु, और रुजुता दिवेकर जैसी विशेषज्ञों को भी इसमें देखा जा सकेगा, जो अलग-अलग मुद्दों पर अपनी राय देती दिखेंगी।

उत्तराखंड में बाढ़ का कहर

मदद के लिए आगे आए फरहान

उत्तराखंड के देहरादून सहित कई जिलों में भारी बारिश का कहर देखने को मिल रहा है। कई शहर बाढ़ की चपेट में हैं। इस बीच बॉलीवुड एक्टर फरहान अख्तर उत्तराखंड के बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आगे आए हैं। उत्तराखंड में इन दिनों बारिश कहर बनकर बरस रही है। देहरादून सहित ज्यादातर क्षेत्रों में तीव्र बारिश का दौर जारी है, जिससे जन जीवन खासा प्रभावित हुआ है। मौसम विभाग की ओर से भी ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। हर्षिल और धराली जिले में हालात और भी खराब हैं। हर्षिल में तेलगाड नदी उफान पर है, जिससे शहर की पूरी गतिविधि रुक चुकी है। इस बीच बॉलीवुड फिल्म मेकर और एक्टर फरहान अख्तर उत्तराखंड के बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आगे आए हैं। उन्होंने बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए फोन डोनेट किए हैं।

उत्तराखंड बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आगे आए फरहान अख्तर

रिपोर्ट के अनुसार, फरहान अख्तर ने उत्तराखंड के हर्षिल और धराली जिलों के बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए 50 फोन दान किए हैं। दरअसल, बाढ़ के चलते इन शहरों के कई परिवारों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। कई ने अपना सामान खो दिया, जिससे लोगों को खासी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में डोनेट किए गए ये उपकरण प्रभावित क्षेत्र में फरहान अख्तर संचार फिर से स्थापित करने में मदद करने के उद्देश्य से डोनेट किए गए हैं।

फरहान अख्तर ने भेजे 50 फोन

उन्होंने गुरुग्राम स्थित नॉन-प्रॉफिट ऑर्गनाईजेशन भारत डिजास्टर रिलीफ फाउंडेशन द्वारा उत्तराखंड बाढ़ पीड़ितों को ये मदद पहुंचाई है। न्यूज 18 के अनुसार, BDRF के दिव्यांशु उपाध्याय ने फरहान अख्तर को मदद के लिए मैसेज किया था, जिसके बाद अभिनेता ने 7000 रुपये की कीमत के 50 फोन उन्हें भेज दिए, जो ऐसे लोगों की मदद के लिए हैं जिन्होंने अपने घर के सामान और उपकरण इस आपदा में खो दिए और अपनों से संपर्क करने के लिए अब उनके पास साधन नहीं है।

1+1=3... फैंस को दिया हिंट

परिणीति बनने वाली हैं मां

बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी जिंदगी से जुड़ी एक बड़ी खुशखबरी अपने फैंस के साथ साझा की है, जिसके बाद उनके चाहने वालों की खुशी का ठिकाना नहीं है। हर कोई उन्हें कमेंट्स के जरिए बधाइयां दे रहा है। परिणीति ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें एक खास केक नजर आ रहा है। इस केक पर नन्हे-नन्हे कदमों के निशान बने हुए थे और उस पर लिखा था 1+1=3... यह एक्ट्रेस का एक प्यारा और अनोखा तरीका है यह बताने का कि अब वह मां बनने वाली हैं। हालांकि उन्होंने सीधे-सीधे शब्दों में प्रेग्नेंसी का जिक्र नहीं किया, लेकिन यह संकेत सबके लिए साफ है कि वह प्रेग्नेंट है। इसके अलावा, उन्होंने अपनी पोस्ट में एक वीडियो भी साझा की, जिसमें वह अपने पति राघव चड्ढा के साथ विदेश में घूमती नजर आ रही थीं। दोनों हाथों में हाथ डाले एक-दूसरे में खोए हुए टहलते दिख रहे हैं। इस पोस्ट के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, हमारी छोटी सी दुनिया रास्ते में है... बेहिसाब रूप से धन्य महसूस कर रही हूं। उनके कैप्शन से फैंस अंदाजा लगा रहे हैं कि वे गर्भवती हैं और जल्द ही मां बनने वाली हैं। परिणीति के इस पोस्ट पर उनके फैंस और दोस्तों ने अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं दीं। सबसे पहले तो उनकी करीबी दोस्त और बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने इस पोस्ट पर बधाई देते हुए कमेंट किया। इसके अलावा, उनके कई फैंस ने भी प्यार भरे शब्दों में उन्हें शुभकामनाएं दीं।
झ कई लोगों ने लिखा कि वे बहुत खुश हैं और जल्द ही उनकी मदरहुड जर्नी को देखने के लिए उत्साहित हैं। कुछ फैंस ने उन्हें ढेर सारा प्यार और आशीर्वाद भेजा।

साभार एजेंसी